राष्ट्रीय दैनिक

हर खबर की खबर

प्रातः किरण

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | पीएमएफएमई योजना में सर्वाधिक स्वीकृतियों के...

एलएनजेपी छपरा में विद्यार्थी सहयोग... | 07

वर्ष : 14 | अंक : 137 | पटना, बुधवार, 26 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 26.0°C

न्यूनतम तापमान 18.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	45%
नहीं	55%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,63,900
चांदी	2,80,300
सेंसेक्स	77,656
निफ्टी	24,334

संक्षिप्त खबरें

जाति जनगणना की प्रक्रिया पर खरगे-राहुल ने जताई चिंता, मोदी को लिखा संयुक्त पत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संयुक्त पत्र लिखकर जाति जनगणना की मौजूदा प्रक्रिया पर गंभीर चिंता जताई है। श्री खरगे ने कहा कि खुले सवालों के माध्यम से जातियों की सही गिनती संभव नहीं है। एक ही जाति के अलग-अलग नामों और उपजातियों के रूप में दर्ज होने से आंकड़े बिखर सकते हैं, जिसका सबसे अधिक नुकसान अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अति पिछड़े और वंचित समुदायों को होगा। श्री खरगे ने कहा कि कांग्रेस की मांग स्पष्ट है कि मौजूदा प्रश्नावली को रद्द कर प्रमाणित जाति सूची के आधार पर नई प्रश्नावली तैयार की जाए। इसके लिए राजनीतिक दलों, विशेषज्ञों और आम जनता से व्यापक परामर्श किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना और बिहार में किए गए जाति सर्वेक्षणों की तर्ज पर पहले से तैयार और प्रमाणित जाति सूची के आधार पर गणना करना इसका व्यावहारिक समाधान हो सकता है। श्री खरगे ने जोर देकर कहा कि जाति जनगणना केवल कराई ही नहीं जानी चाहिए, बल्कि उसके आंकड़े सही और विश्वसनीय भी होने चाहिए। उन्होंने कहा कि सटीक जातीय आंकड़े सामाजिक न्याय और वंचित समुदायों के अधिकारों से जुड़े नीतिगत फैसलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

मुख्यमंत्री ने 'सुधा सखी', महिला संचालित पशु औषधि केंद्र एवं 'अनीमिया मुक्त बिहार' अभियान का किया शुभारंभ

अगले तीन वर्षों में एक करोड़ महिलाओं को सीधे रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य : सम्राट

मुख्य बिंदु :-

- महिलाओं और बहनों की प्रगति से ही विकसित बिहार और समृद्ध बिहार का संकल्प पूरा होगा
- महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और स्वास्थ्य सुरक्षा को नई गति

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद सभागार में रक्षाबंधन के पूर्व आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को रोजगार और स्वास्थ्य से जोड़ने के लिए तीन दिवसीय विशेष अभियान की शुरूआत की है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अगले तीन वर्षों में बिहार की एक करोड़ महिलाओं को सीधे रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। 25, 26 और 27 अगस्त तक चलनेवाले इस विशेष अभियान में स्वास्थ्य विभाग, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग एवं अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का लाभ महिलाओं तक पहुंचाया जाएगा। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की समृद्धि का रास्ता महिलाओं के सशक्तीकरण से होकर जाता है।

सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 के विधानसभा चुनाव से पहले एक करोड़ महिलाओं को सीधे रोजगार से जोड़ा जाए। जीविका से जुड़ी करीब 1.81 करोड़ महिलाओं और 13 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का काम लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए एनीमिया मुक्त बिहार अभियान भी शुरू किया गया है। अभियान के तहत बिहार में बच्चों, महिलाओं और विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं की एनीमिया की जांच की जाएगी तथा जरूरत के अनुसार उनका उपचार और दवा उपलब्ध कराई जाएगी। बड़ी संख्या में महिलाएं एनीमिया से प्रभावित हैं और गर्भवती महिलाओं में एनीमिया जच्चा-बच्चा दोनों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

अनीमिया मुक्त बिहार विशेष अभियान का शुभारंभः मुख्यमंत्री ने अनीमिया मुक्त बिहार विशेष अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान 25 अगस्त से 30 नवंबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान के माध्यम से राज्य में एनीमिया की रोकथाम, जांच, उपचार एवं जागरूकता को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया जाएगा। अभियान के तहत लगभग 1 करोड़ 20 लाख 82 हजार 500 लाभार्थियों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से टीबी उन्मूलन अभियान के तहत भी बड़ी संख्या में लोगों की स्क्रीनिंग की गई है। अब स्वास्थ्य सेवाओं को जिला स्तर तक मजबूत किया जा रहा है। जिलों में 36 तरह के ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे लोगों को हर छोटी-बड़ी स्वास्थ्य सुविधा के लिए पटना आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

सुधा बिक्री केंद्र खोलने के लिए दीदी का चयन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगाः मुख्यमंत्री ने पशुपालन एवं दुग्ध क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की घोषणा करते हुए कहा कि वर्तमान में करीब 12 लाख किसान दुग्ध उत्पादन से जुड़े हैं। इस संख्या को बढ़ाकर 50 लाख से अधिक करने का लक्ष्य है। महिलाओं को सुधा सखी, जीविका सुधा बिक्री केंद्र तथा दूध संग्रहण केंद्रों से जोड़कर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर डेयरी क्षेत्र में महिलाओं की करीब 70 प्रतिशत भागीदारी है। बिहार में इसे बढ़ाकर 80 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत सुधा बिक्री केंद्र खोलनेवाली महिलाओं को दूसरी और तीसरी किश्त मिलाकर करीब 60 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। सभी पंचायतों में एक सुधा बिक्री केंद्र खोलने के लिए दीदी का चयन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। भविष्य में इसे गांवों तक विस्तार देने की योजना है। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सा एवं दवा की सुविधा को गांवों के करीब पहुंचाने के लिए राज्य के सभी 534 प्रखंडों में पशु औषधि बिक्री केंद्र खोलने का अभियान भी शुरू किया गया है।

अंतरजातीय विवाह अब सवा लाख रुपये की सहायताः मुख्यमंत्री ने एक अन्य महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग की जो महिलाएं अंतरजातीय विवाह करती हैं, उन्हें बिहार सरकार की ओर से अब सवा लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी और केन्द्र सरकार की तरफ से भी इस संबंध में सवा लाख रुपए की सहायता दी जा रही है यानी उन्हें कुल ढ़ाई लाख रुपए की सहायता मिलेगी।

इस संबंध में निर्णय आज से लागू करने की दिशा में कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रारंभिक परीक्षा उतीर्ण होने पर सभी वर्ग की छात्राओं को 30 हजार रुपए से एक लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी। उन्होंने कहा कि बिहार में महिलाओं को पंचायत और नगर निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है।

महिलाओं को रोजगार से जोड़ना लक्ष्यः मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2020 में 10 लाख सरकारी नौकरी और 10 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया था। सरकार ने इसके मुकाबले करीब 12 लाख सरकारी नौकरियां देने और लगभग 51 लाख लोगों को रोजगार से जोड़ने का काम किया है।

अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के मार्गदर्शन में सरकार ने एक करोड़ लोगों को सीधे सरकारी नौकरी और रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। बिहार की महिलाओं को रोजगार से जोड़ना इस लक्ष्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। महिला सशक्तीकरण को समृद्ध बिहार की सबसे बड़ी शक्ति बनाकर नए बिहार का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए विद्यार्थी सहयोग शिविर की शुरूआत की है। ऑनलाइन व्यवस्था पहले ही शुरू की जा चुकी है, जबकि अब शिविर के माध्यम से छात्रों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। हॉस्टल, छात्रावास, स्कूल, कॉलेज सहित शिक्षा से जुड़ी समस्याओं को इसमें शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि सहयोग पोर्टल के माध्यम से अब तक करीब 6.46 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 96 प्रतिशत आवेदनों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि लोगों की समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान हो।

सुधा सखी प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने सुधा सखी प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया। जीविका-सुधा बिक्री केंद्रों के आवंटन-पत्र वितरित किए गए। महिलाओं द्वारा संचालित पशु औषधि बिक्री केंद्रों के लिए चयनित महिलाओं को चयन-पत्र प्रदान किए गए। 'सुधा' से संबंधित कार्यक्रम के तहत गठित दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के निबंधन प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। मिथिला हस्तकला को-ऑपरेटिव सोसायटी की घोषणा एवं नवनियुक्त अध्यक्ष / सदस्यों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। 'सुधा सखी' के माध्यम से महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़कर उनके आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा दिया जायेगा।

यूपीआई डिजिटल भुगतान अवसंरचना का एक अहम स्तंभ बनकर उभरा : मोदी

- प्रधानमंत्री ने की यूपीआई के 10 साल के सफर की तारीफ

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के 10 साल के सफर की तारीफ करते हुए इसे देश की डिजिटल भुगतान क्रांति में एक क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली ताकत करार दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसका जबरदस्त विस्तार और पहुंच हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। श्री मोदी ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में पिछले 10 सालों में यूपीआई के सफर को याद किया और लोगों से यह बताने को कहा कि इस डिजिटल भुगतान प्रणाली ने उनकी ज़िंदगी कैसे बदली है। उन्होंने कहा, एक दशक पहले यूपीआई की शुरूआत की गई थी, जो भारत के डिजिटल भुगतान के सफर में एक बड़ा मोड़ साबित हुआ।

उन्होंने कहा, यूपीआई का विशाल विस्तार और पहुच ऐसी चीज है, जिस पर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से अपने अनुभव साझा करने और यह बताने का आग्रह किया कि इस प्लेटफॉर्म का उनके रोजमर्रा के जीवन पर क्या असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि यूपीआई भारत के डिजिटल भुगतान अवसंरचना का एक अहम स्तंभ बनकर उभरा है। यह उपयोगकताओं को मोबाइल एप्लिकेशन और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए बैंक खातों के बीच तुरंत पैसे ट्रांसफर करने की सुविधा देता है। इसके तेजी से विस्तार ने देश भर में लोगों, व्यवसायों और व्यापारियों के रोजमर्रा के लेन-देन के तरीके को बदल दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों से लेकर आस-पास की दुकानों और सड़क किनारे सामान बेचने वालों तक यूपीआई ने डिजिटल और कैशलेस भुगतान को ज्यादा आसान और सुलभ बनाने में मदद की है। स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने के साथ ही यह प्लेटफॉर्म बड़े शहरों से आगे बढ़कर छोटे कस्बों और ग्रामीण इलाकों तक भी पहुंच गया है। सरकार ने अक्सर यूपीआई को भारत के डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और प्रौद्योगिकी आधारित एवं आर्थिक रूप से समावेशी अर्थव्यवस्था बनाने की कोशिशों की एक बड़ी सफलता के तौर पर पेश किया है। श्री मोदी की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब सरकार डिजिटल वित्तीय सेवाओं के विस्तार और औपचारिक भुगतान प्रणाली तक पहुंच को मजबूत करने पर लगातार जोर दे रही है, और यूपीआई अब भारत के व्यापक डिजिटल बदलाव में अहम भूमिका निभा रहा है।

टीआरई-4 की एकल परीक्षा की मांगों को लेकर छात्रों का उग्र प्रदर्शन, वाटर कैनन का प्रयोग

प्रात : किरण

पटना। बिहार में शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई-4 की एकल परीक्षा कराने समेत अन्य मांगों को लेकर मंगलवार को पटना में छात्रों का प्रदर्शन उग्र हो गया। गांधी मैदान से शुरू हुआ छात्रों का मार्च डाकबंगला चौराहे तक पहुंच गया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की ओर से लगाए गए सुरक्षा घेरे और बैरिकेडिंग को पार कर आगे बढ़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इसके बाद हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया गया और कई छात्रों को हिरासत में लिया गया। गांधी मैदान और डाकबंगला चौराहे के आसपास प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती के साथ कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई थी। हालांकि, प्रदर्शनकारी इन बाधाओं को पार करते हुए डाकबंगला चौराहे तक पहुंच गए। स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने पानी की बौछार शुरू कर दी। वाटर कैनन के बावजूद बड़ी संख्या में छात्र मौके पर डटे रहे और अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करते रहे। प्रदर्शन के दौरान कई छात्र तिरंगा लेकर सड़क पर नारे लगाते और डांस करते नजर आए। छात्रों का कहना था कि वे शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार तथा बिहार लोक सेवा आयोग को उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। मौके पर स्थिति का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी कुंदन कुमार और एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा भी डाकबंगला चौराहे पहुंचे। अधिकारियों ने पुलिस बल से स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन भीड़ के पीछे नहीं हटने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि छात्र अपना अधिकार मांग रहे हैं, किसी से भीख नहीं मांग रहे। उन्होंने परीक्षा व्यवस्था में देरी और कथित पेपर लीक की घटनाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि बीएसएससी का नोटिफिकेशन वर्षों पहले जारी होने के बावजूद परीक्षा नहीं हो सकी है।

सरकार के 100 दिनों के कार्यों का हो अधिक प्रचार-प्रसार : मंत्री

प्रात : किरण

पटना। ग्रामीण विकास तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री एवं जदयू विधायक दल के नेता मंत्री श्रवण कुमार ने विभाग के कामकाज की गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सरकार के 100 दिनों में किए गए कार्यों और शुभारंभ हुई जनहित योजनाओं का अधिकतम प्रचार किया जाए, ताकि कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी हर व्यक्ति तक पहुंचे। समीक्षा बैठक में मंत्री ने कहा कि समाचार पत्रों, टीवी, रेडियो और सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार, विभागों तथा जिला स्तर पर हुए सकारात्मक कार्यों को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। उन्होंने नकारात्मक खबरों के त्वरित आधिकारिक खंडन पर भी जोर दिया, ताकि गलत जानकारी या अफवाहें न फैले। श्री कुमार ने विभाग को मीडिया संबंधी कार्यों को और सुचारू व मजबूत बनाने का निर्देश दिया। सोशल मीडिया में बढ़ती रुचि को देखते हुए उन्होंने सरकार और आमजन के बीच विश्वास व सकारात्मक रवैया अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यों का फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम आदि प्लेटफॉर्म्स पर उत्तम गुणवत्ता के साथ नियमित प्रचार हो और इसकी नियमित समीक्षा भी की जाए। कार्यालय में कार्य समन्वय और पारदर्शिता के साथ किया जाए। बैठक में विभाग के सचिव श्री नवीन कुमार, निदेशक अनिल कुमार, संयुक्त सचिव राजीव कुमार सिंह सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इको-टूरिज्म स्थलों के प्रति तेजी से बढ़ा आकर्षण दो वर्ष में 20 लाख से अधिक बढ़े पर्यटक

- 2022-23 में 55.20 लाख पर्यटक पहुंचे, 2024-25 में बढ़कर 74.90 लाख हुई संख्या

प्रात : किरण

पटना। बिहार के इको टूरिज्म स्थल तेजी से आकर्षण के केंद्र बनते जा रहे हैं। पहले सूबे के ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल ही मुख्य रूप से पर्यटन स्थलों के तौर पर विशेष पहचान रखते थे। अब यहां की प्राकृतिक खूबसूरती, वन्यजीवों के साथ ही रोमांचक गतिविधियों और आधुनिक सुविधाओं से सजे इको-टूरिज्म केंद्र भी पर्यटकों को खासा आकर्षित कर रहे हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के स्तर से विकसित किए गए इन इको-टूरिज्म केंद्रों पर पर्यटकों की संख्या में महज दो वर्षों में करीब 36 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2022-23 में जहां पूरे बिहार के इको-टूरिज्म केंद्रों पर 55,20,156 पर्यटक पहुंचे थे, वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 74,90,847 हो गई। यानी महज दो वर्षों में ही इन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में 20 लाख से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इनमें बड़ी संख्या में ऐसे स्थान भी शामिल हैं, जो कभी नक्सलियों की मांद के तौर पर जाने जाते थे। परंतु नक्सलियों का सफाया होने से इन स्थानों का विकास भी तेजी से हुआ है और इनकी खूबसूरत के प्रति तेजी से लोग आकर्षित होने लगे हैं।

राजगीर नेचर सफारी के प्रति बढ़ा दोगुणा आकर्षणः इको-टूरिज्म की बढ़ती लोकप्रियता का सबसे प्रमुख उदाहरण राजगीर नेचर सफारी है। वर्ष 2022-23 में यहां करीब 1.59 लाख पर्यटक पहुंचे थे, जबकि 2024-25 में यह संख्या बढ़कर लगभग 3 लाख हो गई। यानी दो वर्षों में पर्यटकों की संख्या करीब दो गुणा हो गई। राजगीर की पहाड़ियों और हरियाली के बीच विकसित नेचर सफारी में प्रकृति के साथ रोमांच का अनूठा संगम देखने को मिलता है। ग्लास स्काईवॉक, जिपलाइन, स्काई साइकिलिंग और सस्पेंशन ब्रिज जैसे आकर्षण पर्यटकों को खासा लुभा रहे हैं। इसके अलावा आर्चरी, राइफल शूटिंग, ट्रैंपोलिन और वॉल क्लाइंबिंग जैसी गतिविधियां इसे परिवारों, बच्चों और युवाओं के लिए भी खास बनाती हैं।

करमचट डैम में तीन गुणा से अधिक बढ़े पर्यटकः कैमूर का करमचट डैम भी पर्यटकों की बढ़ती पसंद का उदाहरण बनकर उभरा है। यहां वर्ष 2022-23 में 46,163 पर्यटक पहुंचे थे, जबकि 2024-25 में संख्या बढ़कर 1,49,832 हो गई। यानी दो वर्षों में पर्यटकों की संख्या तीन गुणा से अधिक हो गई। प्राकृतिक जलाशय, पहाड़ी परिदृश्य और हरियाली के बीच पर्यटन की संभावनाओं ने इस क्षेत्र को तेजी से लोकप्रिय बनाया है।

भीमबांध में ढाई गुणा बढ़े पर्यटकः मुंगेर स्थित भीमबांध इकोटूरिज्म सेंटर में भी पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2022-23 में यहां 35 हजार 93 पर्यटक ही पहुंचे थे, जो 2024-25 में बढ़कर 85 हजार 868 हो गए। इस तरह यहां पर्यटकों की संख्या में करीब ढाई गुणा की बढ़ोतरी हुई है।

मंदार हिल और नागी-नकटी भी बने पसंदीदा ठिकानेः बांका स्थित मंदार हिल इको टूरिज्म सेंटर में भी पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। वर्ष 2022-23 में करीब 80 हजार पर्यटक यहां पहुंचे थे। जबकि 2024-25 में यह संख्या बढ़कर करीब 98 हजार हो गई। वहीं, जमुई स्थित नागी-नकटी बर्ड सेंचुरी में 2022-23 के 30,797 पर्यटकों के मुकाबले 2024-25 में 48,068 पर्यटक पहुंचे। यहां पक्षियों की विविधता और प्राकृतिक वातावरण पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख कारण है।

प्रकृति, रोमांच और संरक्षण का संगमः बिहार में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने का उद्देश्य प्राकृतिक एवं वन्यजीव क्षेत्रों के संरक्षण के साथ पर्यटन गतिविधियों का विस्तार करना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाना है। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व, भीमबांध, ककोलत जलप्रपात, कैमूर के वन क्षेत्र, गौतम बुद्ध वन्यजीव अभयारण्य, नागी-नकटी पक्षी आश्रयणी, पश्चिमी चंपारण के उदयपुर वन क्षेत्र और मंदार हिल जैसे स्थल राज्य के इको-टूरिज्म सर्किट को मजबूत कर रहे हैं।

निजी निवेश से विकसित होंगी 276 इको-टूरिज्म परियोजनाएंः पर्यटन विभाग ने इको-टूरिज्म के विकास में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए 13 जुलाई को इकोटूरिज्म इन्वेस्टर्स मीट 2026 का आयोजन किया था। पीपीपी मॉडल के तहत डीबीएफओटी आधार पर परियोजनाएं विकसित की जाएंगी। विभाग ने निवेश के लिए 276 परियोजनाओं की पहचान की है, जिनमें 29 जलाशय आधारित और 247 तालाब, झील, आर्द्रभूमि व अन्य जल निकायों से जुड़ी परियोजनाएं हैं। चयनित डेवलपर्स को स्थल 30 वर्ष की लीज पर दिए जाएंगे। सरकार समयबद्ध स्वीकृति, वीजीएफ और बिहार पर्यटन नीति के तहत प्रोत्साहन उपलब्ध कराएगी।

राज्यपाल, बिहार
GOVERNOR OF BIHAR

बिहार लोक भवन
पटना-800022
BIHAR LOK BHAVAN
PATNA-800022

संदेश

पैगम्बर मोहम्मद साहब के जन्मदिन के अवसर पर समस्त बिहारवासियों एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

पैगम्बर मोहम्मद साहब ने मानवता को प्रेम, शांति, समानता, न्याय, करुणा और भाईचारे का संदेश दिया। उनका जीवन सत्य, नैतिकता, सेवा और मानव कल्याण के प्रति समर्पण की प्रेरणादायी मिसाल है। आज के समय में शांति, सद्भाव और समानता का उनका संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है।

आइए, इस पावन अवसर पर हम उनके विचारों और शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए आपसी सम्मान, करुणा, सहयोग और सद्भाव को बढ़ावा देने तथा एक शांतिपूर्ण, समावेशी एवं समरस समाज के निर्माण का संकल्प लें।

ले.ज.सय्यद अता हसनैन (से.नि.)

PR No.-010405 (Governor Secretariat)D. 2026-27

एम्स पटना के न्यूरोसर्जन डॉ. सरज कुमार सिंह का कमाल एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी में रचा इतिहास

एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी में एम्स पटना ने लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया नाम

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। एडवांस्ड एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी में एम्स पटना का रिकॉर्ड, पाँच या उससे अधिक लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स उपलब्धियाँ हासिल करने वाला बना देश का पहला संस्थानपटना। जहां सर्जरी का चीरा महज 1.5-2 सेंटीमीटर था वहीं उपलब्धि 8 सेंटीमीटर की थी। एडवांस्ड एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी के क्षेत्र में एम्स पटना ने एक ऐसी उपलब्धि हासिल की है जिसने अत्याधुनिक न्यूरोसर्जरी में संस्थान की पहचान को नई ऊंचाई दी है। एम्स पटना में 8 सेंटीमीटर की विशाल हर्नियेटेड डिस्क को एक ही टुकड़े में सफलतापूर्वक निकालने की इस जटिल सर्जरी को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में आधिकारिक रूप से दर्ज किया गया है।यह ऐतिहासिक प्रक्रिया एम्स पटना के न्यूरोसर्जरी विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. सरज कुमार सिंह के नेतृत्व में अत्याधुनिक एंडोस्कोपिक तकनीक से की गई। इस उपलब्धि के साथ एम्स पटना इस तरह की एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज होने वाला देश का पहला संस्थान बन गया है।बिहार पुलिस में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत मरीज की सर्जरी में केवल 1.5-2 सेंटीमीटर का चीरा लगाया गया। विशेष एंडोस्कोप के माध्यम से मांसपेशियों को सुरक्षित रखते हुए प्रभावित हिस्से तक पहुंच बनाई गई। आवश्यक हड्डी को सावधानीपूर्वक ड्रिल करने के बाद नसों और डिस्क की पहचान की गई। नसों को सुरक्षित रखते हुए पूरी 8 सेंटीमीटर लंबी डिस्क को एक ही टुकड़े में बाहर निकाला गया। इस दौरान रक्तस्राव बेहद कम हुआ और आसपास के ऊतकों को भी न्यूनतम नुकसान पहुंचा।डॉ. सरज कुमार सिंह ने बताया कि एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी आधुनिक स्पाइन सर्जरी की अत्याधुनिक तकनीकों में से एक है। इसमें बहुत छोटे चीरे से रीढ़ तक पहुंच बनाई जाती है जिससे मांसपेशियों और आसपास के ऊतकों को अधिकतम सुरक्षित रखा जा सकता है। इससे रक्तस्राव, ऑपरेशन के बाद का दर्द और रिकवरी का समय कम करने में मदद मिलती है।

यह उपलब्धि डॉ. सरज कुमार सिंह और एम्स पटना की न्यूरोसर्जिकल उपलब्धियों की लंबी श्रृंखला में एक और महत्वपूर्ण अध्याय है। इससे पहले डॉ. सरज कुमार सिंह ने 2.280 किलोग्राम (2,280 ग्राम) वजन के मस्तिष्क ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकालकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। इसके अलावा उन्होंने रीढ़ से सबसे लंबे फॉरेन बॉडी, सबसे बड़े स्कल बोन ट्यूमर, सबसे बड़े आई ट्यूमर और सबसे बड़े ईयर ट्यूमर को निकालने के राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाए हैं।एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने कहा कि यह उपलब्धि एम्स पटना को एडवांस्ड, एंडोस्कोपिक और मिनिमली इनवेसिव स्पाइन सर्जरी के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में और मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से जटिल स्पाइन सर्जरी अब बिहार और पड़ोसी राज्यों के मरीजों के लिए उनके अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हो रही है।एंडोस्कोपिक सर्जरी का एक और बड़ा लाभ है कि अस्पताल में कम समय तक रहना। जहां पारंपरिक ओपन स्पाइन सर्जरी में मरीज को सामान्यतः 7-8 दिनों तक अस्पताल में रहना पड़ सकता है वहीं उपयुक्त मरीजों में एंडोस्कोपिक प्रक्रिया के बाद लगभग एक दिन में अस्पताल से छुट्टी दी जा सकती है।महज 1.5-2 सेंटीमीटर का चीरा, 8 सेंटीमीटर की डिस्क का निष्कासन और एक नई सर्जिकल उपलब्धि, एम्स पटना की यह सफलता चिकित्सा तकनीक में नवाचार और मरीज केंद्रित उपचार की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम है।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से कराया अवगत

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर । हाजीपुर में 07 रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया । महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए।

रेलकर्मियों एवं उनके आश्रितों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं ।

दानापुर मंडल के दिलदारनगर जं. पर गाड़ी सं. 12395/96 जियारत एक्सप्रेस का ठहराव

हाजीपुरः यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर गाड़ी संख्या 12395/12396 राजेन्द्रनगर-अजमेर-राजेन्द्रनगर जियारत एक्सप्रेस का दानापुर मंडल के दिलदारनगर जं. पर दिनांक 26.08.2026 से 02 मिनट का प्रायोगिक तौर पर ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है । दिनांक 26.08.2026 से गाड़ी संख्या 12395 राजेन्द्रनगर-अजमेर जियारत एक्सप्रेस 20.13 बजे दिलदारनगर जंक्शन पहुंचेगी तथा यहां से 20.15 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

संक्षिप्त खबरें

जगत नारायण लाल कॉलेज में सहयोग शिविर का किया गया आयोजन

दानापुर । खगौल नगर के अंतर्गत मंगलवार को जगत नारायण लाल कॉलेज के ग्रीवांस रिड्रेसल सेल के द्वारा विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजनमहाविद्यालय की प्रधानाचार्या प्रो.मधु प्रभा सिंह कीअध्यक्षता में किया गया जिसमें ग्रीवांस रिड्रेसल सेल के कोऑर्डिनेटर डॉ जनार्दन प्रसाद तथा ग्रीवांस रिड्रेसल सेल के मेंबर्स डॉ किरण बाला साइकोलॉजी और डॉ श्वेताकुमारी, मैथमेटिक्स शामिल थी।शिविर में छात्र-छात्राओं की शिकायतें सुनी गई और उनका निवारण किया गया। शिविर की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्रधानाचार्या प्रो. मधु प्रभा सिंह ने कहा कि यह शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।हमारे शिक्षक तथा शिक्षकेतर कर्मचारी छात्र-छात्राओं की समस्याओं के प्रति स्वयं सचेत रहते हैं। उन्होंने बच्चों से कहा कि आप सभी नियमितमहाविद्यालय आए तथा कक्षाएं करें। अगर आप सभी को किसी भी तरह की समस्या होती है तो उसे जल्द से जल्द निष्पादित दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने बच्चों से कहा अध्ययन विद्यार्थी का मुख्य कर्तव्य है, अतः उस पर स्वयं को एकाग्र करें।

परमानन्द सेवा फाउंडेशन का निःशुल्क सेवा अभियान सफलतापूर्वक संपन्न

पटना/देवघरः परमानन्द सेवा फाउंडेशन, भूमिहार सामाजिक सेवा संस्था और जय महादेव कृपा द्वारा श्रावण मास में बोल बम कांवड़ियों के लिए निःशुल्क सेवा शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम दुम्मा मोड़ के समीप संपन्न हुआ, जहाँ कांवड़ियों को पानी, फ्रूटी, फल, शरबत और हलुआ का वितरण किया गया।

इस पुण्य कार्य का आयोजन संस्थापक संजीव (बंटी), भाजपा के वरिष्ठ नेता ललन सिंह और ने मिलकर किया। आयोजन में डॉ.

संत रविदास की जयंती पर कलशों का भाजपा मंडल द्वारा पुजन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

दानापुर खगौल नगर के अंतर्गत संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार कोभाजपा खगौल नगर मंडल द्वारा कलश पूजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन मैरिज हाल, बड़ी खगौल में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा खगौल नगर अध्यक्ष अमन कुमार चन्दवंशी ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बिहार विधान परिषद की सदस्या श्रीमती शीला प्रजापति ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संत रविदास जी ने समाज को समता, समानता और समरसता का संदेश दिया। उनका बेगमपुरा का सपना ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सबका साथ, सबका विकास,सबका विश्वास का आधार है। इस पवित्र कलश के माध्यम से हम उनके विचारों को हर गांव, हर बूथ तक ले जाएंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित दानापुर पूर्व विधायक पुत्र सच्चिदानंद ने कहा कि संत रविदास जी का आदर्श

जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है। उन्होंने जात-पात और भेदभाव को मिटाकर मन की पवित्रता पर जोर दिया। भाजपा ही एकमात्र पार्टी है जो संतों महापुरुषों के आदर्शों को धरातल पर उतार रही है। यह कलश हमारी सामाजिक एकता का प्रतीक बनेगा।

इस कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि के रूप में जिला महामंत्री ब्रजेश सिंह, मंत्री अनिल कुमार, विधानसभा संयोजक विजय भोटी, मंडल महामंत्री अजय शर्मा, मंडल प्रभारी सरोज चन्दवंशी, मंडल पदाधिकारी प्रीतम कुमार, सेराज अहमद, शैलेश तिवारी,प्रसुन साहा व भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीएम श्री सीएमएस उच्च माध्यमिक विद्यालय, शाहपुर, बांका में भारत सरकार की योजनाओं पर दो दिवसीय फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन

■ जागरूकता रैली सहित अनेक गतिविधियों से नशामुक्त भारत का संदेश दिया गया

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय संचार ब्यूरो (सी.बी.सी.) भागलपुर द्वारा बांका जिले के अमरपुर प्रखंड के पीएम श्री सीएमएस उच्च माध्यमिक विद्यालय, शाहपुर में नशा मुक्त भारत अभियान एवं विकसित भारत जी राम जी पर आयोजित दो दिवसीय फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन आज अमरपुर नगर पंचायत की मुख्य पार्षद रीता साहा, बीस सूत्री उपाध्यक्ष आशा देवी एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा फीता काट कर किया गया।

मुख्य कार्यकम का उद्घाटन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य पार्षद ने कहा कि इस कार्यकम के माध्यम से केंद्र सरकार की 12 वर्ष की उपलब्धियों के कामकाज तथा नशामुक्ति अभियान के बारे में आम लोगों को जानकारी मिलेगी। उपस्थित आम जनता से उन्होंने नशा मुक्त भारत के निर्माण की अपील की।

इस अवसर पर छात्र छात्राओं द्वारा नशामुक्त भारत के निर्माण के संदेश को प्रचारित करते हुए एक जागरूकता रैली निकाली गई।

केंद्रीय संचार ब्यूरो भागलपुर के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि दो दिवसीय फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम में केंद्र सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों एवं योजनाओं को चित्रों और आंकड़ों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। फोटो प्रदर्शनी के साथ-साथ इसमें प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। यह प्रदर्शनी आम जनता के लिए निःशुल्क है।

इस कार्यक्रम से पूर्व आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। पुरस्कृत होने वालों में सुप्रिया, जुली, श्वेता, राजनंदनी, छोटी एवं सुजीत शामिल थे। नशामुक्ति विषय पर आयोजित आशुभाषण के लिए शालिनी, साक्षी और गौरव को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जनचेतना लोककल्याण मंच ,पटना द्वारा नृत्य, नुक्कड़ नाटक सहित अनेक सांस्कृतिक कार्यकम प्रस्तुत किया गया। साथ ही हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। उपस्थित लोगों ने नशामुक्त भारत के निर्माण की शपथ भी ली।

इस कार्यक्रम के दौरान समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति, विद्यालय के शिक्षक- शिक्षिकाएं, दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के स्थानीय संवाददाता, जीविका दीदी, सीबीसी के राकेश कुमार, संतोष कुमार तथा प्रभात कुमार आदि उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम का संचालन सीबीसी , मुंगेर के सहायक क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी सुदर्शन किशोर झा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सीबीसी, भागलपुर के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी अभिषेक कुमार ने किया ।

एसडीएम ने किया विद्यार्थी सहयोग पोर्टल का कैंप का उदघाटन

पालीगंज । स्थानीय कस्तूरबा गांधी उच्च विद्यालय, पालीगंज में मंगलवार को एसडीएम चंदन कुमार की अध्यक्षता में विद्यार्थी सहयोग पोर्टल कैंप का उद्घाटन किया गया. कैंप में छात्राओं को पोर्टल के माध्यम से मिलने वाली विभिन्न सरकारी योजनाओं और शैक्षणिक सुविधाओं की जानकारी दी गई. इस दौरान विद्यालय की शिक्षिकाएं, छात्राएं एवं संबंधित कर्मी मौजूद रहे. छात्राओं को संबोधित करते हुए एसडीएम चंदन कुमार ने कहा कि विद्यार्थी सहयोग पोर्टल का उद्देश्य विद्यार्थियों को सरकारी योजनाओं और शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ आसानी से उपलब्ध कराना है. सरकार की ओर से विद्यार्थियों के हित में कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं.पात्र विद्यार्थियों तक इन योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है. उन्होंने छात्राओं से पोर्टल की जानकारी प्राप्त करने व इसका लाभ लेने की कही।

बारिश के बीच सहरसा-मधेपुरा ट्रांसमिशन लाइन की त्वरित बहाली वैकल्पिक व्यवस्था से बनी रही बिजली आपूर्ति

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भारी बारिश के बीच सोमवार शाम 7.17 बजे सहरसा-मधेपुरा सर्किट-क्क ट्रांसमिशन लाइन में आई खराबी से करीब 55 मेगावाट का लोड प्रभावित हुआ। इससे मुरलीगंज, उदाकिशुनगंज अनुमंडल के क्षेत्र तथा कुमारखंड में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई।

खराबी की सूचना मिलते ही बीएसपीटीसीएल की फील्ड टीमें सक्रिय हुईं। समन्वय के साथ वैकल्पिक व्यवस्था एवं लोड प्रबंधन के जरिए विद्युत आपूर्ति संभाली। इसके परिणामस्वरूप रात 10:16 बजे उदाकिशुनगंज पर पूरा लोड उपलब्ध करा दिया गया, जबकि मुरलीगंज में भी बिना लोड प्रतिबंध के आपूर्ति जारी रही।

फॉल्ट लोकेटर की सहायता से खराबी के संभावित स्थान की पहचान कर लाइन पेट्रोलिंग शुरू की गई। प्रतिकूल मौसम के बावजूद संबंधित तकनीकी टीमों ने मौके पर पहुंचकर फॉल्ट की तलाश की और आवश्यक मरम्मत कार्य पूरा किया गया और रात में ही 2:16 बजे सहरसा-मधेपुरा सर्किट-क्क ट्रांसमिशन लाइन को सफलतापूर्वक चार्ज कर विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी गई।

इरढळउछ के प्रबंध निदेशक डॉ. नवल किशोर चौधरी (भा.प्र.से.) ने पूरे घटनाक्रम की लगातार मॉनिटरिंग की और फील्ड टीमों एवं तकनीकी अधिकारियों के साथ समन्वय करते हुए मरम्मत कार्य को तेजी से पूरा कराया। उनके निर्देशन में टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रात में ही विद्युत आपूर्ति बहाल की।

उन्होंने कहा कि प्रतिकूल मौसम के बावजूद टीमों ने तत्परता से कार्य करते हुए स्थिति को प्रभावी ढंग से संभाला और विद्युत आपूर्ति को शीघ्र सामान्य किया।

ऊर्जा सचिव एवं इरढळउछ के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री अजय यादव (भा.प्र.से.) ने इस कार्य के लिए इरढळउछ एवं ठइढऊछ टीम की सराहना की।

इरढळउछ और ठइढऊउछ उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

क्लेफ्ट प्रभावित बच्चों को मिलेगा मुफ्त ईलाज, स्वास्थ्य विभाग और एनजीओ स्माइल ट्रेन इंडिया के बीच हुआ एमओयू

■ हर बच्चे तक पहुंचेगा इलाजः क्लेफ्ट की जल्द पहचान और मुफ्त सर्जरी के लिए बिहार में नई पहल

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार में कटे होंठ और तालू (क्लेफ्ट लिप एवं पैलेट) की समस्या से प्रभावित बच्चों की पहचान और उन्हें समय पर निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण ईलाज उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके तहत राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार और स्माइल ट्रेन इंडिया के बीच 25 अगस्त 2026 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। यह समझौता स्माइल ट्रेन क्लेफ्ट सर्जरी प्रोजेक्ट के तहत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम और स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार के सहयोग से स्वास्थ्य भवन, पटना में हुआ।इस पांच वर्षीय साझेदारी के तहत, स्माइल ट्रेन कर्मचारियों के लिए क्लेफ्ट संबंधी जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन करेगा, ताकि इस स्थिति के बारे में उनकी समझ और जागरूकता को बढ़ाया जा सके। फइरङ की टीमें और फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ता क्लेफ्ट से प्रभावित बच्चों की पहचान करने और उन्हें बिहार में स्थित स्माइल ट्रेन के तीन पार्टनर अस्पतालों में रेफर करने में सहयोग करेंगे,जहां उन्हें क्लेफ्ट का उपचार निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

इस साझेदारी के बारे में ममता कैरोल, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं रीजनल डायरेक्टर, एशिया, स्माइल ट्रेन ने कहा, पिछले 25 वर्षों से अधिक समय से स्माइल ट्रेन इंडिया निःशुल्क क्लेफ्ट केयर को सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ प्रशिक्षण और राज्य के स्वास्थ्य विभाग के साथ रणनीतिक साझेदारियों के माध्यम से स्थानीय स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान देता आ रहा है। हमने पूरे भारत में 800,000 से अधिक सर्जरी को सहयोग प्रदान किया है। इसमें 2006 से अब तक अकेले बिहार में लगभग 35,000 सर्जरी शामिल हैं।

विद्यार्थी सहयोग शिविर में विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित समाधान की पहल

■ पटना जिला में 50 स्थानों पर आयोजित हुआ शिविर; प्राप्त आवेदनों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन का डी एम का निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए प्रत्येक माह के चौथे मंगलवार को विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया जाना है। इसी क्रम में मंगलवार, 25 अगस्त को पटना जिला में 50 स्थानों पर विद्यार्थी सहयोग शिविर आयोजित किए गए।

ये शिविर पटना जिला के पैरामेडिकल महाविद्यालयों, नर्सिंग स्कूलों, पिछड़ा एवं अतिपिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के छात्रावासों, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के छात्रावासों, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के छात्रावासों, कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावासों तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित नेत्रहीन एवं मूक-बधिर विद्यालयों में आयोजित किए गए।

शिविरों में विद्यार्थियों से उनकी विभिन्न समस्याओं से संबंधित 80 आवेदन तथा 48 सुझाव आये.इन में से कुछ मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। जिन मामलों का तत्काल निष्पादन संभव नहीं हो सका, उन्हें सहयोग पोर्टल पर ऑनलाइन करके संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया। छात्रावासों में आये मामलों में मुख्यमंत्री छात्रावास खादान्न योजनान्तर्ग नियमित खादान्न आपूर्ती, छात्रावास के भवन के निर्माण आदि से संबंधित मामले प्रमुख रहे .जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि शिविर में प्राप्त जिन आवेदनों का तत्काल निष्पादन नहीं हो पाया है, उनका नियत समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विद्यार्थियों की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने तथा आवेदनों के निष्पादन की नियमित निगरानी करने का भी निर्देश दिया।जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों से अपील की है कि यदि किसी विद्यार्थी की समस्या विद्यार्थी सहयोग शिविर में दर्ज नहीं हो पाई है तो वे सहयोग पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं।

मिडासएक्स और एमएफ यूटिलिटीज इंडिया में रणनीतिक साझेदारी: एमएफडीएस को मिलेगा एआई-पावर्ड मल्टी-एसेट प्लेटफॉर्म

प्रातः किरण संवाददाता

पटनाः भारत के पहले अक-पावर्ड इ2इ23 मल्टी-एसेट वेल्थ टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म *मिडासएक्स (टक्ऊअर)* ने *टऋयूटिलिटीज इंडिया* के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य देशभर के म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (टऋऊर) को सशक्त बनाना और वित्तीय पहुंच का विस्तार करना है।

इस साझेदारी के तहत टऋऊर अब एक ही प्लेटफॉर्म के जरिए म्यूचुअल फंड, भारतीय व अंतरराष्ट्रीय इक्विटी, कॉर्पोरेट ऋळ बॉन्ड और अनलिस्टेड सिक्योरिटीज जैसे कई वित्तीय उत्पाद बेच सकेंगे। मिडासएक्स वर्तमान में 160 से अधिक शहरों में 2,000+ टऋऊर और 7 लाख से अधिक निवेशकों को सेवाएं दे रहा है।

कंपनी के सीईओ आकाश बंसल ने कहा कि यह कदम दूर-दराज के टऋऊर तक अत्याधुनिक तकनीक पहुंचाने की दिशा में अहम है। वहीं, टऋ यूटिलिटीज इंडिया के एमडी-सीईओ गणेश राम ने इसे टऋऊर के व्यापार विस्तार के लिए बेहद फायदेमंद बताया।उल्लेखनीय है कि मिडासएक्स टअउऋका भी टेक्नोलॉजी पार्टनर है। कंपनी अब तक 35 करोड़ जुटा चुकी है और 200 करोड़ का अतिरिक्त फंड जुटाने की तैयारी में है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने मुख्य सचिव के साथ की उच्चस्तरीय बैठक

■ चिकित्सा कैशलेस करने और लंबित मामलों के निष्पादन के दिए कड़े निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

पटनाः बिहार विधानसभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने आज अपने कार्यालय कक्ष में शाम 05:00 बजे राज्य के मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में विधानसभा सदस्यों और सचिवालय कर्मियों की सुविधाओं तथा लंबित संसदीय प्रक्रियाओं से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए।

बैठक के प्रमुख बिंदु :

कैशलेस चिकित्सा व्यवस्थाः माननीय सदस्यों एवं सभा सचिवालय के अधिकारियों व कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति (टीर्ू' फ्रु४१रीिल्ल३) में आ रही समस्याओं को देखते हुए अध्यक्ष महोदय ने पूरी प्रक्रिया को जल्द से जल्द कैशलेस करने का स्पष्ट निर्देश दिया।

* *प्रखंडों में सदस्यों के लिए कार्यालयः* विधायकों के बैठने के लिए राज्य के प्रत्येक प्रखंड में स्थान या भूखंड चिह्नित कर नया भवन बनाने अथवा वर्तमान पंचायत भवनों में ही समुचित व्यवस्था करने का सुझाव दिया गया।लंबित कंडिकाओं और आश्वासनों का निष्पादनः* अध्यक्ष महोदय ने गहरी चिंता जताते हुए बताया कि उअऋकी रिपोर्ट्स के आधार पर वर्ष 2008-09 से अब तक लोक लेखा समिति और लोक उपक्रम समिति की लगभग *2,499 कंडिकाएं* लंबित हैं। वहीं, विभिन्न विभागों के वर्ष 1995 से 2025 तक के लगभग *23,517 आश्वासन* भी बकाया हैं। मुख्य सचिव को निर्देश दिया गया कि वे विभागों और समितियों के बीच बेहतर समन्वय बनाकर इसी वित्तीय वर्ष में इन मामलों का निष्पादन कराएं।

वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति पर सख्तीः* संसदीय समितियों की बैठकों से अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव या सचिव स्तर के अधिकारियों के अनुपस्थित रहने पर अध्यक्ष ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने निर्देश दिया कि विशेष परिस्थितियों को छोड़कर, विभागाध्यक्षों की अनुपस्थिति में केवल विशेष सचिव या उससे ऊपर के स्तर के अधिकारी ही प्राधिकार पत्र (अ४३ँङ्ग१९३ङ्गल्ल छी३३ी१) के साथ बैठक में शामिल हो सकेंगे।मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने माननीय अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि वे जल्द ही सभी विभागों के अपर मुख्य सचिवों, प्रधान सचिवों और सचिवों के साथ बैठक कर इन निदेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराएंगे।इस अवसर पर बिहार विधानसभा की प्रभारी सचिव सहित सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

पूर्व मध्य रेल
निविदा सूचना
सं. डी.एन.आर./एस. एण्ड टी./टेली/2026/7 दानापुर, दि. 20.08.2026 भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूर संचार) पूर्व मध्य रेल, दानापुर मंडल, निम्नलिखित कार्य हेतु रेलवे के वेबसाइट पर निविदाएं आमंत्रित करते हैं :– **1. कार्य का नाम एवं स्थान :** DRM ऑफिस (DNR) और दानापुर स्टेशन के संबंधित ऑफिस में सभी IT एप्लीकेशन के वर्कलोड को संभालने और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए फाइबर–बेस्ड नेटवर्क (Gigabit Passive Optical Network - GPON) के ज़रिए रेल–नेट कनेक्टिविटी को अपग्रेड करना; रेल आश्रय करबिगहिया, पटना के पास अतिरिक्त सुविधाओं के निर्माण के साथ ऑडियो–विज़ुअल सिस्टम की व्यवस्था करना; और दानापुर डिवीज़न में UTN नेटवर्क पर PRS आधुनिकीकरण के लिए पैन–इंडिया रोल–आउट से संबंधित टेलीकॉम का काम करने संबंधी कार्य। **2. अनुमानित लागत :** रूपये 36735618.79, **3. बयाना राशि :** 734700.00, **4. निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय :** दिनांक 11.09.2026 को 15:00 बजे तक। **5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** दिनांक 11.09.2026 को 15:00 बजे। **6. वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in, 7. कार्यालय का पता जहाँ से निविदा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है :** वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता कार्यालय, दानापुर। **नोट :** विवाद की स्थिति में अंग्रेजी नोटिस मान्य होगा। यदि जरूरत हुई तो शुद्धि पत्र उपरोक्त वेब साईट पर 14 दिन पहले अपलोड कर दिया जाएगा।
मं० सं० एवं दूर सं० अभि० /दानापुर
पीआर/0785/डीएनआर/एस एण्ड टी/टी/26–27/44

'विद्यार्थी सहयोग शिविर' से समयबद्ध समाधान सरकार की प्राथमिकता : सम्राट

- हर माह के चौथे मंगलवार को बिहार के शिक्षण संस्थानों में आयोजित होगा 'विद्यार्थी सहयोग शिविर'
- 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' एवं हेल्पलाइन नंबर 1100 के माध्यम से विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिकायत, सुझाव एवं शिकायत की स्थिति जानने की सुविधा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बिदुपुर में सात निश्चय-3 के अंतर्गत ह्यसबका सम्मान, जीवन आसानह्न अभियान के तहत ह्यविद्यार्थी सहयोग शिविर का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य बिहार के शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की समस्याओं, शिकायतों एवं सुझावों का प्रभावी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय के प्रशासनिक-सह-शैक्षणिक भवन के फैकल्टी रूम में स्थापित सूचना-सहायता काउंटर का अवलोकन किया और विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं जानकारियों के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याएं, शिकायतें एवं सुझावों को सुना।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की जो भी समस्याएं हैं, उनका निष्पादन किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, वैशाली में इंटरनेट कनेक्टिविटी और निर्बाध बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यार्थियों के पठन-पाठन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। जब तक सभी विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल की स्थायी व्यवस्था उपलब्ध नहीं हो जाती, तब तक अस्थायी तौर पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बिहार एक अनोखा राज्य है, जहां मात्र 10 रुपये में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराई जा रही है। इंजीनियरिंग कॉलेजों में विद्यार्थियों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा किया जाएगा, ताकि उन्हें पढ़ाई में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। विद्यार्थियों के आग्रह पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इंजीनियरिंग कॉलेज कैंपस के आसपास प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोलने के लिए इस प्रकार स्थल का चयन किया जाए, जिससे विद्यार्थियों के साथ-साथ बाहरी लोग भी इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि बिहार के सभी इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक संस्थान एवं अंबेडकर छात्रावासों में जन औषधि केंद्र खोले जा सकें, यह सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। ह्यविद्यार्थी सहयोग शिविर के माध्यम से छात्र-छात्राओं को अपनी समस्याएं सीधे संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा। सरकार का प्रयास है कि विद्यार्थियों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाना पड़े और उनकी समस्याओं का निर्धारित समय-सीमा में समाधान हो। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आने वाली शिकायतों का समय-सीमा के अंतर्गत अधिकतम 30 दिनों के भीतर अंतिम निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतों के निस्तारण की प्रभावी निगरानी की जाए। विद्यार्थियों के सुझाव सरकार के लिए महत्वपूर्ण हैं और इससे नीतियां बनाने में भी सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं द्वारा बनाए जा रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स में नए और उपयोगी इनोवेशन को स्टार्टअप से जोड़ा जाएगा। विद्यार्थियों को नए विचारों और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक माह के चौथे मंगलवार को शिक्षण संस्थानों में ह्यविद्यार्थी सहयोग शिविर आयोजित किया जाएगा।

शिविर में शैक्षणिक व्यवस्था, परीक्षा, छात्रावास, पेयजल, शौचालय, कैंटीन सहित विद्यार्थियों से जुड़ी अन्य समस्याओं एवं सुविधाओं के संबंध में शिकायतों और सुझावों की सुनवाई की जाएगी। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए ह्यविद्यार्थी सहयोग पोर्टलह्न के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत एवं सुझाव दर्ज करने की व्यवस्था की गई है। हेल्पलाइन नंबर 1100 के माध्यम से भी यह सुविधा उपलब्ध होगी। विद्यार्थी ऑनलाइन अपनी शिकायत की स्थिति की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय वैशाली के प्रशासनिक-सह-शैक्षणिक भवन के भूतल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उद्योग विभाग, वैशाली तथा जिला निबंधन-सह-परामर्श केंद्र, वैशाली द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने भवन के तृतीय तल पर पहुंचकर क्लास रूम, म्यूजिक रूम, सेमिनार हॉल, स्टार्टअप सेल, एंटरप्रेन्योरशिप सेल एवं विभिन्न प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया और छात्र-छात्राओं से बातचीत की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया

कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री सह वैशाली जिला के प्रभारी मंत्री निशांत कुमार, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्रीमती शीला कुमारी, पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री लखेन्द्र कुमार रौशन, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक उमेश सिंह कुशवाहा, विधायक सिद्धार्थ पटेल, विधायक संजय कुमार सिंह, अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव हिमांशु शर्मा, तिरहुत प्रक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री चंदन कुशवाहा, वैशाली जिला की जिलाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह, वैशाली जिला के पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सीएम सम्राट ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल के जयंती पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पूर्व मुख्यमंत्री स्व बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल जी के जन्म दिवस के अवसर पर उनकी आदमकद प्रतिमा पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैयद अता हसनैन एवं मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। पटना के देशरत्न मार्ग एवं सर्कुलर पथ चौराहा स्थित आदमकद प्रतिमा के समीप जन्म दिवस के मौके पर राजकीय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव, विधायक श्याम रजक, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, अन्य जनप्रतिनिधिगण, पूर्व मुख्यमंत्री स्व बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल के पौत्र डॉ मनीष मंडल एवं उनके परिजन सहित अनेक सामाजिक तथा राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने भी पूर्व मुख्यमंत्री स्व बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती-पूजन, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्र गान, बिहार गीत एवं देश भक्ति गीतों का गायन भी किया गया।

पौधा संरक्षण उपादान वितरण योजना से किसानों को मिलेगा लाभ, फसलों की सुरक्षा के साथ बढ़ेगी उत्पादकता : विजय

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि किसानों को फसलों को हानिकारक कीटों से बचाने तथा रासायनिक कीटनाशकों के अनियंत्रित उपयोग को कम करने के उद्देश्य से पौधा संरक्षण उपादान वितरण योजना को स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना के तहत किसानों को आधुनिक, प्रभावी एवं पर्यावरण अनुकूल कीट प्रबंधन तकनीकें अनुदानित दर पर उपलब्ध कराई जाएंगी। योजना के अंतर्गत राज्य के सभी जिलों में क्लस्टर आधारित व्यवस्था के तहत 75 प्रतिशत अनुदान पर फेरोमोन ट्रैप, स्टिकी ट्रैप एवं फ्रूट फ्लाई ट्रैप उपलब्ध कराए जाएंगे। इनका उपयोग बैंगन, धान, मक्का, टमाटर, विभिन्न सब्जियों तथा अमरूद सहित अन्य फसलों में हानिकारक कीटों के प्रभावी प्रबंधन के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न फसलों के लिए फेरोमोन ट्रैप पर अनुदान चना फली छेदक, बैंगन तना एवं फल छेदक तथा धान तना छेदक के नियंत्रण के लिए फेरोमोन ट्रैप पर 96 रुपये प्रति सेट अथवा अधिकतम 480 रुपये प्रति एकड़ की दर से अनुदान दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि मक्का में फॉल आर्मीवर्म के नियंत्रण के लिए 162 रुपये प्रति सेट अथवा अधिकतम 810 रुपये प्रति एकड़ तथा सब्जी फसलों में डायमंड बैक मॉथ के नियंत्रण के लिए 171 रुपये प्रति सेट अथवा अधिकतम 855 रुपये प्रति एकड़ की दर से अनुदान का प्रावधान किया गया है। रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता होगी कमः मंत्री ने कहा कि पौधा संरक्षण उपादान वितरण योजना समेकित कीट प्रबंधन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। फेरोमोन ट्रैप, स्टिकी ट्रैप एवं फ्रूट फ्लाई ट्रैप के उपयोग से कीटों का प्रभावी नियंत्रण करते हुए रासायनिक कीटनाशकों के उपयोग में कमी लाई जा सकेगी।

'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' से छात्रों की आवाज सीधे सरकार तक पहुंचेगी : संजय सरावगी

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा - टीआरई-4 में 32,388 पदों पर भर्ती, सरकार ने छात्रों की मांग से बढ़कर दिया अवसर
- छात्र हित में सरकार का संवाद जारी, आंदोलन को राजनीतिक मंच न बनाएं : सरावगी

प्रात : किरण

पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने छात्रों के प्रदर्शन और आंदोलन को लेकर कहा कि बिहार सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार छात्रों एवं नौजवानों के भविष्य को लेकर पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में राज्य सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। विद्यार्थियों की समस्याओं और सुझावों को सीधे सरकार तक पहुंचाने के लिए आज ही विद्यार्थी सहयोग पोर्टल का शुभारंभ किया गया है। इससे छात्रों की आवाज संस्थागत तरीके से सरकार तक पहुंचेगी और उनकी समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया और प्रभावी होगी। संजय सरावगी ने कहा कि बिहार सरकार ने छात्रों की प्रमुख मांगों में शामिल शिक्षक भर्ती के लिए ळफए-4 के तहत 32,388 पदों का विज्ञापन जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब लगभग 20 हजार पदों की मांग की जा रही थी, तब सरकार ने उससे कहीं अधिक 32,388 पदों पर भर्ती का रास्ता खोल दिया। एक सितंबर से आवेदन की प्रक्रिया भी शुरू हो रही है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि सरकार छात्रों के भविष्य और रोजगार को लेकर गंभीरता से काम कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि परीक्षा व्यवस्था को और पारदर्शी, निष्पक्ष एवं छात्र-केंद्रित बनाने के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है। सरकार परीक्षा प्रणाली में आवश्यक सुधारों पर लगातार काम कर रही है। छात्रों की जो भी जायज मांग है, उस पर सरकार संवाद कर रही है। छात्र प्रतिनिधियों से बातचीत की जा रही है और अधिकारियों को भी छात्रों की समस्याएं सुनने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि छात्र बिहार और देश का भविष्य हैं और उनकी आवाज को अनसुना करने का सवाल ही नहीं है। संजय सरावगी ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें छात्र हित की चिंता आज ही क्यों याद आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलन की आड़ में अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने की कोशिश की जा रही है।

पीएमएफएमई योजना में सर्वाधिक स्वीकृतियों के लिए बिहार को मिला 'बेस्ट स्टेट' का सम्मान

- सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को बढ़ावा देने में बिहार की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए सम्मान

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार सूक्ष्म, लघु एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। इसी क्रम में नई दिल्ली में आयोजित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना कॉन्क्लेव में बिहार को इसी योजना में सर्वाधिक संख्या में स्वीकृतियां प्राप्त करने के लिए बेस्ट स्टेट के प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है। प्रतिष्ठित सम्मान माननीय केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने उद्योग विभाग (एमएसएमई एवं खाद्य प्रसंस्करण) के निदेशक अमन समीर को दिया है। यह सम्मान बिहार में सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को औपचारिक रूप देने, उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा छोटे उद्यमियों को संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य के उल्लेखनीय प्रदर्शन को मान्यता प्रदान करता है। बिहार के उद्यमियों को मिलेगा बलः चिराग मौके पर मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य देशभर के छोटे खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ते हुए उन्हें आवश्यक वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करना है। बिहार द्वारा सर्वाधिक स्वीकृतियां प्राप्त कर बेस्ट स्टेट का सम्मान हासिल करना राज्य में उद्यमिता और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की बढ़ती संभावनाओं को दशार्ता है। यह उपलब्धि बिहार के उद्यमियों को नया अवसर देगी।

यह उद्यमियों की क्षमता और मेहनत का प्रमाणः उद्योग मंत्री- उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने बिहार की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार को बेस्ट स्टेट का सम्मान मिलना राज्य के सूक्ष्म उद्यमियों और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में काम कर रहे उद्यमियों की क्षमता और मेहनत का प्रमाण है। सरकार का निरंतर प्रयास है कि छोटे उद्यमियों को वित्तीय सहायता, तकनीकी मार्गदर्शन और बाजार से जुड़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं। यह सम्मान बिहार में स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्यमिता को और गति देने के लिए प्रेरित करेगा।

बीपीएससी अभ्यर्थियों पर पुलिस की बर्बरता शर्मनाक : राजेश

पटना। अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने पहुंचे बीपीएससी अभ्यर्थियों पर पुलिस द्वारा की गई बर्बर कार्रवाई बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज कर उनकी आवाज दबाने की कोशिश लोकतांत्रिक मूल्यों का खुला उल्लंघन है। बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचकर पुलिस कार्रवाई में घायल हुए छात्रों का हालचाल जाना। उन्होंने घायल छात्रों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उन्हें हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बिहार में अपने अधिकारों और भविष्य के लिए आवाज उठाने वाले छात्रों के साथ सरकार का यह रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

लालू प्रसाद सहित राजद के वरिष्ठ नेताओं ने ईद मिलाद-ए-नबी के मौके पर मुबारकबाद दी : एजाज

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव, सांसद डॉ मीसा भारती, प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगदानंद सिंह, उदय नारायण चौधरी, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ कांति सिंह, जयप्रकाश नारायण यादव, राष्ट्रीय महासचिव श्री भोला यादव, सैयद फैसल अली, बीनू यादव, राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रो मनोज कुमार झा, सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव, सुधाकर सिंह, संजय यादव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ सुनील कुमार सिंह, राष्ट्रीय सचिव कार्तिकेय सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, डॉ तनवीर हसन, पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता, शिवचंद्र राम, सुरेश पासवान, प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू, विधान पार्षद कारी मो सोहैब, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, डॉ उर्मिला ठाकुर सहित राजद के अन्य नेताओं ने ईद मिलाद-ए-नबी के मौके पर मुल्क और सुबा बिहार के लोगों खास तौर से मुस्लिम भाईयों को दिली मुबारकबाद दी है।

निशांत कुमार बिहार में स्वास्थ्य क्रांति के अग्रदूत : नवल

पटना। निशांत कुमार केवल एक स्वास्थ्य मंत्री नहीं, बल्कि सही मायने में बिहार में स्वास्थ्य क्रांति के अग्रदूत बनकर उभरे हैं। एक ऐसी क्रांति जहाँ जहाँ व्यवस्था, संवेदनशीलता और जवाबदेही एक साथ आगे बढ़ रही है। पिछले कुछ महीनों में बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था ने एक नई दिशा पकड़ी है, और इस परिवर्तन के केंद्र में निशांत कुमार का निर्णायक नेतृत्व है। सरकारी अस्पतालों में जवाबदेही, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई, ब्ब्ज्ट एवं डिजिटल मॉनिटरिंग से पारदर्शिता और स्वास्थ्य प्रशासन को परिणामोन्मुख बनाना ये कुछ ऐसे कदम हैं जो आनेवाले समय में बिहार के पूरे स्वास्थ्य महकमे की तस्वीर बदल देंगे। गंभीर रोगियों के उपचार हेतु आर्थिक सहायता की सीमा 2.5 लाख से बढ़ाकर 4 लाख करना गरीब और मध्यम वर्ग के लाखों परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हुआ है। वहीं, टीबी उन्मूलन अभियान में रिकॉर्ड स्तर पर मरीजों की पहचान कर यह सिद्ध किया गया है कि बिहार सरकार केवल इलाज उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि समय रहते जीवन बचाने की प्रभावी व्यवस्था भी विकसित कर रही है।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर बर्बर लाठीचार्ज दुखद : तेजस्वी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पटना में आंदोलनरत छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए सरकार पर तानाशाही और निरंकुश होने का आरोप लगाया है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि एके-47 से छात्रों पर गोलियां बरसाने वाली निरंकुश एनडीए सरकार चौतरफा हुए आलोचना और विपक्ष के दबाव में आकर गोलीबारी तो छोड़ सकती है पर लाठीचार्ज नहीं छोड़ सकती! इस सरकार का छात्रों के प्रति तानाशाही रवैया खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। आज फिर आंदोलनरत छात्रों पर बिहार की जुल्मी सरकार ने अत्याचार किया। परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित कराने, नौकरी एवं पढ़ाई की लड़ाई लड़ रहे छात्र-युवाओं से निकम्मी संघी सरकार संवाद नहीं करेगी लेकिन अहंकारी अधिकारियों से उनका अपमान करा, शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर पुलिस से बर्बर लाठीचार्ज करवाएगी। मनी और मशीन के लूट तंत्र से बनी इस डकैत सरकार से बिहार के युवा डरने वाले नहीं है। परिवारवादियों और भ्रष्टाचारियों से भरी पड़ी एनडीए सरकार छात्रों पर लाठी चलवाएं या गोली, बिहार के छात्र अब पीछे नहीं हटेंगे।

श्रमिकों को मूलभूत सुविधाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना प्राथमिकता : मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। औद्योगिक विकास के साथ श्रमिकों की सुरक्षा, सम्मान और कल्याण सुनिश्चित करने को लेकर श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग ने निगरानी तेज करने पर जोर दिया है। मंगलवार को श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद की अध्यक्षता में कारखाना निरीक्षणालय की समीक्षा बैठक हुई। इसमें कारखानों में श्रम कानूनों के अनुपालन, कार्यस्थल की सुरक्षा, मूलभूत सुविधाओं और निरीक्षण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई।

2502 कारखानों में 20 से अधिक कामगारः समीक्षा के दौरान बताया गया कि व्यवसाय सुधार कार्य योजना के तहत वर्ष 2016 से 20 से कम कामगार वाले कारखानों को कारखाना लाइसेंस के नवीकरण की प्रक्रिया से छूट दी गई है। वहीं, 20 से अधिक कामगार वाले कारखानों के लाइसेंस की वैधता अवधि को पांच वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष किया गया है। वर्तमान में राज्य में 20 से अधिक कामगारों वाले 2,502 कारखाने हैं। इनमें पटना में 800, दरभंगा में 133, समस्तीपुर में 398 और वैशाली में 361 कारखाने शामिल हैं।

राज्य की सभी पंचायतों में खुलेंगे 'जीविका-सुधा' बिक्री केंद्र

- रक्षाबंधन से पहले सीएम ने दिया महिला सशक्तिकरण का बड़ा तोहफा, जीविका-सुधा बिक्री केंद्र और सुधा सखियों से बढ़ेगा रोजगार, आएगी खुशहाली

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार रक्षाबंधन के अवसर पर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कई सौगातें दे रही है। इनसे जीविका दीदियों को विशेष रूप से लाभ मिलेगा। सात निश्चय-3 के अंतर्गत राज्य की सभी 8053 पंचायतों में जीविका-सुधा बिक्री केंद्र खुलने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को 1, अणे मार्ग स्थित संवाद कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में पांच चयनित जीविका दीदियों को बिक्री केंद्र की चाबी एवं चयन प्रमाणपत्र प्रदान किए। चयनित जीविका दीदियों को 300 लीटर क्षमता वाला हार्ड-टॉप डीप फ्रीजर और विजी कूलर, सनबोर्ड, एप्रन एवं कैप उपलब्ध कराए गए। वहीं रक्षाबंधन के अवसर पर सभी 38 जिलों में जिलाधिकारी एक-एक जीविका-सुधा बिक्री केंद्र का उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर बताया गया कि कॉम्फेड द्वारा सात निश्चय-3 योजना के तहत प्रत्येक गांव में प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहयोग समितियों के गठन का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में कुल 3,134 नई समितियों का गठन किया जा चुका है, जिनमें से 1,550 समितियां कार्यरत हो चुकी हैं तथा इनका दुग्ध संग्रहण प्रारंभ हो चुका है। वर्तमान में प्रतिदिन 25 लाख लीटर दूध का संग्रहण हो रहा है, जो पिछले साल की तुलना में तीन लाख लीटर प्रतिदिन अधिक है। इन समितियों के गठन से 54,055 किलोग्राम प्रतिदिन दूध का संग्रहण किया जा रहा है। इन नई समितियों में दुग्ध उत्पादकों को दूध की कीमत सीधे उनके बैंक खाते में भुगतान के लिए डीपीएमसीयू (डेटा प्रोसेसर आधारित दुग्ध संग्रहण इकाइयां) की स्थापना की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में कुल 3,282 समितियों में डीपीएमसीयू की स्थापना की जा चुकी है। कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री के कर-कमलों से पांच प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहयोग समितियों को पंजीकरण प्रमाणपत्र एवं डीपीएमसीयू का डेमो प्रदान किया गया।

8,053 पंचायतों में होगा सुधा सखी का चयनः दुग्ध उत्पादक समिति के माध्यम से राज्य की 8,053 पंचायतों में सुधा सखी का चयन किया जाएगा। चयनित सुधा सखियों का प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत प्रशिक्षण प्रस्तावित है। वर्तमान में कॉम्फेड मुख्यालय, पटना में 38 सुधा सखियों के बैच का छह दिवसीय प्रशिक्षण 27 अगस्त से 5 सितंबर 2026 तक निर्धारित है। कार्यक्रम में पांच चयनित सुधा सखियों को माननीय मुख्यमंत्री के कर-कमलों से चयन-पत्र दिए गए हैं।

पशु औषधि विक्रय केंद्र की होगी स्थापनाः पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य में कुल 534 पशु औषधि विक्रय केंद्र खोले जाएंगे (प्रति प्रखंड एक केंद्र)। भारत सरकार से 109 केंद्रों के लिए प्रथम अनुमोदन प्राप्त हो गया है। पांच पशु औषधि विक्रय केंद्रों के पांच चयनित लाभुकों को माननीय मुख्यमंत्री के कर-कमलों से चयन-पत्र उपलब्ध कराए गए।

मिथिला हस्तकला सहकारी समिति की हुई स्थापनाः मिथिला की पारंपरिक हस्तकलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए मिथिला हस्तकला सहकारी समिति की स्थापना की गई है। मंगलवार को संवाद कक्ष में इसकी घोषणा की गई। महिला कलाकारों को स्थानीय कला से वैश्विक बाजार तक पहुंचाना इस समिति का प्रमुख विजन है।

इसका उद्देश्य कलाकारों को संगठित कर उन्हें बाजार, ब्रांडिंग, प्रशिक्षण एवं वित्तीय सशक्तिकरण से जोड़ना है। प्रथम चरण में उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की दिशा में कंबोडिया के विश्वप्रसिद्ध अंगकोर वाट क्षेत्र में मिथिला हस्तकला उत्पादों के निर्यात एवं विपणन की योजना है। मंगलवार को हुए कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष, सह-अध्यक्षों एवं सदस्यों को माननीय मुख्यमंत्री के कर-कमलों से पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

मुंगेर विश्वविद्यालय का नाम बिहार केसरी डॉ श्रीकृष्ण सिंह के नाम पर करने की मांग

- डॉ. सीपी ठाकुर के नेतृत्व में राज्यपाल से मिला प्रतिनिधिमंडल

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री पद्मभूषण डॉ. सी. पी. ठाकुर के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन पहुंचकर महामहिम राज्यपाल सह कुलाधिपति से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मुंगेर विश्वविद्यालय का नामकरण आधुनिक बिहार के निमार्ता बिहार केसरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह (श्री बाबू) के नाम पर करने तथा राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक व संरचनात्मक सुधार को लेकर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ भाजपा नेता दीपक ठाकुर, भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सौरभ कुमार, प्रख्यात चिकित्सक डॉ. हर्षवर्धन और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता डॉ. राहुल परमार प्रमुख रूप से शामिल थे। राज्यपाल को सौंपे ज्ञापन में डॉ. सीपी ठाकुर ने कहा कि मुंगेर श्री बाबू की कर्मभूमि, विचार-पीठ और आत्मा रहा है। खड़कपुर विधानसभा से उनका आत्मीय नाता रहा। उन्होंने जमींदारी उन्मूलन और देवघर मंदिर में वंचितों को प्रवेश दिलाकर सामाजिक समरसता की ऐतिहासिक मिसाल पेश की थी। ऐसे में विश्वविद्यालय का नाम उनके नाम पर होना नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से जोड़ेगा। इसके साथ ही ज्ञापन में उच्च शिक्षा सुधार पर जोर देते हुए मांग की गई कि कक्षाओं में छात्रों की कम से कम 50 प्रतिशत भौतिक उपस्थिति को कड़ाई से अनिवार्य किया जाए, ताकि पठन-पाठन सार्थक हो सके। साथ ही, नवनियुक्त लाइब्रेरियन व्यवस्था का सदुपयोग करते हुए विश्वविद्यालय व कॉलेजों के समृद्ध पुस्तकालयों को पूरी तरह सक्रिय किया जाए, जिससे विद्यार्थियों में संदर्भ ग्रंथों के अध्ययन और शोधोन्मुख स्वाध्याय की संस्कृति मजबूत हो। महामहिम राज्यपाल ने सभी बिंदुओं पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए आवश्यक पहल का सकारात्मक आश्वासन दिया।

संक्षिप्त खबरें

2 दिन बाद गड्ढे में बेहोशी हालत में मिली लापता दादी पोती

विभूतिपुर/समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के महम्मदपुर सकड़ा से रविवार की रात्रि 3 वर्षीय पोती के साथ लापता हुई 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला सोमवार की सुबह सकुशल महमदपुर सकड़ा चौक के बगल सड़क किनारे गड्ढे मिली।बता दें कि रविवार की रात्रि गांव के ही राजेंद्र साह की पत्नी पवित्री देवी अपनी 3 वर्षीय पोती अंशिका के साथ लापता हो गई थी।मामले को लेकर बुजुर्ग महिला का पुत्र अशोक साह स्थानीय थाना में लिखित आवेदन देकर बरामदगी का गुहार लगाया था। सोमवार की सुबह सड़क पर जा रहे लोगों ने बच्ची को गड्ढे में रोने की आवाज सुनी। जाकर देखा तो दोनों दादी पोती बेहोशी की हालत में मिली। तब जाकर परिजनों में राहत का सांस आया।

राजकीय पॉलिटेक्निक समस्तीपुर में विद्यार्थी सहयोग शिविर संपन्न

विभूतिपुर/समस्तीपुर। किशनपुर तबका स्थित कामेश्वर नारायण सिंह राजकीय पॉलिटेक्निक में मंगलवार को ह्वविद्यार्थी सहयोग शिविरह्व का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को सरकारी योजनाओं व डिजिटल सेवाओं की जानकारी देना और उनकी समस्याओं का समाधान करना था।सुरक्षा के लिए दंडाधिकारी चन्द्रशेखर एवं पुलिस पदाधिकारी सुरेन्द्र कुमार मिश्रा तैनात रहे। प्राचार्य डॉ. आफताब अंजुम ने बताया कि छात्रों को ऑनलाइन पोर्टल के उपयोग की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन नोडल पदाधिकारी डॉ. पीयुष कुमार पाठक ने किया। मौके पर डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. केसर हाशमी सहित सभी शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

दोहरे हत्याकांड पर भड़की सीपीआई (एम), अपराधियों को सजा और 10 लाख मुआवजे की माँग

विभूतिपुर/समस्तीपुर। झहुरा स्थित शहीद राम नाथ स्मृति पुस्तकालय में आज सीपीआई(एम) विभूतिपुर दक्षिण लोकल कमेटी की बैठक अध्यक्ष विश्वनाथ महतो की अगुवाई में हुई। इसमें भरपुरा में हुए दोहरे हत्याकांड की कड़ी निंदा की गई बैठक में मौजूद विधायक अजय कुमार, जिला मंत्री रामाश्रय महतो और जिला सचिव मंडल सदस्य महेश कुमार सहित अन्य नेताओं ने जिला पुलिस कप्तान से हत्यारों की तुरंत गिरफ्तारी और स्पीडी ट्रायल चलाकर सख्त सजा देने की माँग की। साथ ही सरकार से पीड़ित परिवार को 10 लाख रुपया मुआवजा देने का आग्रह किया। नेताओं ने विभूतिपुर थानाध्यक्ष की लचर कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनसे अपराध पर लगाम लगाना संभव नहीं है। बैठक में पिछले आंदोलनों की समीक्षा के साथ ही आगामी 12-13 सितंबर को होने वाले जिला स्तरीय पार्टी प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने की रणनीति भी तय की गई।

लड़की अपहरण मामले में नामजद आरोपी गिरफ्तार

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा)। थाना क्षेत्र के झझरा गांव में पुलिस ने सोमवार की देर शाम छापेमारी कर लड़की अपहरण मामले में दर्ज प्राथमिकी के नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान झझरा गांव निवासी विजय शेखर पासवान के पुत्र आदित्य रंजन के रूप में हुई है। थाना अध्यक्ष गौरव प्रसाद ने बताया कि लड़की के अपहरण को लेकर थाने में दर्ज प्राथमिकी में आदित्य रंजन को नामजद आरोपी बनाया गया था.पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसे झझरा गांव से गिरफ्तार किया.गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को मंगलवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया. न्यायालय के आदेश पर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

गोदरेज एग्रोवेट ने एक्वा फीड व्यवसाय में दोहरे अंकों की वृद्धि का रखा लक्ष्य

परगना। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड ने भारत के प्रमुख फिश फीड (मछली आहार) ब्रांडों में से एक बनने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी विकास रणनीति की रूपरेखा तैयार करते हुए अपने एक्वा फीड व्यवसाय के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता दोहराई है। इस रणनीति के तहत कंपनी विनिर्माण क्षमता का विस्तार करने और जलीय कृषि किसानों के लिए बेहतर फीड समाधान पेश करने के उद्देश्य से नवाचार तथा अनुसंधान व विकास में तेजी लाने की योजना बना रही है। इसका मुख्य ध्यान फीड रूपांतरण अनुपात (फीड कन्वर्जन रेश्यो) को बेहतर बनाने पर भी रहेगा, जिससे किसानों को उत्पादन लागत कम करने, उपज बढ़ाने और कृषि लाभप्रदता में सुधार करने में मदद मिलेगी। प्रबंध निदेशक और सीईओ सुनील कटारिया ने कहा कि फिश फीड गोदरेज एग्रोवेट के लिए एक रणनीतिक प्राथमिकता है और कंपनी निवेश, नवाचार तथा आर एंड डी प्रयासों के दम पर इस सेगमेंट में दोहरे अंकों की वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी अपने वितरक नेटवर्क के साथ जुड़ाव को भी मजबूत कर रही है और उसने सहयोग, दक्षता तथा सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए हाल ही में अपने दृष्टिकोण ऐप का उन्नत संस्करण लॉन्च किया है।

विद्यार्थी सहयोग शिविर का डीएम ने किया शुभारंभ छात्रो की समस्याओं के त्वरित समाधान का दिया निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। जननायक कपूरी ठाकुर छात्रावास, मधुबनी में मंगलवार को जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने विद्यार्थी सहयोग शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओ से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओ, सुझावो एवं छात्र हित से जुड़े विभिन्न मुद्दो की जानकारी ली। शिविर में विद्यार्थियों को विद्यार्थी सहयोग पोर्टल की जानकारी देते हुए आवेदन एवं शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया तथा उसके निष्पादन की निर्धारित अवधि के बारे में बताया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थी अपनी किसी भी समस्या अथवा शिकायत को विद्यार्थी सहयोग पोर्टल पर दर्ज कर सकते है। जिला प्रशासन द्वारा शिकायतो के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। संवाद के दौरान विद्यार्थियो ने छात्रावासो की पुस्तकालय व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओ से संबंधित पुस्तको की उपलब्धता तथा छात्रावासो के नियमित निरीक्षण से जुड़ी समस्याएं एवं सुझाव जिलाधिकारी के समक्ष रखे। इस पर जिलाधिकारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को छात्रावासो में संचालित पुस्तकालयो का ऑडिट कराने का निर्देश दिया। उन्होने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालयों में विश्वसनीय, उपयोगी एवं नवीनतम संस्करण की गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही जननायक कपूरी ठाकुर छात्रावास के पुस्तकालय में प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित उपयोगी एवं लेटेस्ट एडिशन की पुस्तकें उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। प्राणीशास्त्र (जूलॉजी ऑनर्स) के छात्र सचिन कुमार ने विद्यार्थी सहयोग शिविर की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियो को बिना किसी भय या प्रतिकूल परिणाम की आशंका के अपनी समस्याएं एवं शिकायते प्रशासन के समक्ष खुलकर रखने का अवसर मिल रहा है। विद्यार्थियों ने छात्रावासों में जिला प्रशासन द्वारा नियमित निरीक्षण कराने का भी अनुरोध किया। जिलाधिकारी ने छात्र हित से जुड़े मामलो में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक श्रीमती रश्मि, जिला शिक्षा पदाधिकारी अक्षय कुमार पाण्डेय, जिला पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी शिवम कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ज्योति रानी, अनुमंडल पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी अतुल विक्रम, कार्यक्रम पदाधिकारी आनंद वर्मा, राशिद नवाज, आईटी मैनेजर आरसीसी मधुबनी निरंजन कुमार, छात्रावास अधीक्षक डॉ. विजय शंकर पासवान सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले के विभिन्न महाविद्यालयों, विद्यालयों, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयो एवं अम्बेडकर छात्रावास सहित 50 से अधिक स्थानो पर विद्यार्थी सहयोग शिविरो का आयोजन किया गया। इन शिविरो में विद्यार्थियो ने निर्भीक होकर अपनी समस्याएं एवं शिकायतें रखीं, जिनके त्वरित निष्पादन के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

जनता का सम्मान ही मेरी ताकत : विधायक

प्रात: किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। बिहार विधानसभा में सत्तारूढ़ जनतांत्रिक गठबंधन का सचेतक बनाए जाने पर स्थानीय विधायक प्रो. विनय कुमार चौधरी के सम्मान में मंगलवार को कपूरी सभा भवन में जनता दल यू कार्यकताओं ने आभार-सह-सम्मान समारोह आयोजित किया। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष कीर्ति मोहन झा ने की, जबकि संचालन प्रेम कुमार झा ने किया। कार्यकताओं ने विधायक सह सचेतक प्रो. चौधरी को माला, पाग और चादर से सम्मानित कर पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के प्रति आभार जताया। सम्मान से अभिभूत विधायक ने कहा, ह्वआपका सम्मान ही मेरी ताकत और संबल है। जनता ने मुझे अपना प्रतिनिधि चुना है, इसलिए उसकी सेवा मेरे लिए सर्वोपरि है। जब तक आपका प्रतिनिधि हूं, बेनीपुर की जनता का सिर कभी झुकने नहीं दूंगा और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी क्षमता से काम करता रहूंगा।ह्व उन्होंने शिक्षा, सिंचाई और स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए कार्यों को प्रमुख उपलब्धि बताते हुए कहा कि बहेड़ी स्थित विलट महथा आदर्श महाविद्यालय में विज्ञान एवं वाणिज्य की स्नातक तथा स्नातकोत्तर पढ़ाई और शिक्षकों के पद स्वीकृत होना बड़ी उपलब्धि है। किसानों के लिए खेतों तक बिजली पहुंचाने तथा कोसी नहर परियोजना के विस्तार से सिंचाई व्यवस्था मजबूत हुई है। धेरुख स्थित पुरानी कमला नदी पर ध्वस्त वीयर के पुनर्निर्माण से भी किसानों में नई उम्मीद जगी है। स्वास्थ्य क्षेत्र में अनुमंडल अस्पताल में 28 विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना तथा आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बहेड़ा और बहेड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उत्क्रमित किया गया है। उन्होंने सड़क, पुल-पुलिया सहित अन्य विकास कार्यों को भी निरंतर जारी रहने की बात कही। समारोह में राम कुमार झा, केदारनाथ झा अनाथ, बंभोल झा, डॉ. अविन कुमार राय, रामशंकर सिंह, पिंटू झा, रजनी सुंदरम, समसूल हुदा, लक्ष्मी सौदा, अभय कुमार झा, अरुण ठाकुर, राम उद्गार यादव सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीमा पर सशस्त्र सीमा बल की बड़ी कार्रवाई, 21 बोतल कफ सिरप बरामद, नेपाली नागरिक गिरफ्तार

मधुबनी। भारत-नेपाल सीमा पर प्रतिबंधित एवं नशीले पदार्थो की अवैध आवाजाही के खिलाफ 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर की ओर से चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गई। सीमा चौकी बेतौन्हा की विशेष नाका पार्टी ने आसूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कोडीन युक्त कफ सिरप की 21 बोतलें बरामद कर एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, 24 अगस्त की रात करीब 11:05 बजे सीमा स्तंभ संख्या 268/10 से लगभग 300 मीटर अंदर भारतीय क्षेत्र के कमलाबाड़ी गांव के सड़क क्षेत्र में विशेष नाका ड्यूटी के दौरान भारत से नेपाल की ओर जा रहे एक मोटरसाइकिल सवार को संदेह के आधार पर रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके बैग से कोडीन फॉस्फेट एवं ट्रिप्रोलिडीन हाइड्रोक्लोराइड युक्त कफ सिरप की 21 बोतलें बरामद हुईं। प्रत्येक बोतल 100 मिलीलीटर की है। इसके अलावा एक मोबाइल फोन और अपाचे 160 सीसी मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान राम महरा (40 वर्ष), पिता रघुनी महरा, निवासी ग्राम फुलबरिया, वार्ड संख्या-08, पोस्ट एवं थाना मिचैर्या, जिला सिरहा, नेपाल के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने बताया कि कफ सिरप जयनगर बाजार से खरीदकर अपने घर फुलबरिया, नेपाल ले जा रहा था। उसके अनुसार, कफ सिरप निजी उपयोग के लिए ले जाया जा रहा था। सशस्त्र सीमा बल ने आवश्यक जब्ती एवं गिरफ्तारी की प्रक्रिया पूरी कर बरामद कफ सिरप, मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल एवं गिरफ्तार व्यक्ति को अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए जयनगर थाना को सुपुर्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर प्रतिबंधित एवं नशीले पदार्थों की अवैध आवाजाही के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। सीमा क्षेत्र में अवैध गतिविधियो पर नियंत्रण के लिए लगातार निगरानी और मजबूत सूचना तंत्र के माध्यम से कार्रवाई की जा रही है। उन्होने कार्रवाई में शामिल जवानो की तत्परता एवं सतर्कता की सराहना की।

सीमावर्ती ग्रामीणों के लिए सात दिवसीय मत्स्य पालन प्रशिक्षण का समापन

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर की ओर से नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत सीमावर्ती एवं वाइब्रेंट विलेज के ग्रामीणों को स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता से जोड़ने के उद्देश्य से सीमा चौकी उसराही में आयोजित सात दिवसीय मत्स्य पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सोमवार को समापन हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 से 23 अगस्त तक आयोजित किया गया, जिसमें 16 ग्रामीणों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया।रमा फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मत्स्य पालन की बुनियादी जानकारी, वैज्ञानिक तकनीक, तालाब प्रबंधन एवं व्यवसायिक पहलुओं से अवगत कराया गया। प्रतिभागियों को तालाब पर ले जाकर मछली पालन एवं तालाब प्रबंधन की विभिन्न गतिविधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। मत्स्य पालन विभाग, मधुबनी के अधिकारी राकेश कुमार सिंह तथा जिला डेयरी अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को मत्स्य पालन एवं पशुपालन से संबंधित सरकारी योजनाओं, उपलब्ध सहायता एवं लाभ की जानकारी दी। अधिकारियों ने पात्रता के आधार पर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया। समापन समारोह में उप कमांडेंट अमरनाथ गुप्ता ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 48वीं वाहिनी द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के माध्यम से सीमावर्ती ग्रामीणों को कौशल विकास एवं स्वरोजगार आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य ग्रामीणों को स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग कर आय के नए साधन विकसित करने के लिए सक्षम बनाना है।कमांडेंट राजेंद्र कुमार के दिशा-निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में उनका संदेश भी प्रशिक्षणार्थियों तक पहुंचाया गया। उन्होंने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण ग्रामीणों को कौशल, स्वरोजगार एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले सभी 16 प्रतिभागियों को समारोह में प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। प्रमाण-पत्र प्राप्त कर प्रशिक्षणार्थियों में उत्साह देखा गया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए मत्स्य पालन को स्वरोजगार एवं आय के साधन के रूप में अपनाने की इच्छा जताई।कार्यक्रम के अंत में रमा फाउंडेशन, मत्स्य पालन विभाग, डेयरी विभाग तथा 48वीं वाहिनी के अधिकारियों एवं कार्मिकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ गरिमापूर्ण ढंग से हुआ।

पौधा मेरा, जिम्मेदारी मेरी: डामू विद्यालय की अनोखी पहल

मधुबनी। उत्क्रमित मध्य विद्यालय, डामू, बासोपट्टी एवं जिला गंगा समिति नमामि गंगे, मधुबनी के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रति जागरूकता को लेकर विद्यालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने फलदार एवं फूलदार पौधे लगाए तथा उनकी सुरक्षा एवं देखभाल का संकल्प लिया। विद्यालय की विशिष्ट शिक्षिका सोनी कुमारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक छात्र अपने नाम से एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी स्वयं उठाए। उन्होंने बताया कि जिस छात्र का लगाया पौधा एक वर्ष तक सुरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा, उसे विद्यालय एवं जिला गंगा समिति ह्वनमामि गंगेह्व, मधुबनी की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा। प्रधानाध्यापक मो. एहसान अहमद ने कहा कि ह्वएक पेड़ सौ पुत्र के समान होता है।ह्व पेड़ हमें शुद्ध हवा, फल, छाया और स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं, इसलिए पौधरोपण के साथ उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा भी आवश्यक है। इस अवसर पर डीपीओ, नमामि गंगे आनंद अंकित ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या सामाजिक संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता से ही संभव है। बच्चों द्वारा अपने नाम से पौधे लगाकर उनकी देखभाल का संकल्प लेना सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, स्वस्थ वातावरण और सुरक्षित भविष्य का आधार बनेगा। पौधरोपण तभी सार्थक होगा, जब पौधों को वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाई जाए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण और पौधों की सुरक्षा का संकल्प लिया।

बुजुर्ग दंपती की चाकू गोदकर निर्मम हत्या, घर में अकेले रहते थे दोनों

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत भरपुरा पटपरा वार्ड संख्या 11 में बीती रात अज्ञात अपराधियों ने एक बुजुर्ग दंपती की चाकू गोदकर नृशंसता पूर्वक हत्या कर दी। इस दोहरे हत्याकांड से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतकों की पहचान करीब 70 वर्षीय बंगाली दास (पिता- स्व. अघनु दास) और उनकी 65 वर्षीय पत्नी धनमा देवी के रूप में हुई है।घटना की जानकारी ग्रामीणों को सुबह करीब 7 बजे तब मिली, जब रोज की तरह एक दूधवाला दंपती के घर पहुंचा। काफी आवाज लगाने के बाद भी जब अंदर से कोई जवाब नहीं मिला और दरवाजा नहीं खुला, तो आसपास के पड़ोसियों को अनहोनी की आशंका हुई। ग्रामीणों ने मिलकर जब घर का दरवाजा तोड़ा, तो अंदर का नजारा देखकर सभी के होश उड़ गए। बंगाली दास का शव चौकी पर और उनकी पत्नी धनमा देवी का शव फर्श पर खून से लथपथ पड़ा हुआ था।बताया जाता है कि मृतक दंपती के तीन बेटे–राम विनोद, राम आशीष और राम प्रगास दास हैं, जो अपनी आजीविका चलाने के लिए सपरिवार दिल्ली में रहकर मजदूरी करते हैं। वहीं, दंपती की तीन बेटियों की भी शादी हो चुकी है। इस वजह से दोनों बुजुर्ग घर पर बिल्कुल अकेले रहा करते थे।वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मौके पर डीआईजी मनोज कुमार तिवारी, एसपी अरविंद प्रताप सिंह, डीएसपी संजय कुमार सिन्हा, इंस्पेक्टर मनोज कुमार और थानाध्यक्ष सुनील कुमार झा समेत भारी पुलिस बल पहुंचा। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और साक्ष्य जुटाए। मामले की वैज्ञानिक जांच के लिए फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वायड और टेक्निकल सेल को भी बुलाया गया, हालांकि शुरूआती जांच में हत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया है और मामले की छानबीन में जुटी है

आयो लाल झूलेलाल के जयघोष से गूंजा शहर भव्य शोभायात्रा के साथ महोत्सव संपन्न

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। पूज्य सिंधी पंचायत, दरभंगा के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय श्री झूलेलाल महोत्सव मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। समापन अवसर पर भगवान झूलेलाल की भव्य संगीतमय शोभायात्रा निकाली गई। ह्वआयो लाल झूलेलाल के जयघोष से सिंधी मोहल्ला सहित शहर का वातावरण भक्तिमय हो उठा। सुबह पूज्य झूलेलाल मंदिर में पूजा-अर्चना एवं आरती हुई। शाम को कटहलबाड़ी स्थित भंडार चौक मंदिर से बहराणा साहिब की शोभायात्रा निकली। इसमें आकर्षक धार्मिक झांकियां, आठ सदस्यीय बैंड तथा बड़ी संख्या में महिला-पुरुष एवं युवा शामिल हुए। श्रद्धालु भक्ति गीतों और भजनों की धुन पर नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे।सिंधी पंचायत के मुखिया जगत लाल जुमनानी ने सिर पर बहराणा साहिब धारण कर शोभायात्रा का नेतृत्व किया। यात्रा में महाकालेश्वर, शिव तांडव, मां काली तथा राधा-कृष्ण की रासलीला की आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया और पूजा-अर्चना की। कटहलबाड़ी, सिंधी मोहल्ला, आयकर चौराहा, बेला एवं कैदराबाद होते हुए शोभायात्रा देर शाम मब्बी पहुंची। यहां विधिवत पूजा एवं आरती के बाद बागमती नदी में भगवान झूलेलाल की प्रतिमा, बहराणा साहिब, कलश एवं अन्य पूजन सामग्री का विसर्जन किया गया। महिला मंडली ने भजन-कीर्तन कर समाज की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की।

तेजस जिला कार्यशाला आयोजित, 450 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गैर-महानगरीय क्षेत्रों में उद्यमिता और स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के ऑडिटोरियम में तेजस जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग , वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के स्टार्ट-अप इंडिया कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यशाला में बिहार सरकार के उद्योग विभाग और जिला प्रशासन का सहयोग रहा।कार्यशाला में स्टार्ट-अप इंडिया के प्रतिनिधि अंशुल गौतम ने पीपीटी के माध्यम से प्रतिभागियों को स्टार्ट-अप से जुड़ी विभिन्न बारीकियों की जानकारी दी। उन्होंने उद्यमिता की यात्रा, विचार निर्माण, सरकारी योजनाओं का लाभ, वित्तपोषण के अवसर, बाजार से जुड़ाव तथा क्षेत्र-विशिष्ट नवाचार के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान जिले के विभिन्न स्टार्ट-अप उद्यमियों ने भी अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं। उन्होंने छात्रों और युवा उद्यमियों को अपने अनुभवों से अवगत कराते हुए नवाचार तथा उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में स्टार्ट-अप उद्यमियों, छात्रों, गैर सरकारी संगठनों तथा महत्वाकांक्षी उद्यमियों समेत 450 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आयोजन का उद्देश्य जमीनी स्तर पर नवाचार को मजबूत करना तथा युवाओं और उभरते उद्यमियों को संसाधन, मार्गदर्शन एवं संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराना था।

नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड के तहत नरमा आयुष्मान आरोग्य मंदिर का गुणवत्ता मूल्यांकन

प्रात: किरण संवाददाता

अलीनगर(दरभंगा)। अलीनगर प्रखंड के नरमाझनावानगर पंचायत स्थित नरमा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर आयुष्मान आरोग्य मंदिर में मंगलवार को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (ठदअर) के तहत गुणवत्ता मूल्यांकन एवं निरीक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई, मरीजों को मिल रही सेवाओं, अभिलेखों एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पंचायत की मुखिया अनुराधा सिंह, भाजपा दरभंगा पूर्वी जिला महामंत्री सह मुखियापति संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आरपीएम नजमुल होडा, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विमलेश प्रकाश, डीसीएमओ सिद्दीकी, स्वास्थ्य प्रबंधक कौशल किशोर, नरमा सीएचसी अधिकारी विपिन सिंह जाट सहित एएनएम एवं आशा कार्यकताओं ने सहभागिता की। कौशल किशोर ने टीम को केंद्र में उपलब्ध दवाओं, उनके भंडारण, साफ-सफाई, मरीजों के लिए सुविधाओं, स्वास्थ्य कर्मियों की कार्यप्रणाली एवं आवश्यक अभिलेखों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र की व्यवस्थाओं का मूल्यांकन एनओएएस के निर्धारित मानकों के अनुरूप किया गया।मुखिया अनुराधा सिंह ने कहा कि नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड के तहत निरीक्षण पंचायत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वहीं संजय कुमार सिंह ने कहा कि ग्रामीणों को गांव के समीप गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना जरूरी है। निरीक्षण के दौरान टीम ने आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

अतिथि शिक्षकों को 65 वर्ष तक सेवा सहित सुविधाएं देने का आश्वासन

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष राजेश मंडल उर्फ ईश्वर मंडल की पहल पर राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों (सहायक प्राध्यापकों) के सेवा समायोजन की दिशा में सकारात्मक पहल का आश्वासन मिला है। विधायक ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मुख्यमंत्री, राज्यपाल एवं शिक्षा सचिव से लगातार मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अतिथि शिक्षकों को 65 वर्ष की आयु तक सेवा सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं देने का आश्वासन दिया है। विधायक मंडल ने बताया कि लंबे समय से अतिथि शिक्षकों के भविष्य को लेकर चिंता बनी हुई है। इसी को लेकर उन्होंने राज्यपाल-सह-कुलाधिपति से मुलाकात कर सेवा समायोजन की दिशा में अविलंब सकारात्मक पहल करने का आग्रह किया था। उन्होंने राज्यपाल को भेजे पत्र में कहा था कि वर्ष 2019 में नियुक्त अतिथि शिक्षकों को उच्च शिक्षा विभाग ने अध्यापन कार्य के अतिरिक्त अन्य रोजगार नहीं करने का निर्देश दिया था। इस निर्देश का पालन करते हुए शिक्षक वर्षों से पूरी निष्ठा के साथ विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि नियमित सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति से पूर्व अतिथि शिक्षकों का सेवा समायोजन नहीं हुआ तो हजारों शिक्षकों के सामने रोजगार संकट उत्पन्न हो सकता है। अधिकांश शिक्षक आयु सीमा पार कर चुके हैं और नई नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित रह जाएंगे। विधायक ने बताया कि बिहार विधान परिषद की शिक्षा समिति भी सेवा समायोजन की अनुशंसा कर चुकी है।

पूर्व मध्य रेल
ई–निविदा सूचना
ई–निविदा संख्या : 26–27–एचआरटीडब्ल्यूएस –सीआरएस–एलएचबी–कोर दिनांक: 24.08.2026
उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत के द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। 1. कार्य का नाम एवं स्थान : "एलएचबी कोचों में कोरोजन की मरम्मत का कार्य" 2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : रू. 5,11,67,140.36 (रू. पाँच करोड़ ग्यारह लाख सड़सठ हजार एक सौ चालीस एवं छत्तीस पैसे मात्र)। 3. निविदा प्रपत्र की राशि : शून्य, 4. अग्रधन की राशि : रू. 10,23,400.00 (रू. दस लाख तेईस हजार चार सौ मात्र) , 5. निविदा कागजात जमा करने की एवं निविदा खुलने की तिथि एवं समय : निविदा ऑन लाइन https://www.ireps.gov.in वेबसाईट पर प्रस्तुत की जानी है। निविदादाताओं द्वारा निर्धारित तिथि 12.09.2026 को 11:00 बजे तक निविदा प्रस्तुत कर दिया जाय एवं उसी दिन 11:15 बजे निविदा खोली जायेगी। 6. वेबसाईट का विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा का पूर्ण विवरण इत्यादि देखा जा सकता है : निविदा सूचना, पात्रता मानदंड तथा निविदा प्रलेख क्रिस के वेबसाईट CRIS website: https://www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है, एवं सूचना की पूर्ण जानकारी के लिये मुख्य कारखाना प्रबंधक का कार्यालय, प्रशासनिक भवन, सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत, नालन्दा, बिहार– 803110 के नोटिस बोर्ड में देखें। यदि जरूरी हुआ, तो शुद्धि पत्र वेबसाइट पर अपलोड होगा।
उप मुख्य यांत्रिक अभियंता,सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना/हरनौत
पीआर/0792/सीआरडब्ल्यू–एचआरटी/एमईसीएच/टी/26–27/44

साहेबगंज सीएचसी परिसर में कथित अश्लील कार्यक्रम को लेकर विवाद

मुजफ्फरपुर ।साहेबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में एक प्रचार-प्रसार कार्यक्रम के दौरान कथित रूप से तेज आवाज में डीजे बजाने और अश्लील नृत्य-गाने के आयोजन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मामले में रोगी कल्याण समिति के शासी निकाय सदस्य शाहिद भारती ने स्वास्थ्य विभाग के सचिव और मुजफ्फरपुर जिलाधिकारी को लिखित शिकायत भेजकर जांच एवं दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नेक्सा कंपनी के चार पहिया वाहनों के प्रचार-प्रसार के लिए अस्पताल परिसर में स्टेज और हाई-लेवल साउंड सिस्टम लगाया गया था। कार्यक्रम के दौरान कथित रूप से अश्लील नृत्य और गाने प्रस्तुत किए गए तथा तेज आवाज में डीजे बजाया गया। इससे अस्पताल में भर्ती और इलाज कराने वाले मरीजों को परेशानी होने के साथ मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ा। शाहिद भारती ने सवाल उठाया है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील परिसर में इस तरह के मनोरंजन अथवा प्रचारात्मक कार्यक्रम के आयोजन की अनुमति किस आधार पर दी गई। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के सचिव और डीएम से कार्यक्रम की अनुमति, आयोजकों तथा संबंधित पदाधिकारियों की भूमिका की जांच कराने की मांग की है।

संस्कृति को समझने के लिए संस्कृत को जानना होगा : कुलपति

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के दरबार हॉल में मंगलवार को संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम का उद्घाटन उत्सवी माहौल में हुआ। कार्यक्रम 31 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान संस्कृत से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों, प्रतियोगिताओं के साथ शास्त्र चर्चा का आयोजन किया जाएगा। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. लक्ष्मी निवास पांडेय ने कहा कि भारतीय संस्कृति को समझने के लिए संस्कृत को जानना और समझना आवश्यक है। संस्कृत के माध्यम से अच्छे विचारों एवं संस्कारों का प्रचार-प्रसार कर सामाजिक कुरीतियों और अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकता है। उन्होंने मनुस्मृति को लेकर हो रही चचाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि इसका मूल उद्देश्य मानवता और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना है। उन्होंने संस्कृत का विश्व स्तर पर विस्तार करने की आवश्यकता जताई। सारस्वत अतिथि पूर्व कुलपति डॉ. शशिनाथ झा ने संस्कृत के योग्य एवं शास्त्रों के जानकार लोगों की नियुक्ति पर जोर दिया। एलएनएमयू के अंग्रेजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार बच्चन ने कहा कि संस्कृत को केवल मंदिर-मठ और पूजा-पाठ की भाषा समझना उचित नहीं है। यह भारतीय भाषाओं की जननी रही है। उन्होंने युवा पीढ़ी को संस्कृत से जोड़ने का आह्वान किया। आकाशवाणी दरभंगा के सहायक निदेशक सह कार्यक्रम प्रमुख अमित कुमार ने कहा कि संस्कृत में मनोरंजक कार्यक्रम तैयार कर इसे आम लोगों और युवाओं से जोड़ा जा सकता है। व्यवहार में प्रयोग से ही भाषा का विकास होता है। कुलपति ने संस्कृत में कार्यक्रम तैयार कराने में सहयोग का भरोसा दिया। इससे पूर्व अतिथियों के साथ कुलपति प्रो. पांडेय, स्नातकोत्तर प्रभारी प्रो. दिलीप कुमार झा, कुलसचिव डॉ. दिनेश झा एवं डीन प्रो. पुरेन्द्र वारिक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। छात्राओं ने स्वागत गान एवं कुलगीत प्रस्तुत किया। संचालन डॉ. रामसेवक झा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुधीर कुमार ने किया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, बुधवार, 26 अगस्त, 2026

प्रभारी सचिव की अध्यक्षता में आकांक्षी जिला एवं प्रखण्ड से संबंधित समीक्षा बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।अपर सचिव, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार -सह- प्रभारी सचिव सुनील कुमार की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी प्रखण्ड से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में एस्पायरेशनल डिस्ट्रिक्ट एवं ब्लॉक कार्यक्रम के सभी इंडिकेटर पर विस्तृत समीक्षा की गई तथा अद्यतन स्थिति का जायजा लिया गया। प्रभारी सचिव ने कहा कि मुजफ्फरपुर जिला प्रगतिशील एवं अग्रणी जिलों में से एक है। निर्धारित लक्ष्य एवं बेसलाइन की तुलना में वर्तमान में काफी अच्छी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि एस्पायरेशनल डिस्ट्रिक्ट कार्यक्रम के तहत 49 इंडिकेटर्स तथा एस्पायरेशनल ब्लॉक कार्यक्रम के तहत 39 इंडिकेटर्स शामिल है। इन सभी सूचकांकों पर एक-एक कर विस्तार से समीक्षा की गई है। एडीपी के तहत स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध सेवाएं, आधारभूत संरचना तथा वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास थीम पर विभागवार एवं इंडिकेटरवाईज समीक्षा की गई। इसमें पाया गया कि अनेक इंडिकेटर्स पर शत-प्रतिशत उपलब्धि है। कुल गर्भधारण की तुलना में एएनसी के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की संख्या में काफी अच्छी प्रगति है। जुलाई माह में इसमें 179 प्रतिशत उपलब्धि पाई गया है। गंभीर रूप से एनीमिया के लिए जांच किए गए गर्भवती महिलाओं की तुलना में गंभीर रूप से एनीमिया के लिए उपचार किए गए गर्भवती महिलाओं के मामले में भी उपलब्धि शत-प्रतिशत है। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार के आदेश के आलोक में एनीमिया-मुक्त बिहार अभियान का आज से शुभारंभ हुआ है। इसके तहत इसपर विशेष जोर दिया जाएगा। मुजफ्फरपुर जिला का मुशहरी प्रखण्ड एस्पायरेशनल ब्लॉक है। एबीपी प्रोग्राम की समीक्षा में पाया गया कि आईसीडीएस, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, जीविका इत्यादि क्षेत्रों में इस प्रखण्ड में काफी अच्छा कार्य किया जा रहा है। 39 विभिन्न इंडिकेटर्स में कई पर लगभग शत-प्रतिशत उपलब्धि है। प्रभारी सचिव ने इस पर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि एडीपी एवं एबीपी कार्यक्रम के तहत नीति आयोग द्वारा निर्धारित विभिन्न सूचकांकों पर उत्कृष्ट उपलब्धि सराहनीय है। इसके लिए जिलाधिकारी के साथ-साथ उनकी सम्पूर्ण टीम बधाई के पात्र हैं। जिलाधिकारी ने प्रभारी सचिव के संज्ञान में लाया कि मुजफ्फरपुर जिला में सरकार के उद्देश्यों के अनुरूप लोक-कल्याणकारी एवं विकासात्मक योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिन इंडिकेटर्स पर कमी है, उसकी समीक्षा एवं गैप एनालिसिस की जा रही है। इन कमियों को हमलोग शीघ्र दूर करेंगे। उन्होंने कहा कि लिंगानुपात 870 है। इसमें सुधार लाने के लिए हमलोग सतत प्रयासरत हैं। ऐक्शन प्लान के अनुसार कार्य किया जा रहा है। संस्थागत प्रसव में सुधार लाने के लिए बहुआयामी कार्य किया जा रहा है। विद्यालयों में बच्चों के इनरॉलमेन्ट पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि इन सब एरिया को फोकस एरिया मानते हुए हमलोग प्राथमिकता के साथ कार्य कर रहे हैं। प्रभारी सचिव ने कहा कि सरकार विकास के प्रति पूर्णतः सजग एवं तत्पर है। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी के नेतृत्व में मुजफ्फरपुर जिला विकास का नया आयाम गढ़ रहा है। जीविका, महिला एवं बाल कल्याण, कृषि, शिक्षा इत्यादि क्षेत्रों में जो बेहतर कार्य किए जा रहे हैं, उसके लिए मुजफ्फरपुर जिला को अनेक बार सम्मानित किया जा चुका है। यहाँ की सफलता की कहानियाँ राष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित है। प्रभारी सचिव ने कहा कि जैसा कि जिलाधिकारी ने कहा कुछ मानकों पर अभी और कार्य करने की आवश्यकता है। इस बैठक में सिविल सर्जन, जिला योजना पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आईसीडीएस, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, डीपीएम जीविका सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिले के 34 सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में प्रथम विद्यार्थी सहयोग शिविर आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। विद्यार्थियों की शिकायतों एवं समस्याओं के प्रभावी समाधान के उद्देश्य से आज मंगलवार को रोस्टर के अनुसार मुजफ्फरपुर जिला के 34 सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में प्रथम विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। हजारों की संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर इसका लाभ उठाया। जिला पदाधिकारी कुमार गौरव द्वारा शिविरों के सफल आयोजन के लिए वरीय प्रभारी पदाधिकारियों, नोडल पदाधिकारियों एवं प्रभारी पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया गया था। जिलाधिकारी ने स्वयं एमआईटी, मुजफ्फरपुर में आयोजित विद्यार्थी सहयोग शिविर में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं से संवाद स्थापित किया तथा उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना। छात्र-छात्राओं ने गर्ल्स हॉस्टल, टीचिंग फैकल्टी, संपर्क सड़क इत्यादि समस्याओं के बारे में बताया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी समस्याओं का समयबद्ध ढंग से विधिवत समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन सरकारी शैक्षणिक संस्थानों जैसे विश्वविद्यालयों, अंगीभूत महाविद्यालयों, अभियंत्रण महाविद्यालयों, चिकित्सा महाविद्यालयों, पॉलिटेक्निक, आईटीआई, पारामेडिकल कॉलेज, नर्सिंग स्कूल, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के छात्रावासों, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के छात्रावासों, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के छात्रावासों, कस्तूरबा गांधी छात्रावासों एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित नेत्रहीन,मूकबधिर विद्यालयों में किया जा रहा है। प्राचार्य, एमआईटी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की यह पहल अत्यंत सराहनीय है। इससे छात्र-छात्राओं को समस्याओं के निराकरण के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफार्म प्राप्त हुआ है। उन्होंने विद्यार्थियों से इसका लाभ उठाने की अपील की।

कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बाबा गरीबनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

मुजफ्फरपुर। बिहार सरकार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मंगलवार को बाबा गरीबनाथ मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने परिवार के साथ बाबा गरीबनाथ का पूजन कर मुजफ्फरपुर समेत पूरे बिहार के किसानों और नागरिकों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मंत्री ने बाबा गरीबनाथ से प्रदेश में शांति, समृद्धि और किसानों के जीवन में खुशहाली की प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर में धार्मिक माहौल बना रहा। पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने कहा कि बाबा गरीबनाथ की कृपा सभी लोगों पर बनी रहे और प्रदेश में सुख-शांति एवं समृद्धि का वातावरण कायम हो। उन्होंने किसानों की खुशहाली और उनकी उन्नति की भी कामना की।

पति की मौत के बाद महिला से दुष्कर्म दोषी को 10 वर्ष का सश्रम कारावास

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले की विशेष पॉक्सो कोर्ट संख्या-3 की न्यायाधीश नूर सुल्ताना की अदालत ने सरैया थाना क्षेत्र की 25 वर्षीय महिला से दुष्कर्म के मामले में दोषी धीरेंद्र पासवान उर्फ मोती पासवान को 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 10 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ने की राशि जमा नहीं करने पर उसे दो माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। मामले में विशेष लोक अभियोजक राजीव रंजन राजू ने अदालत के समक्ष आठ गवाहों के बयान और अन्य पुख्ता साक्ष्य प्रस्तुत किए। अधिवक्ता मिकी ने भी अभियोजन पक्ष की ओर से सहयोग किया। मामला वर्ष 2019 का है। पीड़िता ने 21 नवंबर 2020 को सरैया थाने में धीरेंद्र पासवान के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी के अनुसार, महिला के पति की मौत 1 जुलाई 2019 को हो गई थी। उसके तीन बच्चे थे। पति की मौत के बाद आरोपित महिला से छेड़खानी करने लगा। आरोप है कि दिसंबर 2019 में आरोपित ने महिला को खेत में अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। कुछ समय बाद मायके से लौटने पर महिला को अपने गर्भवती होने की जानकारी मिली। लोकलाज और बच्चों के भविष्य को देखते हुए उसने तत्काल कोई कदम नहीं उठाया। बाद में ससुराल वालों को घटना और गर्भवती होने की जानकारी हुई, जिसके बाद पंचायत बुलाई गई। पंचायत में आरोपित ने इलाज के लिए महिला को 10 हजार रुपये दिए, लेकिन बाद में बच्चे को अपनाने से इनकार कर दिया। महिला ने 6 सितंबर 2021 को बच्चे को जन्म दिया।मामले की जांच के बाद पुलिस ने आरोपित के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की। सुनवाई के दौरान नवजात बच्चे और आरोपित का डीएनए परीक्षण कराया गया। डीएनए जांच की रिपोर्ट में दोनों का मिलान हुआ। अभियोजन पक्ष के गवाहों के बयान और डीएनए रिपोर्ट समेत अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों को अदालत ने महत्वपूर्ण माना। इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने धीरेंद्र पासवान उर्फ मोती पासवान को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

समस्तीपुर रेल मंडल में 37 समपार फाटकों पर बनेंगे आरओबी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। पूर्व मध्य रेल के समस्तीपुर रेल मंडल में 37 समपार फाटकों पर रोड ओवरब्रिज का निर्माण कराया जाएगा। रेलवे बोर्ड ने इन सभी परियोजनाओं को मंजूरी देते हुए इन्हें विशेष रेल परियोजना का दर्जा दिया है। रेल मंत्रालय से हरी झंडी मिलने के बाद अब निर्माण प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने की तैयारी है। परियोजना की विशेष निगरानी पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह करेंगे। इस योजना में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह किया गया है कि आरओबी निर्माण के लिए आवश्यक जमीन के अधिग्रहण की जिम्मेदारी अब राज्य सरकार के बजाय रेलवे स्वयं संभालेगा। इससे भूमि अधिग्रहण में होने वाली देरी को कम कर परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूरा करने में मदद मिलने की उम्मीद है। समस्तीपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले बेगूसराय, पश्चिम चंपारण, दरभंगा, खगड़िया, मधुबनी, पूर्णिया, सहरसा, समस्तीपुर, सीतामढ़ी और सुपौल जिलों में इन आरओबी का निर्माण प्रस्तावित है। इनमें दरभंगा और सहरसा जिले के कई महत्वपूर्ण एवं व्यस्त समपार फाटक भी शामिल हैं। आरओबी बनने से रेलवे फाटकों पर ट्रेनों के आवागमन के दौरान सड़क यातायात रुकने की समस्या कम होगी। इससे वाहन चालकों और आम लोगों को जाम से राहत मिलने के साथ सड़क एवं रेल यातायात की सुरक्षा भी बेहतर होने की उम्मीद है। इसके अलावा मधुबनी जिले में एक स्थान पर लिमिटेड हाइट सबवे के निर्माण का भी प्रावधान किया गया है। रेलवे की ओर से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अपने स्तर से किए जाने के बाद परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना है।

सभी रेलवे स्टेशनों पर होगी पानी की जांच, 14 दिन का विशेष अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। यात्रियों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए मुजफ्फरपुर समेत समस्तीपुर रेल मंडल के सभी छोटे-बड़े रेलवे स्टेशनों पर 14 दिवसीय विशेष अभियान शुरू किया गया है। रेलवे बोर्ड के निर्देश के बाद डीआरएम ज्योति प्रकाश मिश्रा ने मंडल के सभी इंजीनियरों को पानी की टंकियों, नलों और अन्य पेयजल स्त्रोतों की जांच कराने का निर्देश दिया है। अभियान के दौरान सभी स्टेशनों पर उपलब्ध पानी की रासायनिक जांच कराई जाएगी। इसके साथ ही पानी की टंकियों, पाइपलाइन, फिल्टर, वाटर कूलर और अन्य पेयजल उपकरणों की स्थिति का भी आकलन किया जाएगा। पानी की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं मिलने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। रेलवे ने इसके लिए समस्तीपुर मंडल में विशेष कंट्रोल रूम बनाया है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि किसी भी स्टेशन पर दूषित पानी की सूचना मिलने पर तत्काल कंट्रोल रूम को जानकारी दी जाए। जांच के बाद स्टेशनवार कमियों और उनके समाधान की रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी।रेलवे बोर्ड के निर्देश के अनुसार पानी की सभी टंकियों को खाली कर उनकी सफाई और कीटाणुशोधन कराया जाएगा। टंकियों के वेंट और ओवरफ्लो प्वाइंट को भी सुरक्षित किया जाएगा। पेयजल और गैर-पेयजल पाइपलाइन के बीच क्रॉस कनेक्शन की भी जांच होगी। पानी की बबार्दी रोकने के लिए पाइपलाइन में लीकेज की पहचान कर उसे दुरुस्त किया जाएगा। स्टेशनों पर जर्जर फ्रीजर और वाटर कूलर की भी मरम्मत कराई जाएगी। खराब फिल्टर, पाइप, नल तथा यूवी और आरओ सिस्टम को जरूरत के अनुसार बदला जाएगा। अभियान के तहत पानी के नमूनों की भौतिक, रासायनिक और जीवाणु संबंधी जांच कराई जाएगी। साथ ही प्रतिदिन अवशिष्ट क्लोरीन की निगरानी करने का भी निर्देश दिया गया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, 14 दिनों तक चलने वाले इस अभियान की रिपोर्ट के आधार पर स्टेशनों पर आवश्यक सुधार कार्य कराए जाएंगे। इसका उद्देश्य यात्रियों को रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छ, सुरक्षित और मानकों के अनुरूप पेयजल उपलब्ध कराना है।

मुजफ्फरपुर में दिनदहाड़े डॉक्टर से सोने की चेन झपटी, बदमाश बाइक से फरार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर में बेखौफ बदमाशों ने दिनदहाड़े एक डॉक्टर को निशाना बनाकर करीब चार लाख रुपये की सोने की चेन झपट ली। जिम से क्लिनिक जा रहे डॉक्टर को बदमाशों ने कुछ समझने का मौका तक नहीं दिया। हेलमेट पहने बाइक सवार दो बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया और तेज रफ्तार से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल रहा। घटना ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के इमलीचट्टी इलाके की बताई जा रही है। डॉक्टर प्रमोद कुमार ने पुलिस को बताया कि वह जिम से निकलकर अपनी क्लिनिक की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अपाचे बाइक पर सवार दो युवक उनके पास पहुंचे। दोनों ने हेलमेट पहन रखा था। बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने अचानक डॉक्टर के गले से सोने की चेन झपट ली। अचानक हुई वारदात से डॉक्टर कुछ समझ पाते, इससे पहले ही दोनों बदमाश बाइक लेकर तेज गति से फरार हो गए। चेन की कीमत करीब चार लाख रुपये बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद ब्रह्मपुरा थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस बदमाशों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। दिनदहाड़े हुई इस घटना से इलाके के लोगों में भी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

सुस्ता के पास गंडक नदी के कटान का खतरा बढ़ा विशेषज्ञ टीम गठित करने का दिया सुझाव

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। भारत-नेपाल सीमा पर सुस्ता गांव के पास नेपाल की ओर तटबंध के निर्माण को लेकर भारतीय क्षेत्र में गंडक नदी के कटान का खतरा बढ़ गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसबी के महानिदेशक संजय सिंघल ने बिहार के मुख्य सचिव और प्रमंडलीय आयुक्त को पत्र भेजकर स्थिति से अवगत कराया है। उन्होंने नदी के कटान को रोकने के लिए विशेषज्ञों की टीम गठित कर आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है। एसएसबी महानिदेशक ने इस क्षेत्र में तीन महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण की आवश्यकता भी बताई है। मामले में प्रमंडलीय आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने पश्चिमी चंपारण के जिलाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। साथ ही पूरे मामले की समीक्षा के लिए आठ सितंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक बुलाने की बात कही गई है। महानिदेशक की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि दो अगस्त को नेपाल के सुस्ता गांव के कुछ नागरिकों ने असामाजिक तत्वों के सहयोग से यथास्थिति रेखा का उल्लंघन करते हुए तटबंध के विस्तार का प्रयास किया। दोनों देशों के बीच यह सहमति बनी थी कि यथास्थिति रेखा का उल्लंघन नहीं किया जाएगा और उसके समीप तटबंध निर्माण का कार्य भी नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद नेपाल की ओर से तटबंध के विस्तार का प्रयास किए जाने की बात सामने आई। सूचना मिलने के बाद संबंधित स्तर पर कार्रवाई करते हुए यथास्थिति बहाल कर दी गई। हालांकि, नेपाल की ओर तटबंध के विस्तार और उसके सुदृढ़ीकरण से गंडक नदी के प्रवाह की दिशा भारतीय क्षेत्र की ओर बदलने की आशंका जताई गई है। इससे भारतीय भू-भाग में नदी के कटाव का खतरा बढ़ सकता है। एसएसबी महानिदेशक ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नदी के प्रवाह, तटबंध और संभावित कटाव का तकनीकी अध्ययन कराने के लिए विशेषज्ञों की टीम गठित करने तथा आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय करने का आग्रह किया है। सीमा क्षेत्र में सड़क निर्माण को भी सुरक्षा और आवागमन की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया गया है।

महंगाई में हुए अप्रत्याशित वृद्धि से आमजन त्रस्त : भाकपा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मीनापुर अंचल परिषद् की बैठक पार्टी कार्यालय में भिखारी प्रसाद यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय परिषद् सदस्य अजय कुमार सिंह ने कहा कि चीनी, दाल, प्याज, सब्जी सहित उपभोक्ता वस्तुओं, रसोईगैस सिलेंडर और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी से आम जनता त्रस्त है। इन्होंने केन्द्र तथा राज्य सरकार से महंगाई पर रोक लगाने और जमाखोरों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर गरीबों का नाम राशनकार्ड से काटे जाने की तीव्र भर्त्सना की गई तथा पंचायत, स्तर पर अभियान चलाकर राशनकार्ड से वंचित परिवारों को राशनकार्ड देने की मांग की गई। बैठक में केन्द्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आगामी 01 सितम्बर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित बदलाव जरुरी है रैली में शामिल होने के लिए मीनापुर से 30 अगस्त को सप्त क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन से दिल्ली चलने का निर्णय लिया गया। बैठक में अंचल सचिव शिवजी प्रसाद, राम एकबाली राय, दरोगा प्रसाद, जनक ठाकुर, त्रिभुवन राम, नगीना प्रसाद, रामचंद्र झा, रंजन कुमार, मुनेन्द्र कुमार आदि पार्टी नेता शिरकत किए।

ए के -47 बरामदगी मामले में सारण से मुख्य हथियार तस्कर गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बहुचर्चित ए के-47 रायफल बरामदगी मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी को बड़ी सफलता मिली है। ब्रह्मपुरा से पूर्व में गिरफ्तार किए गए आरोपित भैरव त्रिपाठी उर्फ मास्टर की निशानदेही पर एन आईए और बिहार एसटीएफ की संयुक्त टीम ने सारण जिले के परसा में छापेमारी कर कथित मुख्य हथियार तस्कर मो. करिमुद्दीन को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही मामले में गिरफ्तार आरोपितों की संख्या आठ हो गई है। जांच एजेंसियों के अनुसार, शुरूआती पूछताछ में करिमुद्दीन के गिरोह द्वारा सारण और आसपास के जिलों में सक्रिय आपराधिक गिरोहों तक अत्याधुनिक हथियार पहुंचाने की जानकारी सामने आई है। एनआईए अब हथियार तस्करी के इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को खंगालने में जुटी है। मामला 7 मई 2024 को सामने आया था, जब फकुली ओपी क्षेत्र के मनकौली गांव से एक ए के -47 रायफल, मैगजीन और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए गए थे। हथियार बरामदगी के मामले के तार अंतरजिला हथियार तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने और सुरक्षा से जुड़े गंभीर पहलुओं को देखते हुए इसकी जांच एनआईए को सौंपी गई थी। इस मामले में इससे पहले विकास कुमार, देवमणि कुमार, मंजूर खान, सत्यम कुमार, अहमद अंसारी, कुंदन कुमार उर्फ कुंदन भगत और भैरव त्रिपाठी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। करिमुद्दीन की गिरफ्तारी के बाद मामले में अब तक आठ आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं। एनआईए की ओर से मामले में पहले चरण में विकास कुमार, सत्यम कुमार, अहमद अंसारी और देवमणि कुमार के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। इसके बाद पूरक जांच में मंजूर खान और कुंदन भगत के खिलाफ भी चार्जशीट दाखिल की गई है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि हथियार तस्करी से जुड़े इस नेटवर्क ने बिहार के विभिन्न जिलों में अन्य घातक हथियारों की खेप भी पहुंचाई हो सकती है। इसी को लेकर एनआईए और बिहार एसटीएफ की टीमें नेटवर्क के अन्य सदस्यों और हथियारों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही हैं।

हथियारबंद हमलावरों का घर पर धावा महिलाओं से मारपीट और मंगलसूत्र छीना

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सदर थाना अंतर्गत कच्ची-पक्की ओपी क्षेत्र के अतरदह मोहल्ले में आधा दर्जन से अधिक हथियारबंद हमलावरों ने एक घर पर धावा बोलकर जमकर उत्पात मचाया। वार्ड नंबर 31 में हुई इस घटना के दौरान हमलावरों ने घर में घुसकर गाली-गलौज करते हुए महिलाओं और परिजनों के साथ मारपीट की। आरोप है कि हमलावरों ने एक महिला का मंगलसूत्र भी छीन लिया और घर के बाहर खड़े वाहनों में तोड़फोड़ की। हमले में एक ही परिवार के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में तनाव और दहशत का माहौल बन गया। पीड़िता आशा देवी, पति सुरेश चौधरी, ने घटना को लेकर स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया है। आवेदन के अनुसार, आधा दर्जन से अधिक हथियारबंद लोग अचानक उनके घर पर पहुंचे और हंगामा करने लगे। आरोप है कि हमलावर घर में घुस गए और परिजनों के साथ गाली-गलौज व मारपीट की। विरोध करने पर महिलाओं के साथ भी कथित तौर पर मारपीट की गई। इस दौरान मंगलसूत्र छीनने और वाहनों में तोड़फोड़ करने का भी आरोप लगाया गया है। घटना में परिवार के तीन सदस्य गंभीर रूप से घायल बताए गए हैं। परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को देते हुए आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच कर रही है और घटना के कारणों तथा हमलावरों की पहचान का पता लगाने में जुटी है।

किशोरी के अपहरण मामले में दोषी कुंदन को 20 वर्ष का कठोर कारावास

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले की विशेष पॉक्सो कोर्ट संख्या-3 की न्यायाधीश नूर सुल्ताना की अदालत ने साढ़े तीन वर्ष पुराने चर्चित अपहरण मामले में सख्त फैसला सुनाया है। मोतीपुर थाना क्षेत्र से 11 वर्षीय नाबालिग किशोरी के अपहरण के मामले में दोषी कुंदन कुमार, निवासी कल्याणपुर हरौना, को अदालत ने 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोषी पर 20 हजार रुपये का आर्थिक जुमार्ना भी लगाया गया है। जुमार्ने की राशि जमा नहीं करने पर उसे तीन महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। मामले में पीड़िता के पिता ने 24 मार्च 2023 को मोतीपुर थाने में लिखित शिकायत देकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी के अनुसार, कुंदन कुमार ने अपनी मां और अन्य परिजनों के साथ मिलकर 11 वर्षीय किशोरी को शादी की नीयत से बहला-फुसलाकर अगवा किया था। मामले में कुंदन समेत कुल आठ लोगों को नामजद आरोपित बनाया गया था। अन्य आरोपितों पर किशोरी को छिपाने और अपहरण की साजिश में सहयोग करने का आरोप लगाया गया था। मामले की सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक राजीव रंजन राजू ने अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में महत्वपूर्ण गवाहों और साक्ष्यों को प्रस्तुत किया। अधिवक्ता मिकी ने भी अभियोजन पक्ष की ओर से सहयोग किया। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और अभियोजन की ओर से पेश किए गए साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद कुंदन कुमार को दोषी करार दिया। इसके बाद न्यायालय ने उसे 20 वर्ष के कठोर कारावास और 20 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई। अदालत के इस फैसले को नाबालिगों से जुड़े अपराधों में सख्त कानूनी कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है।

मकानों की चहारदीवारी ढहाने का मामला, 22 प्राथमिकी दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। अहियापुर थाना क्षेत्र के झपहां उदन इलाके में 50 से अधिक निमार्णाधीन मकानों की चहारदीवारी जेसीबी से जबरन ढहाए जाने के मामले में पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई है। सोमवार देर रात तक थाने में कुल 22 पीड़ितों ने अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराई है। इनमें से तीन मामलों में बेलसंड विधायक अमित कुमार रानू और उनके भाई सोनू सिंह को जमीन पर अवैध कब्जे के आरोप में नामजद अभियुक्त बनाया गया है। मामले में आरोपित विधायक के भाई सोनू सिंह की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने सदर थाना क्षेत्र के भिखनपुरा में छापेमारी की। हालांकि, छापेमारी के दौरान वह मौके से फरार होने में सफल रहा। पुलिस अब उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पीड़ितों का आरोप है कि झपहां उदन इलाके में निमार्णाधीन मकानों और उनकी चहारदीवारियों को जेसीबी की मदद से जबरन ढहा दिया गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में प्रभावित लोगों ने अहियापुर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायतों के आधार पर अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस अब दर्ज प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों की जांच के साथ जमीन से जुड़े दस्तावेजों और मौके पर हुई कार्रवाई की भी पड़ताल कर रही है। साथ ही जेसीबी से चहारदीवारी ढहाने में शामिल लोगों और अन्य आरोपितों की भूमिका की जांच की जा रही है। मामले में विधायक और उनके भाई का नाम सामने आने के बाद पुलिस कार्रवाई पर सबकी नजर है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में नामांकन की प्रक्रिया पूरी, छात्रों को हास्टल आबंटित

मुजफ्फरपुर।डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा समस्तीपुर में दूसरे दिन नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो गई । जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय में स्नातक के विभिन्न विषयों के लगभग नब्बे प्रतिशत से अधिक सीटों पर देश के विभिन्न राज्यों के छात्रों ने नामांकन कराया। नामांकन के तुरंत उपरांत सभी छात्रों को उनका हास्टल एलाट कर दिया गया। देश के विभिन्न राज्यों से आए छात्रों के अभिभावकों के लिए विश्वविद्यालय के किसान घर एवं अन्य स्थानों पर रहने की व्यवस्था की गई है। पिपरा कोठी कैंपस के बीएससी हार्टिकल्चर के छात्रों के दीक्षारंभ कार्यक्रम के दौरान पूसा कैंपस में ही रहने की संभावना है। दीक्षारंभ कार्यक्रम के बाद वे मोतिहारी स्थित अपने हास्टल में रहेंगे। इधर 27 से प्रस्तावित दीक्षारंभ कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई है। कुलपति डॉ पी एस पांडेय ने दीक्षारंभ के लिए पंद्रह से अधिक कमिटी बनाई है जो दीक्षारंभ के सफल संचालन तो लेकर अपने अपने दायित्व निभायेंगी। कुलसचिव डॉ पी के प्रणव ने कहा कि लगभग अस्सी से नब्बे प्रतिशत सीटों पर नामांकन पूरा हो गया है। नामांकन को लेकर सभी डाटा के मिलान के उपरांत यदि सीट रिक्त रहा तो दूसरे दौर की प्रक्रिया की जा सकती है। हालांकि उम्मीद है कि देर शाम तक लगभग सीटों पर नामांकन हो जायेगा।

उत्तर बिहार के जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 26 से 30 अगस्त तक के मौसम पूवार्नुमान के अनुसार इस अवधि में उत्तर बिहार के कई हिस्सों में बारिश की संभावना है। 27-28 अगस्त के आसपास कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। गोपालगंज, सीवान, वैशाली एवं पश्चिमी चंपारण जिलों के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी वर्षा होने की भी संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान अधिकतम तापमान 32 से 37 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 26 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। इस अवधि में 5 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पुरवा हवा चल सकती हैं।कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को धान की फसल में तना छेदक एवं पत्ती लपेटक कीटों की नियमित निगरानी करने की सलाह दी है। प्रकोप दिखाई देने पर देर दोपहर के बाद क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4-जी दानेदार दवा 20-25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में समान रूप से डालने की सलाह दी गई है। मक्का में तना छेदक एवं फॉल आर्मीवर्म के प्रकोप के लिए मौसम अनुकूल बताया गया है। तना छेदक के प्रकोप से गाभा सूखने और पौधे के मुरझाने के लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ऐसे पौधों में कार्बोफ्यूरान 3-जी दानेदार दवा 7 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से डालने की सलाह दी गई है। फॉल आर्मीवर्म के नियंत्रण के लिए इमामेक्टिन बेंजोएट 0.5-0.6 ग्राम प्रति 15 लीटर पानी की दर से छिड़काव करने तथा आवश्यकता पड़ने पर सात दिन बाद कोराजेन 0.5-0.6 मिली प्रति 15 लीटर पानी की दर से दूसरा छिड़काव करने की सलाह दी गई है। कृषि वैज्ञानिकों ने इस माह मध्यावधि फूलगोभी की किस्मों पूसा हिम ज्योति, डी-96 एवं पंत शुभ्रा की बुआई करने की सलाह दी है।

बांग्लादेश मक्का समझौते में शामिल होगा?

असद मिर्जा

यूएई-इजरायल धुरी से आगे बढ़कर खाड़ी साझेदारों के साथ गहरी सुरक्षा जुड़ाव, चुनावों के अपने आप सब कुछ सुलझाने का इंतजार करने के बजाय ढाका की अंतरिम सरकार तक निरंतर पहुंच, और तुर्की की महत्वाकांक्षाओं को जाने-पहचाने पाकिस्तान वाले खांचे में समेटने के बजाय उनका स्पष्ट आकलन। यह क्षेत्र दिल्ली के आगे बढ़ने का इंतजार नहीं कर रहा, और, ऐसा लगता है, बांग्लादेश भी नहीं। बंग्लादेश का कहना है कि वह सऊदी-तुर्की-पाकिस्तान रक्षा समझौते में शामिल होने के लिए खुला है। यह शब्द चयन बहुत कुछ कह जाता है। यह हस्ताक्षर नहीं है, लेकिन कुछ भी नहीं भी नहीं है- और भारत के लिए, यह दो वर्षों से चल रहे एक बदलाव की पुष्टि करता है। कूटनीति में शब्दों का महत्व होता है, और बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने अपने शब्द सोच-समझकर चुने। यह पूछे जाने पर कि क्या ढाका मक्का संयुक्त रक्षा समझौते- जो समझौता सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने 7 अगस्त को हस्ताक्षरित किया- में शामिल होगा, कबीर ने नहीं नहीं कहा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश अपने हितों को ध्यान में रखते हुए इस विकल्प पर विचार करेगा। यह उस देश की भाषा है जो दरवाजा अधखुला रख रहा है, बंद नहीं कर रहा। समझौता अपने आप में स्पष्ट है। सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने प्रतिबद्धता जताई है कि एक पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा - यह एक तरह का आर्टिकल 5 जैसा प्रावधान है, जो पिछले सितंबर हस्ताक्षरित सऊदी-पाकिस्तान रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर आधारित है। मिस्र इस विचार पर बिना प्रतिबद्ध हुए बहस कर रहा है, क्योंकि उसे ग्रीस और साइप्रस के साथ अपनी उलझनों की चिंता है। बांग्लादेश अब सार्वजनिक रूप से रुचि जताने वाला दूसरा देश है। मुश्किल से दो हफ्ते पुराने गुट के लिए, यह दिल्ली में किसी भी अनुमान से कहीं तेज खिंचाव है। यह सब अचानक नहीं हुआ। बांग्लादेश में तुर्की की मौजूदगी मक्का समझौते के अस्तित्व में आने से बहुत पहले से बढ़ रही थी। अंकारा अब ढाका को सैन्य उपकरण आपूर्ति करने वाला चौथा सबसे बड़ा देश है। पिछले साल के अंत में, पाकिस्तान की सेना ने बांग्लादेशी कर्मियों को प्रशिक्षण देना शुरू किया- 1971 के बाद पहली ऐसी व्यवस्था, जो उस देश में स्पष्ट महत्व रखती है जिसका स्थापना-युद्ध ही पाकिस्तान के खिलाफ लड़ा गया था। बताया जाता है कि तुर्की की खुफिया एजेंसी ने जमात-ए-इस्लामी के ढाका कार्यालय के नवीनीकरण को वित्तपोषित किया है और इस्लामवादी नेताओं की तुर्की के हथियार सुविधाओं की यात्राओं की व्यवस्था की है। विवरण चाहे जो भी हों, पैटर्न स्पष्ट हैः अंकारा ने दो वर्षों में ढाका में ऐसे रिश्ते बनाए हैं जिन्हें एक रक्षा समझौता महज औपचारिक रूप दे रहा है। यही कारण है कि भारतीय टिप्पणीकार अब पाकिस्तान को अकेला कारक मानने के बजाय तुर्की को अधिक तत्काल समस्या के रूप में देखने लगे हैं। कुछ विश्लेषकों का यह कहना कि तुर्की दक्षिण एशियाई विमर्श में ह्यनया ईरानह्व बनता जा रहा है, यह दशार्ता है कि दिल्ली का रणनीतिक हलका अंकारा के बारे में किस तरह बात कर रहा है- एक स्वतंत्र स्वभाव वाले दूर के नाटो सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि भारत के पूर्वी पड़ोस को नया आकार देने वाले सक्रिय खिलाड़ी के रूप में। यह चिंता की एक नई श्रेणी है, जो दशकों से चली आ रही भारत-पाकिस्तान की सोच में ठीक से फिट नहीं बैठती। यह पुरानी झुंझलाहटों से ज्यादा क्यों चुभता है, इसकी वजह भूगोल है। पाकिस्तान भारत के पश्चिम में है, ऐसी सीमा के पार जिसे भारत ने पचास वर्षों से रोकथाम, कूटनीति और महज जान-पहचान के जरिए संभालना सीखा है। बांग्लादेश भारत के पूर्व में है, भारत के सबसे संवेदनशील हिस्से के चारों ओर लिपटा हुआः चिकन नेक कॉरिडोर, जो पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ता है, और विद्रोह-प्रवण राज्यों की एक पट्टी जो शांत बने रहने के लिए ढाका के सहयोग पर निर्भर रही है। भारत ने इस मोर्चे के अमित्र हो जाने के लिए गंभीर आकस्मिक योजना नहीं बनाई, क्योंकि शेख हसीना के पंद्रह वर्षों के शासन में उसे इसकी जरूरत नहीं पड़ी। अगस्त 2024 में हसीना की सत्ता से बेदखली ने इस धारणा को रातोंरात खत्म कर दिया। चाहे अंकारा, इस्लामाबाद और ढाका की अंतरिम सरकार विशेष रूप से भारत के खिलाफ समन्वय कर रहे हों या नहीं, व्यावहारिक नतीजा भारत की पूर्वी सीमा पर एक ऐसी सुरक्षा संरचना है जिसे भारत ने न डिजाइन किया, न नियंत्रित करता है, और न ही किसी अलग युग के लिए बने औजारों से आसानी से रोक सकता है।

नीति आयोग की रिपोर्ट और 2047 का भारत

प्रधानमंत्री मोदी आज के हालात सुधारने की जगह या तो हजार साल पुराने भारत की बात करते हैं या फिर 2047 की बात करते हैं। योजना आयोग की जगह उन्होंने जो नीति आयोग बनाया है, उसकी भी हालिया रिपोर्ट रिइमैजिनिंग स्किलिंग फॉर विकसित भारत एट 2047 है, यानी 2047 में विकसित भारत के लिए कौशल विकास (स्किलिंग) की पुनर्कल्पना। मोदी चाहते हैं कि 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए, देश की मौजूदा कौशल प्रशिक्षण और शिक्षा प्रणाली में नए सिरे से बड़े और प्रभावी बदलाव किया जाए। इसी पर नीति आयोग ने पूरी रिपोर्ट बना दी है कि किस तरह कौशल विकास स्कूलों से शुरू हो, डिजिटल स्किल्स पासपोर्ट हो यानी अलग-अलग जगहों से हासिल स्किल्स और ट्रेनिंग को डिजीटली दर्ज किया जाए, ताकि नौकरी या शिक्षा में उसका उपयोग हो, आईटीआई और पॉलिटेक्निक को स्थानीय उद्योगों के मुताबिक लचीला बनाया जाए, महिलाओं के लिए रोजगार के मौके और स्किल ट्रेनिंग के लिए लचीली व्यवस्था हो। कई तरह के सुझाव नीति आयोग की रिपोर्ट में हैं। लेकिन इन का जमीन असर पर तो तभी दिखाई देगा, जब आज के हालात सुधारे जाएं। क्योंकि नौकरी, रोजगार, स्किल ट्रेनिंग आदि के जो आंकड़े नीति आयोग ने पेश किए हैं, उनमें मोदी सरकार की असलियत सामने आ गई है कि पिछले बारह सालों में उसने देश को कितना पीछे धकेल दिया है। 2014 में नरेन्द्र मोदी ने वादा किया था कि हर साल दो करोड़ रोजगार देंगे। इस हिसाब से अब तक 24 करोड़ लोगों को रोजगार मिल जाना चाहिए था। लेकिन नीति आयोग बता रहा है कि भारत की करीब आधी आबादी तो मजदूरी करती है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 65.4 करोड़ (यानी कुल 145 करोड़ की 45.1 प्रतिशत) आबादी मजदूरी करती है। इनमें 8.4 प्रतिशत कार्यबल तो अपना काम करने वाले (स्वरोजगार) हैं, 21.7 प्रतिशत लोगों के पास नियमित वेतन वाली नौकरी है, जबकि 19.8 प्रतिशत लोग दिहाड़ी मजदूरी का काम करते हैं। वहीं 79.6 करोड़ यानी 54.9 प्रतिशत लोग मजदूर वर्ग से बाहर हैं। इनमें 29.1 करोड़ छात्र हैं, वहीं 59 साल से अधिक या 5 साल से कम उम्र के 27 करोड़ लोग हैं और 14.7 करोड़ अन्य शामिल हैं। लेकिन इस रिपोर्ट में युवाओं के बारे में जो बताया गया है वो बेहद चौंकाने वाला है, नीति आयोग बताता है कि करीब साढ़े आठ करोड़ युवा न पढ़ रहे हैं, न नौकरी कर रहे हैं, न किसी किस्म का प्रशिक्षण ले रहे हैं। नीति आयोग का अनुमान है कि 15 से 29 साल की उम्र के 8.7 करोड़ युवा न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न ही नौकरी या ट्रेनिंग में हैं। इनमें से लगभग 88 प्रतिशत युवा घर के कामों में लगे हैं। साथ ही, युवाओं में बेरोजगारी दर 15.6 प्रतिशत है, जिनमें युवतियों की संख्या 19.5 प्रतिशत तक है। जिस देश में करीब 9 करोड़ युवा न पढ़ रहे हैं, न नौकरी कर रहे हैं न किसी तरह का प्रशिक्षण ले रहे हैं, उस देश के लिए कैसा खतरनाक भविष्य तैयार हो रहा है, यह समझना कठिन नहीं है। युवा शक्ति के दम पर ही भविष्य के सपने बुने जाते हैं। लेकिन खाली बैठे हताश नौजवान क्या सपनों को जीने लायक बच रहे हैं, यह सवाल अब मोदी सरकार से किया जाना चाहिए। अच्छी बात है कि देश में शिक्षा प्रणाली में सुधार, परीक्षा व्यवस्था की खामियां, बेरोजगारी, सरकारी नौकरियों में भर्ती की धांधलियां ऐसे बेहद जरूरी विषयों पर आम जनता के बीच चर्चा तेज हो गई है। मई में नीट का पेपर लीक होने के बाद शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था की गड़बड़ियों पर सवाल उठने शुरू हुए और अब अगस्त खत्म होने तक ये सवाल खत्म नहीं हुए हैं, दबाए नहीं जा सके हैं बल्कि तेज होते जा रहे हैं। स्कूलों और कॉलेजों के बच्चे तो पूरी स्पष्टता के साथ अपनी बात सामने रख ही रहे हैं, उनके अभिभावक भी अब उनके साथ उठ खड़े हुए हैं। इसकी बेचैनी सत्तारुढ़ वर्ग में साफ देखी जा सकती है।

राख से उठकर फिर से सजा अंबा विलास....

मैसूर पैलेस जिसे अंबा विलास पैलेस भी कहा जाता है। यह वास्तुकला का एक अद्भुत नमूना और देश की सबसे शानदार संरचनाओं में से एक है, जिसे नजदीक से देखना एक बेहद सुखद एवं अद्भुत अनुभव है। इसे अंबा विलास के नाम से भी जाना जाता है। वाडियार साम्राज्य ने इस जगह को नयी पहचान दिलाई, जो उनके शाही विलास की एक बेमिसाल छाप है। इसकी भव्य इंडो-सारसेनिक वास्तुकला, सुंदर गुंबद और बारीक नक्काशी देखकर ऐसा लगता है जैसे किसी पुराने शाही युग में आ गए हों, यह पैलेस वाकई इतिहास, कला और शाही संस्कृति का एक अनूठा संगम है, जो अपनी भव्यता से हर किसी के मन में यादगार लम्हे छोड़ जाता है। इसकी भव्यता, इतिहास और परंपराए पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। दशहरा उत्सव और हर रविवार को लगभग 1,00,000 बल्बों से जगमगाने वाला यह महल दूर से ही अपनी अद्भुत सुंदरता बिखेरता है। यह महल हिंदू, मुगल, राजपूत और गोथिक शैलियों का अनूठा मिश्रण है। इसकी सुनहरी छतें, बेल्जियम के कांच के गुंबद, और भव्य दरबार हॉल आज भी शाही शान का अहसास कराते हैं।

रामाधार प्रसाद
लेखक

इतिहास केवल जीर्ण-शीर्ण इमारतों की दास्तान नहीं होता, बल्कि वह उन अदम्य प्राण-तत्वों की कहानी है जो हर आपदा के बाद और अधिक चमक के साथ लौटते हैं। कर्नाटक की सांस्कृतिक राजधानी मैसूर के हृदय-स्थलों पर जब वर्ष 1897 में एक भीषण अग्निकांड ने प्राचीन राजमहल को अपनी लपटों में समेटकर राख के ढेर में बदल दिया था, तब किसी ने नहीं सोचा था कि यह धंसती हुई राख अपने गर्भ से ऐसी भव्यता को जन्म देगी, जो सदियों तक दुनिया को चकाचौंध कर देगी। वाडियार राजवंश की इष्टदेवी अंबा के नाम पर समर्पित यह वही अंबा विलास यानी मैसूर पैलेस है, जिसे ब्रिटिश वास्तुकार हेनरी इर्विन ने इंडो-सरसेनिक वास्तुकला की स्वर्णिम शैली में पक्का और अलौकिक स्वरूप दिया। आज जब यह तीन मंजिला ग्रेनाइट और गुलाबी गुंबदों वाला राजमहल रोशनी के हजारों दीपों और हीरों सी चमकती लगभग एक लाख लाइटों से जगमगाता है, तो यह सिर्फ पत्थरों और कांच का महल नहीं लगता, बल्कि यह उस कालजयी संकल्प का जीवंत प्रतीक बन जाता है, जो विनाश की राख से उठकर शान से दोबारा संवरना जानता है।

मैसूर पैलेस की अनकही और दिलचस्प दास्तां

जी, हां... हम मैसूर पैलेस की बात कर रहे हैं, जिसे अंबा विलास पैलेस भी कहा जाता है, यह एक भव्य ऐतिहासिक महल है। यह वाडियार राजवंश का शाही निवास था। वर्तमान इमारत का निर्माण 1912 में 41 लाख रुपये की लागत से पूरा हुआ था। इसे ब्रिटिश वास्तुकार हेनरी इरविन ने इंडो-सारासेनिक शैली में डिजाइन किया था। अपने स्थाई निर्माण के बाद भी, मैसूर पैलेस में कई नए इमारतें जोड़े गए। दरअसल, यहां मूल रूप से एक लकड़ी का महल था, जिसका निर्माण चौदहवीं शताब्दी के अंत में वाडियार वंश के पहले राजा यदुराय वाडियार ने किया था। वहीं, पंद्रहवीं शताब्दी के मध्य तक मैसूर विजयनगर राजाओं में अधीन आने के बावजूद इस महल की चकाचौंध में कोई कमी नहीं आई, हालांकि, आग में झुलसने और बिजली गिरने जैसी आपदाओं के कारण, इसका कई बार पुनर्निर्माण हुआ। तालिकोट के युद्ध के बाद जब वाडियार एक बार फिर वापस आये, मैसूर पैलेस में कई छोटे-मोटे इमारतें जुड़नी लगीं थी, ये सिलसिला सन 1760 के दशक तक कायम रहा, जब मैसूर सल्तनत का उदय हुआ, जो श्रीरंगपटनम से अपना राज चलाते थे। इनके सुल्तानों ने मैसूर पैलेस के साथ-साथ कई शाही इमारतों को भी ध्वस्त किया।मगर सन 1799 के आंग्ल-मैसूर युद्ध के बाद जब वडियार शासकों ने अंग्रेजों के अधीन फिर से शासन किया, तब मैसूर एक बार फिर राजधानी बनीं और सन 1800 से लेकर 1803 तक पत्थरों, ईंटों और लकड़ी से एक महल का निर्माण हुआ। हालांकि उन्नीसवीं शताब्दी की शुरूआत में बनाया गया मैसूर पैलेस लगभग एक सदी तक वडियार शासकों का गढ़ तो रहा, लेकिन जल्दबाजी में बनाया गया यह महल ज्यादा दिनों तक नहीं टिक पाया। अगस्त 1897 में चमराजा वाडियार की बड़ी बेटी की शादी के अवसर पर आग लगने से पूरा महल क्षतिग्रस्त हो गया था। आखिरकार उसी वर्ष, कृष्णराजा वाडियार-चतुर्थ की राजमाता कैम्पानंजमणि की देखरेख में मैसूर पैलेस के मौजूद रूप को आकार मिला, जिसको मुमकिन अंग्रेजी वास्तुकार हेनरी इरविन और अभियंता ई डब्ल्यू फ्रिच्ली ने किया इरविन ने दिल्ली, मद्रास और कलकत्ता की यात्राएं भी की, जहां पर उन्होंने भारतीय वास्तुकला के कुछ गुर सीखकर उन्होंने मैसूर पैलेस में ढाला। फिर 41,47,913 रुपये की लागत से मैसूर पैलेस सन 1912 में बनकर तैयार हुआ था।

राजसी शान और इतिहास का अद्भुत संगम

यह पैलेस वास्तुकला का एक अद्भुत नमूना और देश की सबसे शानदार संरचनाओं में से एक है, जिसे नजदीक से देखना एक बेहद सुखद एवं अद्भुत अनुभव है। इसे अंबा विलास के नाम से भी जाना जाता है। वाडियार साम्राज्य ने इस जगह को नयी पहचान दिलाई, जो उनके शाही विलास की एक बेमिसाल छाप है। इसकी भव्य इंडो-सारसेनिक वास्तुकला, सुंदर गुंबद और बारीक नक्काशी देखकर ऐसा लगता है जैसे किसी पुराने शाही युग में आ गए हों, यह पैलेस वाकई इतिहास, कला और शाही संस्कृति का एक अनूठा संगम है, जो अपनी भव्यता से हर किसी के मन में यादगार लम्हे छोड़ जाता है। इसकी भव्यता, इतिहास और परंपराए पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। दशहरा उत्सव और हर रविवार को लगभग 1,00,000 बल्बों से जगमगाने वाला यह महल दूर से ही अपनी अद्भुत सुंदरता बिखेरता है। यह महल हिंदू, मुगल, राजपूत और गोथिक शैलियों का अनूठा मिश्रण है। इसकी सुनहरी छतें, बेल्जियम के कांच के गुंबद, और भव्य दरबार हॉल आज भी शाही शान का अहसास कराते हैं।

शाही संग्रहालय : ऐतिहासिक अवशेषों का एक अद्भुत संग्रह

मैसूर पैलेस के अंदर बना शाही आवासीय संग्रहालय वोडेयार राजवंश की भव्य जीवनशैली और ऐतिहासिक अवशेषों का एक अद्भुत संग्रह है। संग्रहालय में तैनात कर्मी ने संग्रहालय में मौजूद अभिलेखों व संग्रहों से मीडिया प्रतिनिधियों को रूबरू कराया। यहां पुराने पारिवारिक चित्र, बच्चों के खिलौने, शिकार के स्मृति चिन्ह प्रदर्शित हैं। इसके साथ ही महाराजाओं के समय के चांदी के सिंहासन, शाही वस्त्र, पारंपरिक वाद्ययंत्र और रसोई के बर्तन रखे गए हैं। महल की दीवारों पर 1940 के दशहरा जुलूस और शाही परिवार की दुर्लभ ब्लैक-एंड-व्हाइट तस्वीरें सुसज्जित हैं। यहाँ सोने के पत्तरों से सजे नक्काशीदार खंभे, रंगीन कांच की खिड़कियां और पुरानी शैली का फर्नीचर पर्यटकों को आकर्षित करता है। इसके अलावा, यहां पुरानी हथियारों की दीर्घा और शिकार के दौरान मिलने वाली ट्रॉफियों का शानदार संग्रह भी मौजूद है। राजा के शिकार से जुड़े संग्रहों को देखना काफी रोचक और अनुभवा वाला रहा।

आज भी कायम है वाडियार राजवंश का वैभव

वाडियार राजाओं ने 14वीं सदी से सदियों तक मैसूर साम्राज्य पर शासन किया और कला, संस्कृति व आधुनिकता को बढ़ावा दिया। गौरतलब है कि वाडियार राजघराने ने 1399 से मैसूर पर राज करना शुरू किया था। आज भी यह राजपरिवार मैसूर की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं से जुड़ा हुआ है और इस राजवंश का वैभव आज भी कायम है। इसके बावजूद इतिहास में मैसूर पैलेस से जुड़े वाडियार साम्राज्य के योगदान को अक्सर टीपू सुल्तान और हैदर अली के संक्षिप्त काल की तुलना में कमतर आंका जाता है, जबकि उनका शासनकाल छह शताब्दियों से अधिक का रहा है। यह भारत में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले राजघराने में एक है। इस वंश के राजाओं ने मैसूर को एक सुव्यवस्थित और आधुनिक राज्य बनाया। वाडियार राजवंश ने मैसूर के निर्माण, आधुनिकीकरण और लोक कल्याण में गहरा योगदान दिया है, जिसे अक्सर हैदर अली और टीपू सुल्तान के नाटकीय सैन्य संघर्षों के मुकाबले कमतर आंक लिया जाता है।

पैलसे से जुड़ी रोचक व खास बातें

मैसूर पैलेस भ्रमण के दौरान वहां के जानकार रूपेश ने मीडिया प्रतिनिधियों को पैलेस से जुड़े महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पहलूओं के बारे में सरल, स्पष्ट और विस्तार से बताया। उनके गााइड से पैलेस के इतिहास और उनसे जुड़े तथ्यों को जानना रोंचक और ज्ञानवर्धक रहा। बातचीत के क्रम उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से मैसूर पैलेस से जुड़े कोई राजा का नाम बताने को कहा? जवाब आया- टीपू सुल्तान। एक अन्य सहयोगी ने कहा हैदर अली। यह सुनकर वह थोड़ा असहज हुए और मुस्कराते हुए व्यंगाकात्मक लहजे में कहा अक्सर यही दो नाम सुनने को मिलते हैं। इसमें कोई अचरज की बात नहीं। शायद मीडिया प्रतिनिधियों से कुछ इतर सुनने की उम्मीद थी। उनके चेहरे से उनकी पीड़ा का भाव स्पष्ट झलक रहा था। आखिरकार, बगैर किसी का नाम लिए उन्होंने सारी बातें बताई, जो वह बताना चाह रहे थे। व्यथित स्वर में बताया- मैसूर सम्राज्य पर करीब छह दशक से अधिक साल तक शासन करने वाले राजवंश की जगह किसी खास वंश के राजाओं को तरजीह दिया गया और प्रचारित किया गया, जो बेहद दुखद और अफसोसजनक है। ऐसा इसलिए कि लोगों के सामने ऐसा ही इतिहास परोसा गया। हालांकि, इससे इतर पैलेस से संबंधित सही तथ्यों और वास्तविक इतिहास की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का उनका प्रयास निरंतर जारी है।

रोचक और ज्ञानवर्धक मीडिया टूर

अतएव, यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं कि कर्नाटक का मीडिया टूर ऐतिहासिक मैसूर पैलेस की भव्यता, समृद्ध संस्कृति, चामुंडी पहाड़ियों की सुंदरता और स्थानीय खान-पान के अनूठे अनुभवों के साथ बेहद रोचक, ज्ञानवर्धक और यादगार रहा। अगर आप भी कहीं ऐसी जगह घूमना चाहते हैं, जहां आपको भव्यता के साथ-साथ आलीशान बगीचे और शाही अंदाज का लुत्फ उठाने को मिले, तो फिर मैसूर आपके लिए सबसे बेहतर है। शाही अंदाज और भव्यता का अनुभव करने के लिए यह वाकई एक बेहतरीन और शानदार जगह है। खासकर! मैसूर पैलेस जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और वास्तुकला की चमक का एक प्रमाण है।

छात्रों की आवाज लोकतंत्र की ताकत है - तिरंगा आंदोलन की ढाल नहीं

इस दृष्टि से छात्र आंदोलनों का भारतीय लोकतंत्र में अपना विशेष महत्व रहा है। छात्र समाज का वह वर्ग है, जो देश के भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है। शिक्षा, रोजगार, परीक्षा व्यवस्था, फीस, छात्रवृत्ति, विश्वविद्यालयों की व्यवस्था और भविष्य की अनिश्चितता जैसे मुद्दे जब छात्रों को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर करते हैं, तो उनकी आवाज को सुना जाना लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। छात्रों की आवाज को राजनीतिक समर्थन मिलना अपने आप में लोकतंत्र की कमजोरी नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है। राजनीतिक दल जनसमस्याओं को उठाते हैं, आंदोलनों के साथ खड़े होते हैं और सरकार पर दबाव बनाते हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब वास्तविक छात्र मुद्दे पीछे छूट जाते हैं और आंदोलन किसी राजनीतिक दल के शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बन जाता है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

लोकतंत्र केवल चुनाव, सरकार और विपक्ष का नाम नहीं है। लोकतंत्र की असली ताकत उस आवाज में होती है, जो सत्ता के सामने अपनी बात कहने का साहस रखती है। इस दृष्टि से छात्र आंदोलनों का भारतीय लोकतंत्र में अपना विशेष महत्व रहा है। छात्र समाज का वह वर्ग है, जो देश के भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है। शिक्षा, रोजगार, परीक्षा व्यवस्था, फीस, छात्रवृत्ति, विश्वविद्यालयों की व्यवस्था और भविष्य की अनिश्चितता जैसे मुद्दे जब छात्रों को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर करते हैं, तो उनकी आवाज को सुना जाना लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। छात्रों की आवाज को राजनीतिक समर्थन मिलना अपने आप में लोकतंत्र की कमजोरी नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है। राजनीतिक दल जनसमस्याओं को उठाते हैं, आंदोलनों के साथ खड़े होते हैं और सरकार पर दबाव बनाते हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब वास्तविक छात्र मुद्दे पीछे छूट जाते हैं और आंदोलन किसी राजनीतिक दल के शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बन जाता है। यहीं से प्रशन उठता है कि छात्र आंदोलन को समर्थन देना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन क्या छात्रों की आवाज का राजनीतिक अपहरण भी लोकतांत्रिक अधिकार माना जा सकता है? भारत के इतिहास में छात्र आंदोलनों की लंबी परंपरा रही है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षणिक आंदोलनों तक विद्यार्थियों ने अपनी भूमिका निभाई है। कई बड़े जनआंदोलनों में छात्रों ने अग्रिम पंक्ति में रहकर व्यवस्था को चुनौती दी और सामाजिक बदलाव की दिशा तैयार की। इसलिए आज यदि छात्र अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन करते हैं, तो उसे केवल राजनीतिक चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। उनकी समस्याओं की वास्तविकता को समझना आवश्यक है। लेकिन दूसरी तरफ राजनीतिक दलों की भूमिका को भी पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल जनभावनाओं को राजनीतिक विमर्श में बदलते हैं। वे आंदोलनकारियों की आवाज संसद और विधानसभा तक पहुंचा सकते हैं। वे सरकार को जवाबदेह बनाने में भूमिका निभा सकते हैं। खतरा तब पैदा होता है जब छात्र आंदोलन का नेतृत्व, एजेंडा और दृश्य पूरी तरह राजनीतिक दलों के हाथ में चला जाए। तब आंदोलन छात्र समस्या से अधिक पार्टी कार्यक्रम दिखाई देने लगता है। आंदोलन की आत्मा छात्र हो और राजनीतिक दल उसका समर्थन करें, यह लोकतंत्र है। लेकिन आंदोलन की आत्मा राजनीतिक दल बन जाए और छात्र केवल चेहरा रह जाएं तो यह लोकतंत्र की गंभीर कमजोरी है। हाल के दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में छात्र और युवा आंदोलनों ने राजनीतिक बहस को प्रभावित किया है। दिल्ली हो, रांची हो या पटना। जहां भी युवा या छात्र अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरते हैं, वहां राजनीतिक दलों की सक्रियता स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। राजनीतिक दलों के लिए युवा वर्ग स्वाभाविक रूप से महत्वपूर्ण है। युवा मतदाता भविष्य की राजनीति की दिशा तय करता है। इसलिए युवाओं के बीच अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने की कोशिश हर राजनीतिक दल करता है। लेकिन यहां लोकतंत्र के सामने एक महत्वपूर्ण चुनौती है। क्या राजनीतिक समर्थन छात्र आंदोलन की ताकत बढ़ा रहा है या धीरे-धीरे आंदोलन की स्वतंत्र पहचान को खत्म कर रहा है? यह प्रशन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज आंदोलन केवल सड़क पर नहीं होता है। कैमरा, मोबाइल फोन और सोशल मीडिया आंदोलन की तस्वीर को कुछ ही मिनटों में पूरे देश तक पहुंचा देते हैं। आंदोलन में कौन-सा झंडा है, कौन-सा नारा है, कौन आगे चल रहा है और पुलिस की कार्रवाई कैसी है, ये सभी दृश्य राजनीतिक संदेश में बदल जाते हैं। ऐसे में प्रतीकों की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

विकास के नाम पर उजड़ती गांवों की हरियाली

प्रवीण कुमार

राजस्थान का उदयपुर केवल ऐतिहासिक रूप से राजा-महाराजाओं के किला के रूप में ही नहीं बल्कि झीलों, पहाड़ों और हरियाली के लिए भी जाना जाता है। लेकिन शहर के उत्तरी हिस्से में बसे सुखेर गांव की कहानी इस खूबसूरत पहचान के सामने एक गंभीर सवाल खड़ा करती है। अरावली की पहाड़ियों की गोद में बसा यह इलाका कभी शांत वातावरण, खेतों, पेड़-पौधों और मौसमी जलधाराओं से घिरा हुआ था। लेकिन तेजी से फैलते शहरीकरण के कारण सुखेर की तस्वीर बदलने लगी है। पर्यटन के विस्तार के साथ शहर में महंगी होती जमीन के कारण लोगों ने शहर से बाहर की जमीनों की ओर रुख किया। धीरे-धीरे खेतों की जगह मकानों ने ले ली और प्राकृतिक निर्माण की जगह कंक्रीट की इमारतें खड़ी होने लगीं। जिस जमीन पर कभी फसल उगती थी, वहां अब कॉलोनियां दिखाई देने लगी हैं। यह बदलाव केवल जमीन के इस्तेमाल में परिवर्तन नहीं है, बल्कि उस पूरे पारिस्थितिक तंत्र में बदलाव है जिस पर गांव का जीवन टिका था। सुखेर में बढ़ते निर्माण के साथ पानी पर दबाव भी बढ़ा है। आबादी बढ़ने पर घरेलू जरूरतें बढ़ती है और व्यावसायिक गतिविधियां भी अतिरिक्त पानी मांगती हैं। ऐसे में भूजल पर निर्भरता बढ़ती है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के 2023 के आकलन में उदयपुर शहरी क्षेत्र में भूजल दोहन का स्तर उपलब्ध वार्षिक निकासी योग्य संसाधन के लगभग 99.86 प्रतिशत तक दर्ज किया गया था। यानी शहरी क्षेत्र में भूजल पर दबाव कितना गंभीर है, इसका अंदाजा इस आंकड़े से लगाया जा सकता है। राजस्थान की व्यापक तस्वीर भी बहुत आश्वस्त करने वाली नहीं है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के मई 2025 के आकलन में अगस्त 2024 से मई 2025 के बीच विश्लेषित 972 निगरानी केंद्रों में 76 प्रतिशत पर जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई। सुखेर के आसपास औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार इस चिंता को और गंभीर बनाता है। विकास और रोजगार के नाम पर जब उद्योग आते हैं तो उम्मीद होती है कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। लेकिन यदि उद्योग स्थानीय आबादी को पर्याप्त रोजगार देने के बजाय हवा, पानी और जमीन पर दबाव बढ़ाए, तो विकास का लाभ और उसकी कीमत दोनों असमान हो जाते हैं। सुखेर औद्योगिक क्षेत्र में ई-कचरा प्रबंधन से जुड़ी अधिकृत इकाइयों का भी सरकारी रिकॉर्ड मौजूद है, जो बताता है कि इस क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां कितनी विविध हो चुकी हैं। इसकी वजह से पिछले कुछ वर्षों में उदयपुर की वायु गुणवत्ता में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिलता रहता है। सिर्फ हवा ही नहीं, कचरा भी तेजी से बढ़ते शहरीकरण की बड़ी चुनौती है। 2025 के राजस्थान सरकार के अनुपालन संबंधी आंकड़ों में उदयपुर नगर निकाय क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग 279.12 टन ठोस कचरा पैदा होने का अनुमान दर्ज है। उसके मुकाबले उपलब्ध प्रसंस्करण व्यवस्था की क्षमता सीमित है। शहर का कचरा जब आसपास के ग्रामीण इलाकों तक पहुंचता है तो उसका असर केवल सौंदर्य पर नहीं पड़ता। खुले में फेंका गया कचरा मिट्टी और जल स्रोतों को प्रभावित कर सकता है तथा प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट के कारण स्थानीय पर्यावरण पर लंबे समय तक असर पड़ सकता है। सुखेर जैसे गांवों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात:किरण
पटना, बुधवार, 26 अगस्त, 2026

एलएनजेपीआईटी छपरा में विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन

डीएम वैभव श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान पर दिया जोर

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के सबका सम्मान, जीवन आसानह्व अभियान के अंतर्गत लोकनायक जयप्रकाश इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी छपरा में मंगलवार को विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं संस्थागत समस्याओं, शिकायतों और सुझावों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना था.

समस्या का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान प्रशासन और संस्थान की प्राथमिकता है. उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं उचित माध्यम से दर्ज कराने तथा उपलब्ध सुविधाओं का सकारात्मक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया.

जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान

एसएसपी रौशन कुमार ने भी विद्यार्थियों से संवाद करते हुए अनुशासन, सुरक्षा एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाने पर जोर दिया. प्राचार्य डॉ. बिमल कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है. उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविर विद्यार्थियों और प्रशासन के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.

छात्रों ने अधिकारियों से किया सीधा संवाद

कार्यक्रम में छपरा के एसडीएम नीतेश कुमार, जीपीआरओ छपरा सहित अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित थे. इस अवसर पर लगभग 400 छात्र-छात्राओं के साथ संस्थान के सभी संकाय सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे. विद्यार्थियों ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों से सीधे संवाद किया तथा अपनी-अपनी समस्याओं, शिकायतों एवं सुझावों को उनके समक्ष रखा. विद्यार्थियों द्वारा समस्याओं को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भी दर्ज कराया गया, ताकि प्रत्येक शिकायत का उचित संज्ञान लेकर उसका समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके.

मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित करने का भरोसा

विद्यार्थी सहयोग शिविर के माध्यम से शैक्षणिक व्यवस्था, परीक्षा, छात्रावास, पेयजल, शौचालय, कैंटीन सहित अन्य विद्यार्थी संबंधी समस्याओं पर सुनवाई की गई. शिविर में विद्यार्थियों को शिकायत एवं सुझाव दर्ज कराने के लिए उपलब्ध विभिन्न माध्यमों की जानकारी भी दी गई. अंत में संस्थान प्रशासन ने सभी प्रशासनिक पदाधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया. विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी, पदाधिकारियों के साथ प्रत्यक्ष संवाद तथा ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से शिकायतों के पंजीकरण के कारण शिविर सफल एवं प्रभावी रहा।

खराब स्ट्रीट लाइट की होगी मरम्मति, शिकायत पर 72 घंटे के अंदर होगी कार्रवाई : महापौर

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा ।नगर निगम क्षेत्र में नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खराब स्ट्रीट लाइट की समस्याओं के त्वरित समाधान की व्यवस्था को और प्रभावी बनाया गया है। महापौर लक्ष्मीनारायण गुप्ता ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में कहीं भी स्ट्रीट लाइट खराब होने की स्थिति में नागरिक अपनी शिकायत मेयर कंट्रोल रूम पर दर्ज करा सकते हैं। शिकायत प्राप्त होने के बाद संबंधित टीम को सूचित कर 72 घंटे के अंदर स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। महापौर ने कहा कि शहर की सड़कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर पर्याप्त रोशनी उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है। खराब स्ट्रीट लाइट के कारण नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा या सुरक्षा संबंधी परेशानी न हो, इसके लिए शिकायतों के त्वरित निष्पादन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि अपने आसपास खराब स्ट्रीट लाइट की जानकारी नगर निगम तक जरूर पहुँचाएं, ताकि समयबद्ध तरीके से उसका समाधान कराया जा सके।

रक्तदान शिविर में उमड़ा उत्साह, लोगों ने रक्तदान कर दिया मानवता की सेवा का संदेश

छपरा कार्यालय। राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की 19वीं पुण्यस्मृति के अवसर पर मंगलवार को सारण जिला मुख्यालय स्थित गुदरी राय के चौक के समीप प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित रक्तदान अभियान के तहत रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। आयोजन के दौरान लोगों को रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की गई। शिविर में सदर अस्पताल परिसर स्थित रक्त अधिकोष की नोडल अधिकारी सह महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. किरण ओझा ने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। दुर्घटना में घायल लोगों, गंभीर रूप से बीमार मरीजों, प्रसूता माताओं तथा ऑपरेशन कराने वाले मरीजों को कई बार तत्काल रक्त की आवश्यकता होती है। ऐसे समय में रक्त की उपलब्धता किसी मरीज की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने स्वस्थ लोगों से नियमित अंतराल पर रक्तदान करने के लिए आगे आने की अपील की है। वहीं ब्रह्मकुमारी अनामिका दीदी ने कहा कि दादी प्रकाशमणि जी की पुण्यस्मृति में आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना और इसे जनसेवा से जोड़ना है।

संक्षिप्त खबरें

वाहनो की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत

भेल्दी । स्थानीय क्षेत्र के सोनहो टॉल प्लाजा के पास ट्रक और टोटो की हुई भीषण टक्कर में घायल एक और व्यक्ति की मौत आज इलाज के दौरान पटना में हो गया ,मृतक की पहचान सोनहो गांव निवासी स्व शिवनारायण पंडित के 40 वर्षीय पुत्र बलिराम पंडित के रुप में हुई। पति के मौत की खबर जैसे ही परिजन को मिला पत्नी रीता देवी दहार मार विलाप करने लगी ,शव को देख पुत्र राहुल और चुनमुन का रो-रो के बुरा हाल है ,बहन सपना देवी और खुशी कुमारी भाई के शव को देख बार बार बेहोश हो रहीं थी ,परिवार के रुदन क्रंदन देख ग्रामीणों के भी आंखे नम हो गई।

डकैती के कांड में 10 वर्षो से फरार वांछित अभियुक्त विनोद नट को किया गया गिरफ्तार

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक निर्देश पर सारण जिलान्तर्गत अपराध के मुख्य शीर्षो में वांछित तथा फिरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर गौरा थाना पुलिस टीम के द्वारा छापामारी कर गौरा थाना कांड संख्या-445/16 डकैती कांड के 1 अभियुक्त विनोद नट को गिरफ्तार किया गया।उक्त अभियुक्त को इसुआपुर थाना क्षेत्र। के सहवा भगवानपुर निवासी इमरती नट का पुत्र बताया जाता है।

एनीमिया मुक्त बिहार अभियान: सैकड़ों लाभार्थियों की जांच

छपरा।एनीमिया मुक्त बिहार अभियान के तहत, मंगलवार को मांझी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक जांच शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में सैकड़ों लाभार्थियों की एनीमिया जांच की गई। स्वास्थ्य प्रबन्धक राम मूर्ति की उपस्थिति में यह जांच कार्य संपन्न किया गया।मांझी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रोहित कुमार ने बताया कि यह अभियान 75 दिवसीय कार्यक्रम का हिस्सा है, जो 25 अगस्त से शुरू होकर 30 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान लोगों की एनीमिया की जांच की जाएगी और उन्हें आवश्यक परामर्श तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को एनीमिया की समय पर पहचान और उपचार उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य विभाग विशेष रूप से एनीमिया से प्रभावित लाभार्थियों को आवश्यक सलाह और उपचार प्रदान करेगा। इस पहल का लक्ष्य लोगों को एनीमिया से बचाव के साथ-साथ इसकी समय पर पहचान और उपचार सुनिश्चित करना है।

संठा में महावीरी पूजा धूमधाम से सम्पन्न एक हजार से अधिक ध्वज चढ़ाए

डोरीगंज। संठा गांव में महावीरी पूजा पारंपरिक श्रद्धा एवं उल्लास के साथ सम्पन्न हुई। पूजा के अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने एक हजार से अधिक ध्वज चढ़ाकर अपनी आस्था प्रकट की। पूजा को लेकर आसपास के क्षेत्रों में भी उत्साह का माहौल रहा। मान्यता है कि मनोकामना पूरी होने के बाद श्रद्धालु महावीर जी के मंदिर में ध्वज चढ़ाते हैं। ग्रामीण मदन राय, मुन्द्रिका सिंह, बिनोद राय एवं गेना सिंह ने बताया कि इस धार्मिक परंपरा का इतिहास करीब चार सौ वर्षों पुराना है। ग्रामीणों के अनुसार, कई शताब्दी पूर्व बाढ़ के पानी में गांव के एक व्यक्ति को महावीर जी की प्रतिमा मिली थी। वह प्रतिमा को अपने घर ले आया। उसी रात स्वप्न में महावीर जी ने उसे मंदिर का निर्माण कर प्रतिमा स्थापित करने का निर्देश दिया। इसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से मंदिर का निर्माण कराया गया और प्रतिमा स्थापित की गई। समय के साथ मंदिर के प्रति लोगों की आस्था बढ़ती गई और इसकी ख्याति दूर-दूर तक फैल गई। महावीरी पूजा के अवसर पर आसपास की करीब दस पंचायतों से लोग अपने घर लौटकर पूजा-अर्चना में शामिल होते हैं। श्रद्धालु पूरे विधि-विधान से पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।पूजा के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। ध्वजों से सजा मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की गहरी आस्था और सदियों पुरानी परंपरा का जीवंत प्रतीक बना रहा।

विष्णु धाम मंदिर परिसर में कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

इसुआपुर । प्रखंड मुख्यालय स्थित विष्णुपुरा-डटरा, इसुआपुर में नव निमार्णाधीन श्री विष्णुधाम मंदिर परिसर में सोमवार की शाम मदन सिंह की अध्यक्षता में कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक हुई। इसमें आगामी सात दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम की रूपरेखा और आयोजन की तैयारियों को लेकर सदस्यों ने विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में बताया गया कि धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन चार सितंबर से 10 सितंबर तक किया जाएगा। इस दौरान राधा-कृष्ण की मिट्टी की प्रतिमा तैयार कर विधिवत पूजा-अर्चना की जाएगी। चार सितंबर को प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद शाम में कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन होगा। कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन सुबह सात बजे और शाम 6:30 बजे आरती की जाएगी।

चलो बात करें, योजना बनाएँ , भविष्य गढ़े- ब्रजकिशोर कैम्पस में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। ब्रजकिशोर कैम्पस में ब्लेक काइट एजुकेशन फाउंडेशन के मार्गदर्शन में एक करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अपराजिता कुमार (एन. ए. एल. एस. ए. आर. हैदराबाद) ,विवेक श्रीवास्तव (ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी) और सिद्धांत रायजादा (आई.आई.टी. दिल्ली, एम.बी. ए. टेम्पल यूनिवर्सिटी, यू. एस, ए.)उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडेशन की अध्यक्ष अपराजिता कुमार ने की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को 10वीं और 12 वीं के बाद सही करियर विकल्प चुनने में मार्गदर्शन देना था। इस दौरान करियर से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। छात्रों ने अपने मन में चल रहे करियर संबंधी सवालों को विशेषज्ञो के सामने रखा, जिसका समाधान मौके पर ही किया गया। फाउंडेशन के सदस्यों ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में सिर्फ पढ़ाई काफी नहीं है। सही दिशा में करियर काउंसलिंग और सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट सबसे जरूरी है। अभिभावको ने भी इस पहल की सराहना की और इसे छात्रों के भविष्य के लिए बेहद उपयोगी बताया।भविष्य में भी हम इसी प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करते रहेंगे।

सारण में डिजिटल स्वास्थ्य की बड़ी पहल 24 .5 लाख लोगों की बनी ABHA आईडी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण जिले में डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन के तहत जिले में अभी तक लगभग 24.5 लाख लोगों की आभा (अइलअ) आईडी बनाई जा चुकी है। जिले की अनुमानित 47.90 लाख आबादी में से लगभग 51 प्रतिशत लोग अब डिजिटल हेल्थ आईडी से जुड़ चुके हैं। यह उपलब्धि जिले में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस संबंध में आयुष्मान भारत के प्रभारी जिला कार्यक्रम समन्वयक (डीपीसी) अभिनय कुमार का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा अइलअ आईडी निर्माण अभियान को गति देने के लिए लगातार जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के अलावा आशा कार्यकताओं, एएनएम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (उलद), आंगनबाड़ी कार्यकताओं और अन्य फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यम से भी लोगों को अइलअ आईडी के महत्व की जानकारी दी जा रही है।इसके साथ ही स्वास्थ्य संस्थानों में भी लोगों को आईडी बनवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड को मिलेगा सुरक्षित आधार-आयुष्मान भारत के प्रभारी जिला कार्यक्रम समन्वयक (डीपीसी) अभिनय कुमार ने बताया कि अइलअ यानी आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट प्रत्येक नागरिक के लिए 14 अंकों की विशिष्ट डिजिटल हेल्थ आईडी है। इसके माध्यम से व्यक्ति अपने स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में व्यवस्थित और सुरक्षित रख सकता है। भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेते समय आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी आसानी से उपलब्ध कराने में भी यह व्यवस्था उपयोगी साबित होगी। अइलअ आधारित व्यवस्था से मरीजों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर व्यवस्थित रखने में मदद मिलेगी। इससे उपचार के दौरान चिकित्सकों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने और मरीजों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में मदद मिलेगी। घर-घर तक पहुंच रहा डिजिटल स्वास्थ्य अभियान- डीपीसी अभिनय कुमार ने बताया कि सारण में डिजिटल स्वास्थ्य अभियान को जन- जन तक पहुंचाने के लिए विभागीय स्तर पर लगातार समीक्षा और अनुश्रवण की जा रही है। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोगों को अइलअ आईडी के लाभ समझाए जा रहे हैं। करीब 24.5 लाख लोगों का अइलअ से जुड़ना इस अभियान की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य जिले के अधिक से अधिक नागरिकों को डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था से जोड़ना है। विभाग ने नागरिकों से अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर अइलअ आईडी बनवाने की अपील की है। आने वाले समय में शेष आबादी को भी इससे जोड़कर जिले में डिजिटल स्वास्थ्य कवरेज को 100 प्रतिशत तक पहुंचाने की दिशा में प्रयास जारी रहेगा।

शामपुर शिवमन्दिर के प्रांगण में अखण्ड अष्टयाम का हुआ शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर । प्रखंड के शामपुर गांव में नवयुवक पूजा समिति शामपुर के बैनर तले मंगलवार को अखंड अष्टयाम का शुभारंभ हुआ। पूर्व में 251 कन्याओं, महिलाओं तथा पुरुष श्रद्धालु हाथों में कलश लेकर शिव मंदिर से होते हुए शामपुर शिवदियरी ब्रह्म स्थान शिव मंदिर स्थित तालाब से जलभरी कर डीजे, गाजे बाजे के साथ जुलूस के रूप में लगभग 4 किलोमीटर पैदल चल कर गांव का परिभ्रमण करते हुए यज्ञ स्थल पहुंचे। वहां पंडित नागेंद्र चतुवेर्दी ब्रह्म सेवक चतुवेर्दी एवं अन्य विद्वान पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पवित्र जल से यज्ञ की शुरूआत हुई। यजमान के रूप में उपेंद्र भगत तथा उनकी धर्मपत्नी इंदु देवी ने यज्ञ का संकल्प लिया। जलभरी जुलूस का नेतृत्व जिला पार्षद छविनाथ सिंह, पूर्व मुखिया राज किशोर सिंह, रेणु तिवारी, अनील तिवारी,मनोज तिवारी,जयप्रकाश महतो, देवेंद्र सिंह ,संदीप साह , जन्मेजय तिवारी, मनजीत भगत, महेश शर्मा, धर्मवीर शर्मा, अरुण भगत, सोनू भगत, हरिश्चंद्र प्रसाद,राजीव कुशवाहा, पप्पू कुमार सिंह आदि ने किया।

ईद-मिलाद-उन-नबी पर छपरा में बदलेगा ट्रैफिक रूट, सुबह 4 बजे से लागू होगी विशेष व्यवस्था

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा ईद-मिलाद-उन-नबी के अवसर पर 26 अगस्त को छपरा शहर में निकलने वाले जुलूस और श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को लेकर व्यापक तैयारी की है। जुलूस के दौरान शहर में यातायात सुचारू बनाए रखने और विधि-व्यवस्था कायम रखने के उद्देश्य से कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों के परिचालन में प्रतिबंध एवं रूट डायवर्जन लागू किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जुलूस 26 अगस्त की सुबह 6 बजे जामा मस्जिद, साहेबगंज से प्रारंभ होगा। जुलूस साहेबगंज थाना चौक, दारोगा राय चौक, मेवालाल चौक, नगरपालिका चौक, थाना चौक, भगवान बाजार, बबहुरिया कोठी, अस्पताल चौक एवं पीर बाबा दरगाह चौक सहित निर्धारित मार्ग से आगे बढ़ेगा। जिला प्रशासन के निर्देश के अनुसार भिखारी ठाकुर चौक से गांधी चौक की ओर आने वाले तीन एवं चार पहिया वाहन गांधी चौक तक ही जाएंगे। मोना चौक से सब्जी मंडी होते हुए साहेबगंज चौक, नगरपालिका चौक से थाना चौक तथा भगवान बाजार चौक से दारोगा राय चौक-थाना चौक की ओर तीन एवं चार पहिया वाहनों के परिचालन पर रोक रहेगी। छपरा क्लब एवं बजरंगी पेट्रोल पंप की ओर से भारी, तीन एवं चार पहिया वाहन दारोगा राय चौक की ओर नहीं जा सकेंगे। वहीं श्यामचक से भारी वाहनों को भगवान बाजार की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी। छपरा आने वाले भारी वाहनों को उमा हाईपास के रास्ते अपने गंतव्य की ओर भेजा जाएगा। इसी तरह दारोगा राय चौक से छपरा क्लब, शिवा गैस एजेंसी, सरकारी बस स्टैंड एवं मालखाना चौक की ओर भी तीन एवं चार पहिया वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा। एजीओ आवास के उत्तरी छोर तक ही तीन एवं चार पहिया वाहन आ सकेंगे और डाक बंगला रोड में प्रवेश नहीं करेंगे। बबहुरिया कोठी से अस्पताल चौक एवं पीर बाबा मजार की ओर तथा लल्लू मोड़-शिव बाजार से भरत मिलाप चौक एवं पीर बाबा मजार की ओर भी तीन एवं चार पहिया वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल तैनात यातायात व्यवस्था एवं विधि-व्यवस्था को लेकर शहर के महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस पदाधिकारी एवं जवानों की तैनाती की गई है। श्यामचक, भगवान बाजार चौक, दारोगा राय चौक, कोनिया माई मंदिर, हीरा मोटरसाइकिल एजेंसी, शिवा गैस एजेंसी, एजीओ आवास, नगरपालिका चौक, गांधी चौक, मेवालाल चौक, कचहरी बाजार, मोना चौक सड़क, बबहुरिया कोठी एवं लल्लू मोड़ सहित अन्य संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल तैनात रहेगा। प्रत्येक निर्धारित स्थल पर एक पुलिस पदाधिकारी एवं दो पुलिस जवान यातायात थाना, छपरा से प्रतिनियुक्त किए गए हैं। उन्हें अपने-अपने स्थल पर समय से उपस्थित रहकर यातायात संचालन, भीड़ नियंत्रण तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सुरक्षात्मक एवं निरोधात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। सुबह 4 बजे से लागू रहेगी व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा जारी यातायात व्यवस्था 26 अगस्त को सुबह 4 बजे से जुलूस समाप्त होने और अंतिम भीड़ के निकलने तक प्रभावी रहेगी। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि निर्धारित अवधि में यातायात निदेर्शों एवं वैकल्पिक मार्गों का पालन करें और पुलिस-प्रशासन को सहयोग प्रदान करें, ताकि ईद-मिलाद-उन-नबी का आयोजन शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुचारू रूप से संपन्न हो सके।ईद-मिलाद-उन-नबी जुलूस को लेकर छपरा में ट्रैफिक प्लान तैयार, 10 रूटों पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित सुबह 6 बजे जामा मस्जिद साहेबगंज से निकलेगा जुलूस, शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस की रहेगी कड़ी निगरानी ।

एसएसपी ने रात्रि में तरैया थाना का किया औचक निरीक्षण एवं संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा रात्रि में तरैया थाना का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, मढ़ौरा-2 एवं अंचल पुलिस निरीक्षक, मशरख उपस्थित रहे। साथ ही वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना की कार्यप्रणाली, विधि-व्यवस्था संधारण, लंबित कांडों की प्रगति, अभिलेखों के संधारण, मालखाना, हाजत, शस्त्रागार, सीसीटीवी व्यवस्था, आगंतुक पंजी, थाना परिसर की स्वच्छता एवं अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में वरीय पुलिस अधीक्षक ने थाना में पदस्थापित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन, फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी, नियमित वाहन जांच, अपराध नियंत्रण, रात्रि गश्ती को प्रभावी बनाने, संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखने तथा आमजन की शिकायतों का निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों को जनता के साथ शालीन एवं संवेदनशील व्यवहार करने, थाना परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने तथा प्रत्येक पुलिस कार्रवाई में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखने पर विशेष बल दिया। साथ ही थाना परिसर की स्वच्छता, अनुशासन, अभिलेखों के अद्यतन संधारण एवं सरकारी संपत्तियों के उचित रख-रखाव पर विशेष बल देते हुए सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ करने का निर्देश दिया।

चोरी के कांड में 17 वर्षो से फरार वांछित अभियुक्त संजय राय को किया गया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण पुलिस को उस समय जबरदस्त कामयाबी मिली जब मुफस्सिल थाना पुलिस ने 17 वर्षों से फरार चोरी कांड के अभियुक्त को धर दबोचा।बताते चले कि सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक निर्देश पर सारण जिलान्तर्गत अपराध के मुख्य शीर्षों में वांछित / फिरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर मुफ्फसिल थाना पुलिस टीम के द्वारा छापामारी कर मुफ्फसिल थाना कांड संख्या-161/09 के चोरी कांड के 1 अभियुक्त मढ़ौरा थाना क्षेत्र के आटा गांव निवासी राजेंद्र राय उर्फ शिवपूजन राय के पुत्र संजय राय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

स्नातक में दाखिले का आखिरी मौका 27 अगस्त को स्पॉट एडमिशन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जय प्रकाश विश्वविद्यालय से जुड़े महाविद्यालयों में स्नातक सत्र 2026-30 में नामांकन की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए बड़ी खबर है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने 27 अगस्त को स्पॉट एडमिशन कराने का निर्णय लिया है। इसके तहत सभी अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों में रिक्त सीटों पर नियमानुसार नामांकन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। विश्वविद्यालय की ओर से जारी निर्देश के अनुसार संबंधित महाविद्यालयों द्वारा स्पॉट एडमिशन के लिए मेधा सूची तैयार कर नोटिस बोर्ड पर चस्पा की जाएगी। विद्यार्थियों को इसी सूची के आधार पर नामांकन का अवसर मिलेगा। अंगीभूत महाविद्यालयों में विश्वविद्यालय प्रतिनिधि की मौजूदगी में नामांकन प्रक्रिया संचालित की जाएगी। से तैयार होगी नामांकन सूची स्पॉट एडमिशन की नामांकन सूची के माध्यम से तैयार की जाएगी। चयनित विद्यार्थियों को नामांकन शुल्क के माध्यम से जमा करना होगा। शुल्क जमा करने के बाद प्राप्त रसीद को नामांकन के समय संबंधित महाविद्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय ने महाविद्यालयों को निर्देश दिया है कि नामांकन प्रक्रिया से संबंधित कर्मचारी अपने लैपटॉप के साथ महाविद्यालय में उपस्थित रहें, ताकि विद्यार्थियों के नामांकन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि 27 अगस्त 2026 को संबंधित महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर मेधा सूची एवं नामांकन संबंधी निर्देश की जानकारी लेकर समय पर स्पॉट एडमिशन प्रक्रिया पूरी करें। की नामांकन सूची से संबंधित समस्या के लिए को-ऑर्डिनेटर के मोबाइल नंबर 6386243674 और तकनीकी सहायता के लिए 8298564926 पर संपर्क किया जा सकता है।

विगत 24 घंटे में 27 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार, अवैध शराब भी किये गये जब्त

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन,बिक्री, भंडारण, निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्टी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए 24 अगस्त को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-27 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें शराब कारोबारी में 10,शराब सेवन में 5, चोरी में 3, हत्या के प्रयास में 3, वारंट में 4, अपहरण में 1 और डकैती कांड में 1 अभियुक्त शामिल है। साथ ही अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल 18 वाहनों से 34,000 रु रूपए जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत कुल शराब-260.8 लीटर , चॉदी का पायल 30 जोडी, चॉदी विछ्या-20 जोडी, सोने का अंगूठी 20 पीस एवं अपहृता-01 बरामद किए गए।

स्नातकोत्तर की रिक्त सीटों पर 26 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन का मौका

छपरा।जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा ने स्नातकोत्तर सत्र 2026-28 में नामांकन को लेकर महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण विभाग की ओर से जारी पत्र के अनुसार स्नातकोत्तर विभागों एवं संबंधित महाविद्यालयों में रिक्त सीटों पर नामांकन के लिए 24 अगस्त से 26 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन करने का अवसर दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि इच्छुक नए अभ्यर्थी निर्धारित अवधि में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। नए आवेदकों को अपने स्नातक स्तर की शैक्षणिक पृष्ठभूमि के अनुरूप ही विषय का चयन करना होगा। अभ्यर्थी अपने विषयों के आधार पर स्नातकोत्तर विषय का चयन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय की ओर से महाविद्यालयवार एवं विषयवार रिक्त सीटों की सूची आधिकारिक वेबसाइट स्र५ृ.ल्ल पर उपलब्ध कराई गई है। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद रिक्त सीटों और निर्धारित पात्रता के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर सत्र 2026-28 की द्वितीय मेधा सूची जारी की जाएगी। पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि प्रथम मेधा सूची में चयनित ऐसे छात्र-छात्राएं, जो किसी कारणवश नामांकन नहीं ले सके हैं, वे अपने पूर्व वरी१-क्रऊसे लॉगिन कर पुनः अपने चयनित विभाग/महाविद्यालय एवं विषय के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा प्रथम मेधा सूची में आवंटित वैसे छात्र-छात्राएं, जिन्होंने आवेदन में किसी त्रुटि के कारण 21 अगस्त 2026 तक नामांकन नहीं लिया, उन्हें आवेदन में त्रुटि सुधार का अवसर भी दिया गया है। विश्वविद्यालय ने इसके लिए 24 अगस्त से 26 अगस्त 2026 तक की अवधि निर्धारित की है। त्रुटि सुधार के लिए लिंक विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है, ताकि द्वितीय मेधा सूची के आधार पर नामांकन की प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके।

श्री चित्रांश समिति की बैठक सम्पन्न

छपरा कार्यालय।श्री चित्रांश समिति छपरा के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ पंकज कुमार की अध्यक्षता में समिति की आम सभा की बैठक ब्रज किशोर किंडर गार्टन पर हुई, जिसमें व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए उप-समितियों का गठन किया गया। श्री चित्रांश संपर्क उप-समिति के समन्वयक दीपक श्रीवास्तव तथा उप-समन्वयक हर्षवर्धन श्रीवास्तव, विवाह उप-समिति के समन्वयक, इस समिति के महासचिव रविशंकर श्रीवास्तव, उप-समन्वयक सुबोध कुमार सिन्हा (महेश्वर टेंट हाउस) तथा अविनाश कुमार को बनाया गया। वित्त व्यवस्था उप-समिति के समन्वयक रविशंकर दत्ता तथा उप-समन्वयक श्री प्रकाश मणि को बनाया गया। पूजा उप-समिति के समन्वयक रितेश चांद एवं उप-समन्वयक देव दत्त जी को बनाया गया। प्रीतिभोज उप-समिति के समन्वयक अविनाश एवं उप-समन्वयक मनोज श्रीवास्तव को, मीडिया एवं प्रकाशन उप-समिति के समन्वयक सुरभित दत्त एवं उप-समन्वयक धनंजय कुमार तथा अविनाश जी होंगे। शिक्षा उप-समिति के समन्वयक डॉ मृदुल कुमार शरण होंगे तथा उप-समन्वयक संजय कुमार बनाए गए। संगीत, सांस्कृतिक एवं उपहार उप-समिति के समन्वयक रमेश श्रीवास्तव बनाए गए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परीक्षण उप-समिति के समन्वयक डॉ डी. के. सिन्हा एवं उप-समन्वयक श्री डॉक्टर राकेश कुमार वर्मा बनाए गए। दर्शक दीर्घा व्यवस्था के उप-समिति के समन्वयक सुबोध कुमार सिन्हा, उप-समन्वयक श्री प्रकाश मणि एवं शशि रंजन जी बनाए गए। श्री चित्रांश बेरोजगार सहयोग उप-समिति के समन्वयक मदन मोहन सिन्हा, उप-समन्वयक शिरिश दत्ता एवं राकेश कुमार होंगे। इसके अतिरिक्त कुछ और नाम भी जोड़ा जाएगा एवं अन्य उप-समितियों को भी बनाया जाएगा। अंत में इस सभा को सफल बनाने एवं अच्छी व्यवस्था के लिए अध्यक्ष को धन्यवाद देते हुए सभा की कार्यवाही समाप्त की गई।

कल वीकेएसयू के परीक्षा भवन में होगा 'खेलो इंडिया संवाद', प्रधानमंत्री युवाओं से करेंगे सीधा संवाद

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में भोजपुर जिले में 27 अगस्त को वृहद स्तर पर खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पहले कार्यक्रम का आयोजन जगजीवन कॉलेज में निर्धारित था, लेकिन उसी दिन कॉलेज में स्नातकोत्तर (पीजी) प्रवेश परीक्षा होने के कारण स्थल में बदलाव किया गया है। अब यह कार्यक्रम वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के परीक्षा भवन सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम की तैयारियां युद्ध स्तर पर शुरू कर दी गई हैं। जगजीवन कॉलेज की प्राचार्या प्रो. आभा सिंह एवं एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी जूली कुमारी ने बताया कि युवाओं और खिलाड़ियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर के युवाओं, खिलाड़ियों और एनएसएस स्वयंसेवकों से सीधा संवाद करेंगे। कार्यक्रम का लाइव ब्रॉडकास्ट भी किया जाएगा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भी मौजूदगी रहेगी। मुख्य अतिथियों में आरा विधायक सह उच्च शिक्षा मंत्री संजय सिंह टाइगर, विधायक राधा चरण साह एवं एमएलसी जीवन कुमार शामिल होंगे। अंतरराष्ट्रीय वुशू खिलाड़ी नूतन तथा भारतीय क्रिकेटर सह यूथ आइकॉन आकाश दीप भी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इससे स्थानीय युवाओं को खेल एवं शिक्षा से जुड़े विषयों पर संवाद का अवसर मिलेगा।एनएसएस समन्वयक डॉ. साधना रावत ने बताया कि सहभागिता के आधार पर कॉलेजों को अलग-अलग श्रेणियों में रखा गया है। टाइप ए में भोजपुर के जगजीवन कॉलेज और सासाराम के श्री शंकर कॉलेज को शामिल किया गया है। इस श्रेणी के चयनित विद्यार्थी प्रधानमंत्री के साथ सीधे संवाद में भाग ले सकेंगे।वहीं टाइप बी में बक्सर के एमवी कॉलेज, सुमित्रा महिला कॉलेज, डुमरांव महिला कॉलेज, डालमियानगर महिला कॉलेज, भभुआ के एसएसएस महिला कॉलेज एवं एसवीपी कॉलेज तथा भोजपुर के एसबी कॉलेज शामिल हैं। इस श्रेणी के विद्यार्थी मुख्य रूप से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखेंगे।

वीकेएसयू की तीसरी मेधा सूची जारी, नौ हजार छात्रों को मिला नामांकन का मौका

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू) में स्नातक चार वर्षीय पाठ्यक्रम (सत्र 2026-30) में नामांकन के लिए तीसरी मेधा सूची जारी कर दी गई है। विश्वविद्यालय ने सूची को समर्थ पोर्टल पर अपलोड किया है। तीसरी मेधा सूची के आधार पर मंगलवार से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। विद्यार्थियों को नामांकन के लिए पांच दिनों का समय दिया गया है। छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो. ओपी राय ने बताया कि तीसरी मेधा सूची में करीब नौ हजार विद्यार्थियों के नाम शामिल हैं। सूची जारी होने से पहले विश्वविद्यालय स्तर पर इसकी बारीकी से जांच की गई, ताकि नामांकन प्रक्रिया में किसी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका न रहे। पहली और दूसरी मेधा सूची के बाद बड़ी संख्या में विद्यार्थी नामांकन के लिए प्रतीक्षारत थे। तीसरी सूची जारी होने से ऐसे विद्यार्थियों को राहत मिली है। विश्वविद्यालय के अंतर्गत 34 अंगीभूत और करीब 70 संबद्ध डिग्री कॉलेजों में इस वर्ष स्नातक चार वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए कुल 1,35,540 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें कई अंगीभूत कॉलेजों में अब भी सीटें रिक्त हैं। निर्धारित अवधि में नामांकन पूरा करने की अपील की गई है। अधिकारियों के अनुसार अंगीभूत महाविद्यालयों में प्रमुख विषयों में 70 से 80 प्रतिशत तक सीटें भर चुकी हैं। तीसरी मेधा सूची से नामांकन की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए कुल 86 हजार विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। इनमें से अब तक करीब 60 हजार विद्यार्थियों का नामांकन हो चुका है। विश्वविद्यालय प्रशासन को उम्मीद है कि तीसरी सूची के बाद बड़ी संख्या में विद्यार्थी नामांकन प्रक्रिया पूरी करेंगे।हालांकि संबद्ध डिग्री कॉलेजों में कई विषयों में अब भी सीटें रिक्त हैं। कुछ कॉलेजों में कम नामांकन होने से प्रबंधन परेशान है। जानकारी के अनुसार 15 प्रखंडों में खुले राजकीय डिग्री कॉलेजों में भी कम एडमिशन हुआ है। कुल छह विषयों में निर्धारित सीटों के मुकाबले आधे से भी कम नामांकन हुआ है।

विद्यार्थी सहयोग शिविर में विद्यार्थियों की समस्याओं का हुआ समाधान

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। एसबी कॉलेज महाविद्यालय परिसर में मंगलवार को विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग एवं विश्वविद्यालय के निर्देश पर आयोजित शिविर में विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक समस्याएं सुनी गईं और उनके समाधान के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।शिविर में विद्यार्थियों को विद्यार्थी सहयोग पोर्टल के साथ-साथ बिहार सरकार की विभिन्न विद्यार्थी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

अधिकारियों एवं शिक्षकों ने योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज तथा संबंधित विभागों से संपर्क करने के तरीकों की जानकारी विद्यार्थियों को दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिन पर शिक्षकों एवं संबंधित पदाधिकारियों ने आवश्यक सुझाव देते हुए समाधान उपलब्ध कराया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने विद्यार्थियों के पंजीकरण एवं अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग किया। मौके पर डॉ. सद्दाम हुसैन, डॉ. मिथिलेश गिरी, डॉ. महफूज आलम, डॉ. धनंजय राय, डॉ. पंकज कुमार सहित शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। वहीं विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग में भी विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. राकेश कुमार ने विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनका तत्काल समाधान किया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ लेने के लिए उचित मार्गदर्शन दिया।बताया गया कि अब प्रत्येक माह के चौथे मंगलवार को विद्यार्थी सहयोग शिविर आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना तथा उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाना है।

सुंदरकांड पाठ से भक्तिमय हुआ बभनगांवा का ठाकुरबाड़ी परिसर

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा प्रखंड अंतर्गत बभनगांवा गांव स्थित श्री ठाकुरबाड़ी एवं काली मंदिर परिसर में चल रहे झूलनोत्सव के दौरान मंगलवार को धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। मंगलवार का दिन भगवान हनुमान को समर्पित होने के कारण शाम पांच बजे से मंदिर परिसर में विशेष रूप से श्री सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। पाठ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरा मंदिर परिसर जय श्रीराम तथा बजरंगबली के जयकारों से गूंज उठा।सिन्हा गांव के चर्चित गायक श्रद्धालुओं की मंडली ने संगीतमय अंदाज में सुंदरकांड का पाठ प्रस्तुत किया। भक्ति और संगीत के समागम से श्रद्धालु भावविभोर हो गए। सुंदरकांड की चौपाइयों और भजनों से पूरा ग्रामीण परिवेश भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक भगवान श्रीराम, माता सीता और संकटमोचन हनुमान का स्मरण किया।सुंदरकांड पाठ के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने भी धार्मिक आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पाठ के बीच-बीच में श्रद्धालुओं द्वारा लगाए गए जयकारों से वातावरण और अधिक आध्यात्मिक हो गया। लोगों ने हनुमान जी से परिवार और समाज की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की।सुंदरकांड पाठ मंडली में जितेंद्र तिवारी, राम अवतार सिंह समेत कई श्रद्धालु शामिल रहे। मंडली के सदस्यों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ पाठ प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को धार्मिक भाव से जोड़ दिया।बताया गया कि श्री ठाकुरबाड़ी एवं काली मंदिर परिसर में झूलनोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है।

संक्षिप्त खबरें

डूबने से 66 वर्षीय महिला की मौत

बड़हरा। प्रखंड के गंगा पार खवासपुर थाना क्षेत्र के हजारी के डेरा गांव में मंगलवार की सुबह भागड़ नदी में डूबने से 66 वर्षीय वृद्ध महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान हजारी के डेरा निवासी कामेश्वर प्रसाद यादव की पत्नी राधिका देवी (66) के रूप में हुई है। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, राधिका देवी मंगलवार की सुबह भागड़ नदी के समीप शौच के लिए गई थीं। इसी दौरान पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। साथ गई अन्य महिलाओं ने उन्हें डूबते देखकर शोर मचाया। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और नदी में उनकी तलाश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने सुबह करीब सात बजे राधिका देवी का शव नदी से बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही खवासपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, आरा भेज दिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, भागड़ नदी में बाढ़ का पानी भरा हुआ है। पानी की गहराई का सही अंदाजा नहीं लग पाने के कारण हादसा हुआ। महिला की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

रेलवे ने बदली बिहार की आर्थिक और सामाजिक तस्वीर : प्रो. सिराज मोहम्मद

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में मंगलवार को ब्रिटिशकालीन भारत में रेलवे का विकास एवं प्रभाव : बिहार के विशेष संदर्भ में (1853-1947) विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें ब्रिटिशकाल में रेलवे के विकास तथा बिहार पर पड़े इसके आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं पर्यावरणीय प्रभावों पर चर्चा हुई। मुख्य वक्ता गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, चमोली (उत्तराखंड) के प्रधानाचार्य प्रो. सिराज मोहम्मद ने कहा कि रेलवे महज परिवहन का साधन नहीं था, बल्कि औपनिवेशिक भारत की अर्थव्यवस्था, व्यापार और प्रशासन को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण माध्यम था। डॉ. अरुण कुमार राय ने कहा कि रेलवे के विस्तार से बिहार में कृषि उत्पादों, व्यापार, बाजार व्यवस्था और श्रमिकों की आवाजाही में व्यापक बदलाव आया। इससे सामाजिक संपर्क और राजनीतिक चेतना के विकास को भी गति मिली। प्रो. अनवर इमाम ने बिहार में रेलवे के विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। प्रो. दीपक प्रकाश वर्धन ने वर्तमान बिहार में रेलवे की परिवहन, रोजगार, व्यापार और क्षेत्रीय संपर्क में भूमिका बताई। प्रो. नियाज हुसैन ने इसके सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों पर चर्चा की। संगोष्ठी में डॉ. शशि भूषण देव, डॉ. ऋचा मणि, डॉ. वकारुत जमा, डॉ. शशि भूषण राय, डॉ. विनय कुमार, डॉ. तबसूम, डॉ. मृत्युंजय कुमार, डॉ. अजय, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. अमितांशु एवं डॉ. राजीव कुमार समेत शिक्षक व शोधार्थी उपस्थित रहे।

मात्र 2 वर्ष के नन्हे डांसर मोक्ष पाठक बने डांस बिहार डांस- सीजन 5 के सबसे छोटे प्रतिभागी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा शहर में आयोजित हो रही बिहार स्तरीय एवं राज्यस्तरीय नृत्य प्रतियोगिता डांस बिहार डांस सीजन 5ह्व को लेकर बच्चों और युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। फ र. ऊ.उ म्यूजिक डांस एवं सत्य ईवेंट मैनेजमेंट के बैनर तले आयोजित इस भव्य प्रतियोगिता में बिहार के विभिन्न जिलों से प्रतिभाशाली बच्चे, लड़के-लड़कियां तथा स्कूल और कॉलेज के छात्र-छात्राएं अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करने के लिए शामिल हो रहे हैं। इसी प्रतियोगिता में किड्स कैटेगरी से एक ऐसा नन्हा नाम सामने आया है, जिसने अपनी छोटी सी उम्र में ही सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है। मात्र 2 वर्ष के मोक्ष पाठक इस पूरे डांस बिहार डांसझ्र सीजन 5 के सबसे छोटे प्रतिभागी हैं। मोक्ष पाठक ऋषि कल्प पाठक के पुत्र हैं। उन्होंने प्रतियोगिता के ऑडिशन में भी हिस्सा लिया था, जहां अपने मनमोहक डांस और मासूम अदाओं से उन्होंने दर्शकों एवं वहां मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया। इतनी कम उम्र में उनका आत्मविश्वास, उत्साह और नृत्य के प्रति लगाव देखकर सभी लोग काफी प्रभावित हुए। अब यह नन्हा सितारा डांस बिहार डांस 5 के ग्रांड फिनाले में अपनी शानदार प्रस्तुति देने के लिए पूरी तरह तैयार है। बिहार के अलग-अलग जिलों से आए प्रतिभागियों के बीच सबसे छोटे डांसर के रूप में मोक्ष पाठक की भागीदारी इस आयोजन को और भी खास और यादगार बना रही है। मात्र दो वर्ष की उम्र में मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना निश्चित रूप से एक प्रेरणादायक बात है। मोक्ष पाठक ने अपने डांस से यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती। अब सभी की निगाहें इस नन्हे सितारे के ग्रैंड फिनाले प्रदर्शन पर टिकी हैं। देखना दिलचस्प होगा कि मोक्ष पाठक आने वाले समय में नृत्य की दुनिया में किस तरह अपनी एक अलग पहचान बनाते हैं और अपनी प्रतिभा से भोजपुर एवं बिहार का नाम रोशन करते हैं

शराब के साथ सीएनजी ऑटो जब्त, एक गिरफ्तार

बड़हरा (आरा)। बड़हरा थाना पुलिस ने सिरसिया गांव के समीप छापेमारी कर भारी मात्रा में शराब बरामद करने के साथ एक सीएनजी ऑटो जब्त किया है। पुलिस ने शराब की खरीद-बिक्री के आरोप में पटना के कंकड़बाग निवासी सोनू केवट को गिरफ्तार किया है। थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि सिरसिया गांव के समीप नाव के जरिए शराब लाकर ऑटो में लोड की जा रही है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी चुनमुन कुमारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर मौके पर छापेमारी की गई।

दोकरियाँ में 1 सितंबर से श्रीमद्भागवत कथा, श्रद्धालुओं को किया आमंत्रित

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा (भोजपुर)। दोकरियाँ, धुसरियाँ एवं कपूर दियारा क्षेत्र में आगामी 1 सितंबर से श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। ठाकुर मंदिर के प्रांगण में आयोजित होने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान में जगद्गुरु स्वामी श्री बटीनाथ बनमाली जी महाराज के श्रीमुख से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कराया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, स्वामी श्री बटीनाथ ह्यबनमालीह्न जी महाराज, पूज्य श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज के शिष्य एवं जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी जी महाराज के परंपरा से जुड़े संत हैं। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, धर्म और आध्यात्मिक ज्ञान का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत 31 अगस्त 2026, सोमवार को सुबह सात बजे जलयात्रा से होगी। इसके बाद 1 सितंबर 2026, मंगलवार से श्रीमद्भागवत कथा प्रारंभ होगी, जो प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से शाम सात बजे तक चलेगी। कथा का समापन एवं पूर्णाहुति 7 सितंबर को होगी, जबकि 8 सितंबर को प्रसाद वितरण किया जाएगा। पूजन प्रभारी के रूप में प्रदुम्न तिवारी, शैलेश पाठक एवं अर्जुन पाठक की जिम्मेदारी रहेगी। आयोजन के लिए दोकरियाँ, धुसरियाँ एवं कपूर दियारा के समस्त ग्रामीणों की ओर से श्रद्धालुओं को सपरिवार कथा में शामिल होने का आमंत्रण दिया गया है। आयोजकों ने सनातनी एवं धमार्नुरागी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण करने की अपील की है।

प्रधानाचार्य भी दर्ज कराएं बायोमेट्रिक हाजिरी : जैन कॉलेज शिक्षक संघ

प्रात : किरण सवाददाता

आरा। जैन कॉलेज शिक्षक संघ की कार्यकारिणी की बैठक मंगलवार को डॉ. अरविंद कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कॉलेज में शिक्षकों की बायोमेट्रिक उपस्थिति को लेकर चल रही व्यवस्था पर चर्चा की गई। संघ ने प्रधानाचार्य से भी नियमित रूप से बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की मांग की। शिक्षक संघ ने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से वर्ष 2018 और 2024 में जारी अधिसूचनाओं में शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों के साथ प्रधानाचार्य के लिए भी बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य की गई है। संघ का आरोप है कि वर्तमान प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र कुमार ने योगदान के बाद से बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है, जबकि शिक्षकों को इसके लिए बाध्य किया जा रहा है। संघ ने नियमों के समान रूप से पालन की मांग की।बैठक में राजनीति विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. माधवी प्रसाद केसरी के साथ कथित अशोभनीय व्यवहार का भी मुद्दा उठाया गया। शिक्षक संघ ने घटना की निंदा करते हुए प्रधानाचार्य से लिखित रूप से माफी मांगने की मांग की। इसके अलावा स्नातकोत्तर आंतरिक परीक्षा के पारिश्रमिक का शीघ्र भुगतान करने की मांग की गई। संघ ने कहा कि यदि कुछ शिक्षकों को भुगतान किया जा चुका है तो उसका पूरा विवरण शिक्षक संघ के समक्ष प्रस्तुत किया जाए, ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके।संघ के सचिव डॉ. संजय कुमार चौबे ने कहा कि शिक्षकों की मांगों की अनदेखी होने पर शिक्षक संघ लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होगा।

सोन घटा जलस्तर: ज्ञानपुर में अब भी बाढ़ का असर

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। सोन नदी के जलस्तर में मंगलवार को कोईलवर क्षेत्र में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिससे दियारा क्षेत्र और नदी किनारे बसे गांवों के लोगों को राहत मिलने लगी है। हालांकि, इंद्रपुरी बराज से पानी का प्रवाह बढ़ने के कारण निचले इलाकों में प्रशासन सतर्कता बरत रहा है। वहीं, गंगा के जलस्तर में कमी शुरू होने के बावजूद ज्ञानपुर गांव में बाढ़ का प्रभाव अभी भी बना हुआ है। गांव को एनएच-922 से जोड़ने वाली लिंक सड़क पर दो से तीन फीट पानी बहने से लोगों का आवागमन प्रभावित है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार इंद्रपुरी बराज से मंगलवार दोपहर दो बजे जारी आंकड़ों के अनुसार 69 में से 27 फाटक खोले गए। बराज के ऊपरी हिस्से में जलस्तर 355 फीट तथा निचले हिस्से में 337.60 फीट दर्ज किया गया। इस दौरान 1,49,935 घनफीट प्रति सेकेंड पानी छोड़ा गया। इससे पहले सुबह 11 बजे 22 फाटक खुले थे और पानी का प्रवाह 1,13,213 घनफीट प्रति सेकेंड था। तीन घंटे के भीतर पांच अतिरिक्त फाटक खोलने के साथ जलप्रवाह में करीब 36 हजार घनफीट प्रति सेकेंड की वृद्धि दर्ज की गई। बराज से पानी छोड़े जाने के बावजूद कोईलवर में सोन नदी का जलस्तर लगातार घट रहा है। इससे दियारा क्षेत्र में बाढ़ का दबाव कम हुआ है और ग्रामीणों को राहत मिली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जलस्तर इसी तरह घटता रहा तो जल्द ही हालात सामान्य हो सकते हैं। हालांकि, प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। दूसरी ओर, ज्ञानपुर गांव में बाढ़ का पानी अभी भी लोगों के लिए परेशानी बना हुआ है। गांव की लिंक सड़क पर दो से तीन फीट पानी बहने से ग्रामीणों को पानी के बीच होकर आवाजाही करनी पड़ रही है। स्थानीय निवासी कृष्ण कुमार ने बताया कि पिछले कई दिनों से गांव में पानी बढ़ने के कारण हरी सब्जियों सहित अन्य फसलें जलमग्न हो गई हैं, जिससे किसानों को नुकसान की आशंका है। मध्य विद्यालय ज्ञानपुर की चहारदीवारी तक पानी पहुंच गया है। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए विद्यालय को फिलहाल बंद रखा गया है, जिससे पठन-पाठन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि दोबारा जलस्तर बढ़ा तो गांव के अन्य हिस्से भी प्रभावित हो सकते हैं। फिलहाल गंगा के जलस्तर में कमी आने से लोगों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में बाढ़ का पानी धीरे-धीरे उतर जाएगा। प्रशासन भी सोन और गंगा दोनों नदियों के जलस्तर पर लगातार नजर बनाए हुए है।

जलस्तर घटने के बाद भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य टीम सक्रिय

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। गंगा नदी का जलस्तर अब धीरे-धीरे कम होने लगा है, लेकिन बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां अभी बनी हुई हैं। इसे देखते हुए बड़हरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम लगातार प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। सीएचसी प्रभारी डॉ. अरविंद कुमार के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम एवं सहयोगी दल बाढ़ प्रभावित गांवों में लगातार भ्रमण कर लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर रहे हैं। टीम की ओर से बाढ़ के बाद फैलने वाली बीमारियों से बचाव, स्वच्छता, पेयजल और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। जरूरतमंद लोगों को आवश्यक उपचार एवं दवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस दौरान बीस सूत्री अध्यक्ष शुभम कुमार पांडेय भी स्वास्थ्य टीम के साथ मौजूद रहे। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता का जायजा लिया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोगों से बाढ़ का पानी उतरने के बाद भी सावधानी बरतने, दूषित पानी से बचने और किसी तरह की बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की। अधिकारियों के अनुसार, प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी लगातार जारी रहेगी।

सावन महोत्सव में कजरी-झूमर पर जमकर झूमे छात्र-छात्राएं

प्रात : किरण संवाददाता

तरारी (आरा)। तरारी प्रखंड क्षेत्र के श्री त्रिदंडी स्वामी मानस कॉलेज, पनवारी के सभागार में सावन मास के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समर्पित सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिव भजनों, कांवरिया गीतों, कजरी और पारंपरिक लोकनृत्यों की शानदार प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में समां बांध दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के सचिव सुरेंद्र नारायण सिंह, प्राचार्य डॉ. दयानिधि सिंह, डॉ. अजीत सिंह एवं डॉ. अनिल कुमार द्विवेदी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों ने सावन मास एवं रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए प्रतिभागी छात्र-छात्राओं और उनके प्रशिक्षक शिक्षकों की सराहना की।
प्राचार्य डॉ. दयानिधि सिंह ने कहा कि सीमित समय में छात्र-छात्राओं ने जिस तरह अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है, वह सराहनीय है। ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी अपनी लोक संस्कृति और परंपराओं से जुड़ती है। महाविद्यालय लोककला के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा। मंच संचालन कुमकुम सिंह ने किया। गुड़िया कुमारी सहित अन्य प्रतिभागियों ने भगवान शिव के भक्तिपूर्ण भजनों, कांवरिया गीतों, कजरी एवं बरसाती लोकगीतों की प्रस्तुति दी। वहीं सलोनी कुमारी, गुड़िया कुमारी और प्रेमा कुमारी के नृत्य ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

मेहंदी प्रतियोगिता में दिखी कलात्मक प्रतिभाः महोत्सव के दौरान आयोजित मेहंदी प्रतियोगिता में खुशबू कुमारी, चांदनी कुमारी, रोहिणी कुमारी, मधु यादव एवं नेहा कुमारी ने आकर्षक मेहंदी डिजाइन बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में छात्राओं की कलात्मकता और रचनात्मकता देखने को मिली। कार्यक्रम में शिव सिंह, डॉ. माया, डॉ. प्रतिमा, डॉ. सुधा एवं डॉ. बबिता ने कजरी और झूमर की प्रस्तुति देकर पारंपरिक लोक संस्कृति की खूबसूरत झलक पेश की। अंकित कुमार समेत अन्य कलाकारों की प्रस्तुतियों को भी दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम की सफलता में डॉ. शैलेश कुमार सिंह, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. आशा सिंह, डॉ. माया, डॉ. बबिता सिंह, डॉ. सोनम सिंह, डॉ. प्रतिमा सिंह एवं डॉ. सुधा सिंह सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षक-कर्मियों की सक्रिय भूमिका रही।

अंगीभूत कॉलेजों में बायोमीट्रिक उपस्थिति अनिवार्य, वीकेएसयू ने जारी किया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा ने अपने अधीन सभी अंगीभूत महाविद्यालयों में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए बायोमीट्रिक प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू करने का निर्देश दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी प्रधानाचार्य एवं प्रभारी प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया है कि महाविद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षक एवं कर्मचारी प्रतिदिन बायोमीट्रिक प्रणाली के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराना सुनिश्चित करें।विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना में पूर्व आदेश संख्या 2995/एस्3/18, दिनांक 4 दिसंबर 2018 का हवाला देते हुए निर्देशों का गंभीरता से अनुपालन करने को कहा गया है। कुलपति के आदेशानुसार कुलसचिव की ओर से जारी पत्र में संबंधित निर्देशों को सभी अंगीभूत महाविद्यालयों में प्रभावी ढंग से लागू करने की बात कही गई है। 20 मार्च 2024 को जारी पत्र की प्रतिलिपि सभी अंगीभूत कॉलेजों के प्रधानाचार्यों एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई थी। अधिसूचना में शिक्षकों के कार्य समय को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दिया गया है। विश्वविद्यालय ने कहा है कि प्रत्येक शिक्षक को सप्ताह में कम से कम 40 घंटे महाविद्यालय में कार्य करना होगा। 40 घंटे की अवधि को न्यूनतम बताते हुए इसकी अधिकतम सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इससे शिक्षकों की नियमितता के साथ-साथ महाविद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया है। विश्वविद्यालय ने शिक्षकों को शोध कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए भी प्रोत्साहित किया है। शिक्षकों से यूजीसी, डीएसटी, सीएसआईआर, आईसीएमआर सहित विभिन्न संस्थानों में शोध परियोजनाएं प्रस्तुत करने तथा विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में बेहतर शोध वातावरण विकसित करने में योगदान देने की अपेक्षा की गई है।इस निर्देश के बाद अंगीभूत महाविद्यालयों में उपस्थिति व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की कवायद तेज होने की उम्मीद है। प्राचार्यों को निर्देश दिया गया है कि अधिसूचना की जानकारी सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों को उपलब्ध कराते हुए इसके अनुपालन की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

गुलजारपुर पावर ग्रिड पर तीन घंटे तक तालाबंदी

प्रात : किरण संवाददाता

सहार- सहार प्रखंड क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती एवं अनियमित विद्युत आपूर्ति के विरोध में सोमवार को इंक्लाबी नौजवान सभा के बैनर तले कार्यकताओं और ग्रामीणों ने गुलजारपुर बिजली पावर ग्रिड पर तीन घंटे तक तालाबंदी कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए क्षेत्र में नियमित एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे इंकलाबी नौजवान सभा के प्रखंड सचिव और अन्य नेताओं ने आरोप लगाया कि भीषण गर्मी और उमस के बावजूद क्षेत्र में लगातार बिजली कटौती की जा रही है, जिससे आम उपभोक्ताओं, किसानों, छात्रों एवं छोटे व्यवसायियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित समय के अनुसार बिजली आपूर्ति नहीं हो रही है और बार-बार ट्रिपिंग तथा फॉल्ट के कारण लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शनकारियों ने काफी खिचातानी के बाद ग्रिड परिसर के मुख्य द्वार पर तालाबंदी कर लगभग तीन घंटे तक विरोध जताया। इस दौरान बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

पीएम श्री स्कूल में 20 दिनों से छात्राओं को नहीं मिल रहा एमडीएम, प्रधानाध्यापक ने रसोइया नहीं होने की बताई वजह

शेरघाटी। प्रोजेक्ट कन्या सह पीएम श्री स्कूल, शेरघाटी में छात्राओं को करीब 20 से 22 दिनों से मध्याह्न भोजन (एमडीएम) नहीं परोसे जाने का मामला सामने आया है। मामले का खुलासा दैनिक भास्कर की टीम की पड़ताल के दौरान हुआ। छात्राओं ने बताया कि स्कूल में केवल दो से चार दिनों तक ही भोजन बनाया गया था, इसके बाद एमडीएम का संचालन बंद हो गया।मामले को लेकर स्कूल के प्रधानाध्यापक राजकिशोर सिंह से बात की गई। उन्होंने बताया कि स्कूल में रसोइया उपलब्ध नहीं होने के कारण भोजन बनाने में परेशानी हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि रसोइया उपलब्ध कराने के लिए वरीय अधिकारियों को पत्राचार किया गया है। हालांकि, सवाल यह उठता है कि यदि व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी तो शुरूआती चार दिनों तक एमडीएम का भोजन किस व्यवस्था के तहत बनाया गया था और बाद में अचानक इसे क्यों बंद कर दिया गया।करीब तीन सप्ताह से छात्राओं को भोजन नहीं मिलने के बावजूद एमडीएम से संबंधित व्यवस्था और खाते के संचालन को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। यदि एमडीएम के लिए राशि या अन्य मद में भुगतान हुआ है तो उसका उपयोग किस प्रकार किया गया, यह जांच का विषय है। पूरे मामले की जांच होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।इस संबंध में शेरघाटी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अमल किशोर से संपर्क किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। मामले की जानकारी प्राप्त की जा रही है। अब देखना होगा कि शिक्षा विभाग इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और छात्राओं को नियमित रूप से एमडीएम कब से मिलना शुरू होता है।

विधायक मनोज शर्मा ने मृतक के परिजनों से मिलकर दी सांत्वना

अरवल। करेर प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत वलिदाद के ग्राम बालोपुर निवासी सत्येन्द्र यादव के आकस्मिक निधन पर अरवल विधानसभा के विधायक मनोज शर्मा ने उनके आवास पर पहुंचकर पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त किया। इस दौरान विधायक ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया और हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता भास्कर कुमार, मंटू शर्मा, झुन शर्मा, अभिषेक कुमार, सतीश कुमार, पिंटू यादव सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे।

बेलखारा में सेंट्रिंग का काम करने के दौरान करंट लगने से युवक की मौत

अरवल। प्रखंड क्षेत्रके ग्राम बेलखारा गांव निवासी 37 वर्षीय राजकिशोर राम, पिता स्वर्गीय रामचन्द्र प्रसाद की सेंटिंग का काम करने के दौरान करंट लगने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों के द्वारा बताया जा रहा है कि काम करने के क्रम में अचानक बिजली का करंट लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय एवं परिजनों लोगों के द्वारा घायल को आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में मातम पसर गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गुलनार निःशुल्क महिला सिलाई सेंटर में राखी मेकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया सम्मानित

गया। गुलनार निःशुल्क महिला सिलाई सेंटर के तत्वाधान में आयोजित राखी मेकिंग प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह मंगलवार को संपन्न हुआ। सेंटर पर गत 21 और 22 अगस्त को आयोजित इस प्रतियोगिता में महिलाओं और युवतियों ने अपनी सृजनात्मक क्षमता और अद्भुत कला का प्रदर्शन किया था। इस अवसर पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में सभी सफल प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया है। प्रतियोगिता के घोषित परिणामों के अनुसार, सरिता कुमारी को प्रथम पुरस्कार, गुनगुन कुमारी को द्वितीय पुरस्कार और पूजा कुमारी को तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया है। इसके साथ ही राशि कुमारी, रानी देवी और ममता कुमारी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया है। सभी विजेताओं को समारोह के मुख्य अतिथि महाराणा विचार मंच के जिला अध्यक्ष सह पूर्व जिला पार्षद, रसलपुर पंचायत के पूर्व मुखिया नागेंद्र सिंह, विशिष्ट अतिथि मानपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी डॉ चंद्रतारा यादव , पूर्व प्राचार्य बृजभूषण सिंह चौहान एवं पूर्व प्राचार्य अजय कुमार सिंह के द्वारा पुरस्कृत कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई है।

गया कॉलेज, गया में 27 अगस्त को होगा खेलो इंडिया संवाद, खेल की बात, प्रधानमंत्री के साथ कार्यक्रम होगा

गया कॉलेज खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा युवाओं को खेल और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है: प्राचार्य

प्रात: किरण संवाददाता

गया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा मेरा युवा भारत के तत्वावधान में 27 अगस्त 2026 को देशभर में आयोजित होने वाले खेलो इंडिया संवाद खेल की बात, प्रधानमंत्री के साथ कार्यक्रम का आयोजन गया कॉलेज, गया में भी किया जाएगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता, खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन, युवा नेतृत्व तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना है।

गया कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सतीश सिंह चंद्र के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राएँ, एनएसएस स्वयंसेवक, युवा प्रतिभागी एवं स्थानीय खिलाड़ी भाग लेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सीधा प्रसारण किया जाएगा। देशभर में 1,500 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों तथा लगभग 1,600 केंद्रों पर आयोजित इस पहल के माध्यम से लाखों युवा एक साथ जुड़ेंगे।प्रधानमंत्री के संबोधन के पश्चात गया कॉलेज में स्थानीय युवा संवाद आयोजित किया जाएगा, जिसमें युवाओं एवं खिलाड़ियों के साथ खेलों के विकास और राष्ट्र निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श होगा। संवाद के प्रमुख विषयों में खेल अवसंरचना एवं स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को मजबूत करना, वर्ष 2036 के ओलंपिक के लिए प्रतिभाओं की पहचान एवं विकास, युवा नेतृत्व एवं शासन में युवाओं की भागीदारी तथा विकसित भारत के लिए युवाओं का सशक्तीकरण शामिल हैं।इस अवसर पर गया कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा, सुझाव एवं विचार साझा करने का अवसर मिलेगा। युवाओं को माई भारत पोट्रल से जुड़ने तथा विकसित भारत यंग लिडरस डायलॉग क्यूज में भाग लेने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री जितन राम मांझी उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा मगध विश्वविद्यालय के कुलपति दिलीप कुमार केसरी, राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ पिंटू कुमार एवं स्पोर्ट्स जगत से जुड़े हुए प्रमुख अतिथि गण तथा जिला प्रशासन से जिला खेल प्रभारी नेहा कुमारी, डिप्टी कलेक्टर गया की गरिमामयी उपस्थित रहेगी। इस कार्यक्रम के आयोजन में एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. राजेश कुमार मिश्र सहित महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, एनएसएस स्वयंसेवक एवं विद्यार्थी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।गया कॉलेज के प्राचार्य ने कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, टीम भावना और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। गया कॉलेज खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा युवाओं को खेल और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

अखिल भारतीय कजली महोत्सव में दानिका के कलाकारों ने धूम मचाया

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद की महत्वपूर्ण सांगीतिक संस्था दानिका संगीत महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ रविंद्र कुमार उर्फ दानिका महाराज के नेतृत्व में कलाकारों ने उत्तर प्रदेश राज्य के विंध्याचल में बिंध्य शक्ति संघ के तत्वावधान में आयोजित अखिल भारतीय कजली महोत्सव में अपनी बेहतरीन प्रस्तुति से धूम मचाया।कजली महोत्सव 2026 में दानिका परिवार के कलाकारों ने शिरकत किया और अपनी प्रस्तुति से दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों का दिल जीत लिया। ठुमरी गायिका अंजली सिंह, प्रसिद्ध लोक गायिका शिवांगी सिंह,खुशबू कुमारी,निहारिका कुमारी,पल्लवी,शिखा भारद्वाज के सामूहिक कजरी गीत भींजत आवे धनिया ए रामा की प्रस्तुति दी। वहीं अमिषा गायकवाड, रितिका राज, कोमल मिश्रा,अंजली यादव ने कजरी नृत्य कैसे खेले जयबू सावन में कजरिया की शानदार प्रस्तुति दी।वाद्य वादन में वेद प्रकाश,रूपेश रौशन ने सराहनीय भूमिका निभाई।विंध्य शक्ति संघ की संरक्षिका वीणा सिंह, संरक्षक अशोक पांडेय, कार्यक्रम संयोजिका नीरा सिन्हा वर्षा,अध्यक्ष सुरेंद्र जायसवाल,प्रधान सचिव श्री उपाध्याय सहित अन्य सदस्यों के कुशल संयोजन में दानिका परिवार के कलाकारों को अंग वस्त्र पुष्पहार एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया विदित हो कि विंध्य शक्ति संघ के द्वारा लगातार 54 वर्षों से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता रहा है।दानिका परिवार लगभग 1 दशक से इस कार्यक्रम में शिरकत प्रतिवर्ष सावन माह में करती है। कजली महोत्सव में सहभागिता निभाने पर राज्य महोत्सव संघ के प्रवक्ता सुरेश विद्यार्थी ने दानिका परिवार के कलाकारों को बधाई देते हुए कहा कि इससे औरंगाबाद जिले का नाम रौशन हुआ है।

नौरंगा में भैंस चोरी मामले को लेकर ग्रामीणों से मिले श्याम सुंदर शरण, आईजी विकास वैभव से की त्वरित जांच की मांग

गया। अतरी थाना क्षेत्र के नौरंगा गांव में भैंस चोरी से जुड़े मामले को लेकर हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्याम सुन्दर शरण गांव पहुंचे। उन्होंने प्रकाश मांझी एवं उनके परिजनों तथा स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी ली और मामले से जुड़े तथ्यों को समझा है।ग्रामीणों और पीड़ित परिवार से बातचीत के बाद श्याम सुन्दर शरण प्रकाश मांझी के परिजनों एवं कुछ ग्रामीणों को साथ लेकर आईजी विकास वैभव से मिले और मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार से जुड़े इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और जांच के माध्यम से वास्तविक तथ्यसामने आना जरूरी है।आईजी विकास वैभव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आश्वस्त किया कि जांच जल्द पूरी कराई जाएगी। उन्होंने गया के ग्रामीण एसपी दिव्यांजलि जायसवाल को बुलाकर मामले में चल रही जांच को त्वरित गति से आगे बढ़ाने का निर्देश दिया।

बिहार विद्यालय अध्यापक महासंघ जिला इकाई का गठन

प्रात: किरण संवाददाता

औरंगाबाद। बिहार विद्यालय अध्यापक महासंघ, औरंगाबाद जिला इकाई का गठन लोकतांत्रिक एवं सर्वसम्मत प्रक्रिया के तहत गरिमापूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव तथा विशिष्ट अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक राजन, प्रदेश संगठन मंत्री कमल कुमार राय एवं प्रदेश सह संगठन मंत्री अमित कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही।सर्वसम्मति से प्रशांत कुमार को जिलाध्यक्ष, रामाशीष कुमार को जिला उपाध्यक्ष,अभिमन्यु कुमार पाठक को जिला सचिव, रजिया कमर को जिला सह सचिव, अभिषेक कुमार पाण्डेय को जिला कोषाध्यक्ष, मंतोष कुमार को जिला संगठन मंत्री, निभा सिन्हा एवं पंकज कुमार को जिला सह संगठन मंत्री, श्वेता सिंह को जिला प्रवक्ता, मो. सरफराज आलम को जिला सोशल मीडिया प्रभारी, जितेंद्र कुमार सिंह को जिला क्ळ प्रभारी तथा मुन्ना कुमार को जिला कार्यक्रम आयोजन पदाधिकारी निर्वाचित किया गया।इसी क्रम में विश्वविजय चतुर्वेदी को औरंगाबाद अनुमंडल अध्यक्ष एवं

विद्या सिंह को औरंगाबाद अनुमंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया।कार्यक्रम के दौरान देव नगरी औरंगाबाद की धरती से बिहार विद्यालय अध्यापक महासंघ के वेब पोर्टल की औपचारिक लॉन्चिंग भी की गई। इसका शुभारंभ जिलाध्यक्ष प्रशांत कुमार द्वारा आजीवन सदस्यता ग्रहण कर किया गया।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि ह्लशिक्षकों की एकजुटता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। शिक्षक हितों की रक्षा एवं उनके अधिकारों के लिए महासंघ पूरी मजबूती के साथ संघर्ष करेगा तथा सरकार के समक्ष शिक्षकों की न्यायोचित मांगों को प्रभावी ढंग से रखा जाएगा।जिलाध्यक्ष प्रशांत कुमार ने कहा कि शिक्षकों की जो भी न्यायोचित मांग होगी, उसके लिए संघ जिला स्तर पर मजबूती से कार्य करेगा और हर परिस्थिति में शिक्षकों के हितों की आवाज को बुलंद करेगा।ह्वजिला संगठन मंत्री मंतोष कुमार ने कहा कि ह्लसातवें वेतनमान की लड़ाई को महासंघ पूरी मजबूती से लड़ेगा। इस दिशा में महासंघ द्वारा सबसे पहले उच्च न्यायालय में मामला दायर कर एक मजबूत कानूनी लड़ाई की शुरूआत की गई है।ह्व उन्होंने कहा कि शिक्षक हितों से जुड़े अन्य सभी मुद्दों पर भी संगठन पूरी प्रतिबद्धता के साथ संघर्ष करेगा।कार्यक्रम के अंत में सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने एक मजबूत टीम के रूप में आपसी एकजुटता, समन्वय एवं समर्पण के साथ संगठन को सशक्त बनाने तथा शिक्षक हितों के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया।

छात्र संवाद कार्यक्रम में छात्राओं ने अधिकारियों के समक्ष रखी समस्याएं

शेरघाटी। प्रोजेक्ट कन्या इंटर स्कूल, शेरघाटी में मंगलवार को छात्र संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शेरघाटी अनुमंडल पदाधिकारी सह आईएएस अधिकारी जतिन कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी बिनोद कुमार तथा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अमल किशोर संयुक्त रूप से शामिल हुए। अधिकारियों ने छात्राओं से संवाद कर उनकी पढ़ाई, विद्यालय की व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली।इस दौरान अधिकारियों ने छात्राओं के हित में सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं और शैक्षणिक सुविधाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा का माहौल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। अधिकारियों ने विद्यालय में आने वाली समस्याओं की भी जानकारी ली तथा उनके समाधान का भरोसा दिया।

बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल बिहार के उन महान जननेताओं में शामिल थे, जिन्होंने सामाजिक न्याय, समानता और वंचित वर्गों के अधिकारों की आवाज को मजबूती प्रदान की:डॉ मनीष

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी।बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय मंडल आयोग के अध्यक्ष रहे दिवंगत बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल की जयंती के अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए हैं। इस अवसर पर उन्होंने मंडल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए उनके प्रति अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त की है।डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल बिहार के उन महान जननेताओं में शामिल थे, जिन्होंने सामाजिक न्याय, समानता और वंचित वर्गों के अधिकारों की आवाज को मजबूती प्रदान की। उनका सार्वजनिक जीवन समाज के कमजोर एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा। बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में भी उन्होंने जनहित से जुड़े विषयों को प्राथमिकता दी।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा गठित मंडल आयोग के अध्यक्ष के रूप में बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल जी ने सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों की स्थिति का अध्ययन कर उनकी उन्नति के लिए महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। मंडल आयोग की सिफारिशों ने देश की सामाजिक एवं राजनीतिक व्यवस्था पर व्यापक प्रभाव डाला और सामाजिक न्याय की बहस को नई दिशा प्रदान की।डॉ. मिश्रा ने कहा कि मंडल जी का जीवन हमें समाज के सभी वर्गों के सम्मान, समान अवसर और न्याय के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। उनके विचार और सार्वजनिक जीवन आज भी सामाजिक समरसता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण की प्रेरणा देते हैं।

अंत में उन्होंने कहा कि बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल की जयंती पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करें। उन्होंने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया है

नागालैंड के महामहिम राज्यपाल ने गया जी के वरिष्ठ छायाकार रूपक सिन्हा को पटना में किया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी के वरिष्ठ छायाकार रूपक सिन्हा को फोटो पत्रकारिता को लगभग चार दशक से अधिक सेवा देने के लिए विश्व फोटोग्राफी सप्ताह के अवसर पर नागालैंड के महामहिम राज्यपाल एवं बिहार के पूर्व विधान सभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव द्वारा मंगलवार को सैकड़ों. कलाप्रेमियों के बीच पर्यटक सुविधा केंद्र कंगन घाट,पटना सिटी के हॉल में शॉल ओढ़ाकर और प्रशस्ति प्रमाण -पत्र देकर सुप्रसिद्ध छायाकार स्वङ्ग रघु रॉय स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है.दि पल्स ऑफ पटना द्वारा आयोजित ह्लकैमरे में धड़कता शहर :युवा छायाकार के लेंस से ह्व श्रृंखला की कड़ी में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों -छायाकारों की फोटो प्रदर्शनी भी आज प्रदर्शित की गयी. कार्यक्रम के संयोजक जुल्कर नैन (प्रेस छायाकार) ने जानकारी दी कि गया जी के रूपक सिन्हा को यह उपलब्धि छायाकारों और आयोजन समिति के सदस्यों के विचार-विमर्श के पश्चात चयनित किया गया. उक्त अवसर पर पटना साहेब के विधायक रत्नेश कुमार, पटना नगर निगम की महापौर सीता साहू उपमहापौर रेशमी कुमारी सहित गणमान्य लोगों की उपस्थिति में किया गया है।

प्रस्तावित उच्च शिक्षा विधेयक, 2026 के विरोध में सयुक्त आंदोलन के दूसरे चरण का समापन

जगजीवन कॉलेज के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने विरोध के दूसरे चरण में मजबूती के साथ किया प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।बिहार के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों द्वारा बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 की स्वायत्तता के समर्थन में तथा प्रस्तावित उच्च शिक्षा अधिनियम, 2026 के विरोध में चल रहे धरना-प्रदर्शन का दूसरा चरण समाप्त हो गया। आंदोलन के प्रथम चरण में 5 अगस्त से लेकर 8 अगस्त तक काला-बिल्ला लगाकर अधिनियम के विरोध में सांकेतिक प्रदर्शन किया गया। 10 अगस्त को बिहार के सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय सामूहिक आकस्मिक अवकाश पर रहते हुए विश्वविद्यालय के मुख्यालय पर एकत्रित होकर प्रस्तावित उच्च शिक्षा विधेयक, 2026 को वापस लेने के लिए आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया गया जिसमें मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विभाग सहित अलग-अलग अंगीभूत महाविद्यालयों से हजारों शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आंदोलन का यह दूसरा चरण 11 अगस्त से शुरू हुआ था। 25 अगस्त तक अपने-अपने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में रहते हुए दिन के 1:30 बजे से लेकर 2:00 बजे तक प्रत्येक दिन धरना दिया गया। हालांकि यह आंदोलन 5 सितंबर को छात्र एवं अभिभावकों से संवाद के साथ समाप्त होगा। लेकिन, सरकार की तरफ से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर आंदोलन का स्वर और भी उग्र होगा।

जगजीवन महाविद्यालय के शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार, सचिव डॉ. संगीता कुमारी तथा संयुक्त सचिव डॉ. राजीव रंजन ने कहा कि विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शिक्षण संस्थाएं यदि स्वतंत्र हवा में सांस नहीं लेंगी तो इससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तो प्रभावित होगी ही, साथ में हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के उद्देश्यों से भी हमें समझौता करना पड़ेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अनुसंधान एवं नवोन्वेषी शिक्षा को जगह दी गई है। बिना किसी डर एवं दवाब में शैक्षिक वातावरण के निर्माण पर जोर दिया गया है। यदि, संस्थानों की स्वायत्तता समाप्त कर दी जाएगी, तो शिक्षा की मूल संकल्पना से हम हाथ धो बैठेंगे।

वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार एवं कल्याण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी। प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित बुनियादी केंद्र, शेरघाटी के सभाकक्ष में मंगलवार को माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण तथा कल्याण नियमावली, 2012 के तहत एक दिवसीय संवेदीकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बुनियादी केंद्र के केंद्र प्रबंधक प्रेम शंकर प्रसाद ने की। इसमें केंद्र के कर्मियों, पदाधिकारियों सहित अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, उनके भरण-पोषण, सुरक्षा और कल्याण से जुड़े विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज और परिवार के महत्वपूर्ण सदस्य हैं। उनके सम्मान, सुरक्षा और आवश्यक जरूरतों का ध्यान रखना सभी की जिम्मेदारी है। प्रतिभागियों को वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशील, सम्मानजनक और सहयोगात्मक व्यवहार अपनाने के लिए जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि जरूरतमंद एवं असहाय वरिष्ठ नागरिकों को सरकारी स्तर पर उपलब्ध सुविधाओं एवं सहायता की जानकारी देकर उन्हें लाभ पहुंचाने की दिशा में पहल की जानी चाहिए। वरिष्ठ नागरिकों को दैनिक जीवन में होने वाली परेशानियों को समझने और उनके समाधान में सहयोग करने पर भी जोर दिया गया।इस अवसर पर जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को आवागमन में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से छड़ी का वितरण किया गया। छड़ी मिलने पर वरिष्ठ नागरिकों ने खुशी जताई और कार्यक्रम के आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, सम्मान, सुरक्षा एवं कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री बी पी मंडल को क्षद्धांजली सभा का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल (बीपी मंडल) भारत के एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कि कपूरी सभागार जदयू जिला कार्यालय गया जी मे समय -1:00बजे जदयू जिला अध्यक्ष इंजीनियर अजय कुशवाहा कि अध्यक्षता मे धूम -धाम से मनाई गई है।इस जयंती समारोह कार्यक्रम मे जिला अध्यक्ष इंजीनियर अजय कुशवाहा ने बी पी मण्डल कि जीवनी पर विशेष चर्चा किए और उनके जीवन के संघर्ष को दुहराये।इस जयंती समारोह मे मधुसूदन राय,धनंजय शर्मा, रामलखन स्वर्णकार, कुण्डल वर्मा, पुष्पेंद्र पुष्प,बिनोद कुमार, ज्योति दांगी, जितेन्द्र पंडित प्रजापति जिला प्रवक्ता, सत्येंद्र गौतम,पप्पु दांगी, वृजराज पाण्डेय, पूनम कुशवाहा,प्रकाश पटवा, उमेश गुप्ता, साहिबूल बाकी, गौतम कुमार, गीता देवी, अलका सिंह, संजय मिश्रा, राजु वर्मा, संजय स्वर्णकार, तनोज गुप्ता, राजेंद्र शर्मा, गोपाल चंद्रवंशी, हुजेल कादरी, सुनीता देवी, ब्रहदेव पासवान सहित पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे हैं।

जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा का विष्णुपद में चंदन सिंह के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद राज्यसभा संजय कुमार झा का विष्णुपद मंदिर आगमन पर प्रदेश महासचिव सह राज्य बीस सूत्री सदस्य चंदन कुमार सिंह के नेतृत्व में जदयू कार्यकताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया है।भव्य स्वागत से अभिभूत संजय झा ने चंदन सिंह एवं पार्टी के सभी कार्यकताओं को आभार प्रकट किया।

श्री झा विष्णुपद मंदिर पूजा अर्चना करने पहुंचे थे, साथ ही रबर डैम का भ्रमण किया और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा किए गए कार्यो का चर्चा करते हुए कहा की उन्हीं का देन है की फल्गु नदी में लबा लब पानी भरा है।इस स्वागत में जिला महासचिव सह बीस सूत्री सदस्य अवध बिहारी पटेल, महिला अध्यक्ष ज्योति दांगी, सोनम दास, पूनम कुशवाहा, सुरेश राव,अरविंद वर्मा , शंकर चौधरी,बीरेंद्र शर्मा, मुन्ना पटवा, मितंबरा लोहड़े, धनंजय शर्मा, कुंडल वर्मा, अरुण राव ,राजकुमार शाह, विनोद जया, गोल्डी गायब, छोटू गुपुत सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए सचिव ने ट्रैफिक चालान वन विभाग,बैक ऋण वाद एवं मोटर वाहन दुर्घटना निष्पादन पर विशेष जोर

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर आज जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सभा कक्ष में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार अरबिंद कुमार दास के अध्यक्षता में जिला परिवहन पदाधिकारी, उपाधीक्षक ट्रैफिक , जिला पंचायती राज पदाधिकारी, माप तौल, वन विभाग सभी बैंक अधिकारियों , इंश्योरेंस,के अधिकारियों के साथ

एक बैठक आयोजित किया गया है ।जिसमें अधिक से अधिक ट्रैफिक चालान के मामले,बैक ऋण मामले ,वन विभाग के मामले, माप तौल के मामले ,ग्राम कचहरी के मामले, एवं मोटर वाहन दुर्घटना के मामले से संबंधित में नोटिस करने एवं सुलहवार्ता कर मामले का निष्पादन करने का निर्देश दिया गया है। सचिव द्वारा ट्रैफिक चालान, वन विभाग,बैक ऋण वाद एवं मोटर वाहन दुर्घटना निष्पादन पर विशेष जोर दिया है। सचिव ने आमजनों से अपील की है बिहार सरकार के द्वारा ट्रैफिक चालान में छूट दी जा रही है उसका भरपूर लाभ उठाएं एवं बैंक ऋण के मामले को सुलह के आधार पर समाप्त कराकर लाभ उठाएं साथ ही सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने क्षेत्र में राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रसार करें। इस मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश कुमार , डीएसपी ट्रैफिक ललित मोहन सिंह , जिला पंचायती राज पदाधिकारी आदित्य कुमार, फॉरेस्ट नवीन कुमार,, इंस्पेक्टर माप तौल सिद्धार्थ रोशन ,बैंक के अधिकारी प्रभारी जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक संतोष कुमार, प्रशांत कुमार पंजाब नेशनल बैंक, अभिषेक कुमार,बैंक ऑफ बड़ौदा, शिवम कुमार बैंक ऑफ इंडिया, अंजनी सिन्हा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, अजय कुमार इंडियन बैंक, राजीव रंजन, चंदन कुमार बिहार ग्रामीण बैंक, स्वाती केनरा बैंक,वरुण कुमार यूनियन बैंक ऑफ, बलिनदर कुमार सिंह सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया,राहुल कुमार न्यू इंडिया इंश्योरेंस, के अधिकारी उपस्थित थे।।

आपसी समन्वय बनाकर जिले को अग्रणी बनाएं पदाधिकारी: सांसद

■ जन समस्याओं के समाधान से लेकर जिले के विकास कार्यों में तेजी आई है: राधामोहन सिंह

प्रात: किरण संवाददाता

मोतिहारी पूर्वी चंपारण समाहरणालय मोतिहारी स्थित डॉ राधाकृष्णन सभागार में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए सांसद,पूर्वी चंपारण, राधा मोहन सिंह ने कहा कि जिले में विकास के कार्यों को गति मिली है। जिले के प्रशासनिक पदाधिकारी एवं कार्य विभाग अभियंता आपसी समन्वय के साथ योजनाओं को सही ढंग से धरातल पर उतरने में अपनी भूमिका निभाई और निर्धारित समय अवधि में योजनाओं को पूर्ण कराएं ताकि उसका लाभ आमजन को समय से मिल सके। समीक्षा बैठक में ससद पश्चिमी चंपारण डॉ संजय जायसवाल, विधायक प्रमोद कुमार, राणा रणधीर, कृष्ण नंदन पासवान, श्याम बाबू प्रसाद यादव, सचिंद्र प्रसाद सिंह, राजू तिवारी , राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता, विशाल साह, विधान पार्षद डॉ खालिद अनवर, अध्यक्ष जिला परिषद ममता राय, उप महापौर लालबाबू प्रसाद गुप्ता, मुख्य पार्षद नगर परिषद उपस्थित थे। बैठक में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, उप विकास आयुक्त डॉ प्रदीप कुमार सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कार्य विभाग के सभी कार्यपालक अभियंता उपस्थित थे। बैठक के प्रारंभ में जिलाधिकारी के द्वारा सभी सम्मानित अतिथिगण का स्वागत किया गया तत्पश्चात बैठक की कार्रवाई प्रारंभ हुई। जिलाधिकारी के निर्देश पर उप विकास आयुक्त के द्वारा जिले में चल रहे विकास के कार्यों को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एक-एक कर बताया गया। ग्रामीण विकास की महत्वपूर्ण योजनाओं बताया गया कि मनरेगा अंतर्गत कुल 402368 जॉब कार्ड निर्गत है,जो सक्रिय हैं। जिला में माह सितम्बर 2026 तक 2128422 मानव दिवस का सृजन किया गया है।

जिला के पंचायतों में खेल मैदान के निर्माण के लक्ष्य के विरुद्ध 308 जगह खेल मैदान को पूर्ण कराया गया है। पूर्वी चंपारण जिला में फेज वन के अंतर्गत कुल 32 ग्रामीण हाट के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है जिसकी प्रक्रिया चल रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)अंतर्गत 25-26 में ली गई योजना में 33086 मकान को पूर्ण कराया गया है और हाल ही में कार्यक्रम का आयोजन कर मकान की चाबी लाभुकों को सौंप गई है।सामाजिक सुरक्षा अंतर्गत दिए जा रहे पेंशन योजना की जानकारी देते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि पूर्वी चंपारण जिला पूरे बिहार में पहले स्थान पर खड़ा है।इस जिला में 469881 लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत 28 लाख परिवारों को उज्ज्वला का कनेक्शन दिया गया है। अन्य सभी विभागों की योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की गई। आज की बैठक में सांसद के द्वारा पूर्व की बैठक में सदस्य गण की तरफ से आए प्रश्न और उसके जवाब में विभागीय पदाधिकारी द्वारा दिए गए प्रतिवेदन की समीक्षा की गई। इसके पश्चात उपस्थित सभी विधायक गण, विधान पार्षद गण एवं समिति के अन्य सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्या एवं विकास से संबंधित मांगों को रखा और इसकी सूची उपलब्ध कराई।

इस अवसर पर सांसद ने कहा कि बिजली के अवैध कनेक्शन की नियमित रूप से जांच की जाए। ट्रांसफार्मर पर अचानक लोड बढ़ने से समस्याएं उत्पन्न हो रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में खाद की कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर निर्देश दिया गया। सांसद ने कहा कि नैनो यूरिया को प्रोत्साहित किया जाए ताकि किसान इसका इस्तेमाल करें। धनौती नदी से जलकुंभी को हटाने और हरसिद्धि के गांधी घाट के आसपास पर्यटन की संभावना को लेकर पर्यटन शाखा की तरफ से एक प्रस्ताव तैयार किया जाए। सांसद ने कहा कि अरेराज स्थित बाबा सोमेश्वर नाथ मंदिर की तरफ जाने वाली सभी सड़के चौड़ी होगी और एक माह में इससे संबंधित टेंडर निकल जाएगा। मॉडल स्कूल के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों को आगे आने का आह्वान किया गया। जिला में नव स्थापित डिग्री कॉलेज के लिए जमीन की उपलब्धता को लेकर चर्चा हुई।

सांसद ने जिला प्रशासन के द्वारा सहयोग शिविर के सफल आयोजन एवं 80 प्रतिशत से अधिक समस्याओं के समाधान पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर के माध्यम से जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है यह स्वागत योग्य है। इस कार्यक्रम से प्रशासन अधिक जवाबदेह बना है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि आज की बैठक में जो भी निर्णय लिया गया है और जिन समस्याओं के बारे में जनप्रतिनिधि गण के द्वारा बताया गया है उस पर तत्परता के साथ कार्रवाई करने के लिए संबंधित विभागीय पदाधिकारी को निर्देश दिया जाएगा एवं इन सभी बिंदुओं पर कृत कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन सदस्य गण को उपलब्ध कराया जाएगा।

जिले के 52 शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित हुआ 'विद्यार्थी सहयोग शिविर'

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में मंगलवार को पश्चिम चम्पारण जिले के कुल-52 विभिन्न सरकारी शैक्षणिक संस्थानों एवं छात्रावासों में विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविरों का उद्देश्य विद्यार्थियों की समस्याओं एवं सुझावों को सुनना तथा विद्यार्थी सहयोग पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया को सुगम बनाना है। विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन विश्वविद्यालयों, अंगीभूत महाविद्यालयों, अभियंत्रण एवं चिकित्सा महाविद्यालयों, पॉलीटेक्निक संस्थानों, आईटीआई, पारा मेडिकल महाविद्यालयों, नर्सिंग स्कूलों सहित विभिन्न विभागों द्वारा संचालित छात्रावासों एवं कस्तूरबा गांधी छात्रावासों में किया गया। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, कुमारबाग पहुंचकर विद्यार्थी सहयोग शिविर का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से सीधे संवाद स्थापित कर शिविर की व्यवस्था एवं विद्यार्थी सहयोग पोर्टल के संबंध में उनका फीडबैक प्राप्त किया। जिला पदाधिकारी ने विद्यार्थियों को पोर्टल की उपयोगिता एवं इसके माध्यम से अपनी समस्याओं, सुझावों एवं शिकायतों के त्वरित निष्पादन की प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान एवं उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विद्यार्थी सहयोग शिविर एवं पोर्टल की व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, ताकि विद्यार्थियों की समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं एवं सुझावों को निर्धारित माध्यम से दर्ज कराएं, ताकि संबंधित विभाग द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा सके। उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन ने जीएनएम कॉलेज, बेतिया, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, डॉ. अंबेडकर कल्याण छात्रावास, पिऊनीबाग एवं राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, बेतिया में आयोजित विद्यार्थी सहयोग शिविरों का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया, विद्यार्थियों से बातचीत की तथा संबंधित पदाधिकारियों को शिविर के प्रभावी संचालन एवं विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित निष्पादन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसी क्रम में अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने एमजेके कॉलेज, बेतिया में आयोजित विद्यार्थी सहयोग शिविर का निरीक्षण किया।

इसके अतिरिक्त जिले के अन्य वरीय पदाधिकारियों द्वारा भी उन्हें आवंटित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं छात्रावासों में पहुंचकर विद्यार्थी सहयोग शिविरों का जायजा लिया गया। प्रशासन द्वारा सभी संबंधित संस्थानों के प्रधानों एवं नोडल पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि शिविर में आने वाले विद्यार्थियों की समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से दर्ज करते हुए उनका समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थी सहयोग अभियान का वास्तविक लाभ अधिकाधिक विद्यार्थियों तक पहुंच सके।

संक्षिप्त खबरें

सूखा नशा के खिलाफ चिरैया पुलिस की कार्रवाई, 360 ग्राम गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

मोतिहारी। चिरैया थाना पुलिस ने सूखा नशा के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 360 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशे के कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर चिरैया थाना क्षेत्र के मधुबनी गांव में कार्रवाई की गई। इस दौरान पुलिस ने विक्की कुमार, पिता रामू पासवान, निवासी मधुबनी, थाना चिरैया, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 360 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर लिया है। गिरफ्तार युवक से पूछताछ की जा रही है।

दो दिन में दो बाइक चोरी; लोगों में बढ़ी चिंता

मैनाटांड। थाना क्षेत्र में बाइक चोरों की सक्रियता से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। मैनाटांड बाजार और प्रखंड कार्यालय परिसर से महज दो दिनों के भीतर दो बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। लगातार हो रही घटनाओं से स्थानीय लोगों में भय और चिंता का माहौल है। पहली घटना शनिवार की बताई जा रही है। बसंतपुर निवासी रेयाज अंसारी बाइक से मैनाटांड बाजार में सब्जी खरीदने पहुंचे थे। उन्होंने अपनी बाइक बाजार में खड़ी की और सब्जी खरीदने चले गए। कुछ देर बाद वापस लौटने पर बाइक मौके से गायब मिली। काफी खोजबीन के बाद भी बाइक का पता नहीं चल सका। दूसरी घटना सोमवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में हुई। इनरवा थाना क्षेत्र के इनरवा गांव निवासी फैयाज आलम किसी कागजी काम के सिलसिले में प्रखंड कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने अपनी बाइक कार्यालय परिसर में खड़ी की थी। काम पूरा करने के बाद जब बाहर निकले तो बाइक वहां नहीं मिली। दोनों मामलों में बाइक मालिकों ने मैनाटांड थाना पहुंचकर लिखित आवेदन दिया है और पुलिस से बाइक बरामद करने की गुहार लगाई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि बाइक चोरी की घटनाओं की जानकारी मिली है।

नेपाल में आज भारी बारिश का अलर्ट

बगहा। नेपाल में मंगलवार को मानसूनी गतिविधियां सक्रिय रहने के कारण देशभर में मौसम सामान्यतः बादलयुक्त रहने का अनुमान है। मौसम पूर्वानुमान महाशाखा के अनुसार आज कोशी, बागमती और गंडकी प्रदेश के कुछ पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार पहाड़ी क्षेत्रों के कई स्थानों पर गरज और बिजली चमकने के साथ मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं लुम्बिनी, कर्णाली और सुदूरपश्चिम प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी मध्यम वर्षा हो सकती है। तराई क्षेत्र में बागमती, गंडकी और लुम्बिनी के कुछ स्थानों तथा मधेश, कोशी और सुदूरपश्चिम के कुछ इलाकों में बारिश का पूर्वानुमान है। विभाग के अनुसार देशभर में मानसूनी हवाएं सक्रिय हैं और मानसून की निम्न दबाव वाली पट्टी अपनी सामान्य स्थिति के आसपास बनी हुई है।

सरकारी योजनाओं में वित्तीय अनियमितता, पूर्व बीडीओ समेत कई पर प्राथमिकी

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। बगहा-2 प्रखंड में पंचायत समिति के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2020-21 में संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं में कथित वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है। अनुमंडलीय स्तर पर गठित जांच टीम की रिपोर्ट के आधार पर इस मामले में पूर्व बीडीओ, तत्कालीन प्रखंड प्रमुख, प्रधान लिपिक, नाजिर समेत कई लोगों के खिलाफ पटखौली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जांच रिपोर्ट के अनुसार पंचायत समिति द्वारा पंचम वित्त मद से वित्तीय वर्ष 2020-21 में कुल 38 योजनाएं स्वीकृत की गई थीं। इन योजनाओं के क्रियान्वयन और भुगतान की जांच के दौरान कई स्तरों पर अनियमितता सामने आने की बात कही गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कई योजनाओं में अभिकर्ता की नियुक्ति किए बिना ही भुगतान किया गया। वहीं, कई योजनाओं में मापी पुस्तिका उपलब्ध नहीं थी और कार्यस्थल पर सूचना पट्ट भी नहीं लगाया गया था। कुछ योजनाओं के अभिकर्ताओं के एकरारनामा पर हस्ताक्षर नहीं मिलने की बात भी जांच में सामने आई है। जांच के मुताबिक सभी 38 योजनाओं की कुल प्राक्कलित राशि करीब 2.59 करोड़ रुपये थी। तत्कालीन प्रखंड प्रमुख और बीडीओ के संयुक्त डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से करीब 1.28 करोड़ रुपये विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं के खातों में अग्रिम भुगतान के रूप में हस्तांतरित किए जाने की बात सामने आई है।

विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए 'विद्यार्थी सहयोग शिविर पोर्टल' का शुभारंभ

प्रात: किरण संवाददाता

मोतिहारी। विद्यार्थियों एवं छात्रावास में रहने वाले छात्रों की समस्याओं और शिकायतों के त्वरित समाधान के उद्देश्य से बिहार सरकार द्वारा विद्यार्थी सहयोग शिविर पोर्टल का ऑनलाइन शुभारंभ किया गया। मंगलवार, 25 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार सिंह ने आरोग्य भवन, जिला स्वास्थ्य समिति परिसर, सदर अस्पताल में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उपस्थित एएनएमएम/जीएनएम छात्र-छात्राओं से उनके पठन-पाठन, छात्रावास में मिलने वाली सुविधाओं और अन्य समस्याओं को लेकर विस्तार से जानकारी ली गई। छात्रों ने छात्रावास में भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई, पानी की सुविधा, शौचालय सहित विभिन्न समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया।

छात्राओं द्वारा छात्रावास में कुछ मूलभूत सुविधाओं के अभाव की शिकायत भी की गई। वहीं, मेस में उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई एवं खाना बनाने वाले कर्मियों की स्वच्छता को लेकर भी शिकायत दर्ज कराई गई।शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। छात्रावासों में पानी की बेहतर व्यवस्था के लिए वाटर प्यूरिफायर मशीन, पुरुष एवं महिला छात्रावास में एक-एक चापाकल तथा जनरेटर लगाने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही छात्रावास के बाहर साफ-सफाई नगर निगम एवं संबंधित एजेंसी के माध्यम से कराने तथा स्थानीय स्तर पर वाटर प्यूरिफायर मशीन की मरम्मत, सभी नल-टंकी आदि की साफ-सफाई एवं मरम्मत कराने का भी निर्देश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक ठाकुर विश्वमोहन, जिला योजना समन्वयक भारत भूषण, जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अमानुल्लाह, एफएलसी सह प्रभारी जिला लेखा प्रबंधक आशीष कुमार, जिला आंकड़ा सहायक अवधेश कुमार सहित जिला स्वास्थ्य समिति के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

एसएसबी में बिहार पुलिस के 149 नव आरक्षियों का प्रशिक्षण शुरू

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। एसएसबी 21वीं वाहिनी बगहा परिसर में सोमवार से बिहार पुलिस के 149 नव आरक्षी प्रशिक्षुओं के बुनियादी प्रशिक्षण की शुरूआत हुई। 270 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का विधिवत शुभारंभ वाहिनी के कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत ने किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षुओं को राष्ट्र सेवा, अनुशासन और कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने का मार्गदर्शन दिया। कमांडेंट तपेश्वर संवित राउत ने कहा कि यह प्रशिक्षण केवल शारीरिक दक्षता हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि जवानों में मानसिक दृढ़ता, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का भी माध्यम है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद ये जवान बिहार पुलिस को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। 270 दिनों तक चलने वाले प्रशिक्षण में प्रशिक्षुओं को इनडोर और आउटडोर दोनों प्रकार का व्यापक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें शारीरिक दक्षता, ड्रिल, हथियार प्रशिक्षण, फायरिंग अभ्यास, मानचित्र अध्ययन, फील्ड क्राफ्ट, जंगल वारफेयर और बाधा प्रशिक्षण शामिल हैं। इसके अलावा प्रशिक्षुओं को कानून, मानवाधिकार, सामुदायिक पुलिसिंग, साइबर अपराध, नक्सलवाद से निपटने की रणनीति, आपदा प्रबंधन, आंतरिक सुरक्षा तथा कार्यालयीन कार्यप्रणाली की भी जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण का उद्देश्य नव आरक्षियों को पुलिस सेवा की विभिन्न चुनौतियों के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से सक्षम बनाना है।

हरहा नदी में मिला अज्ञात युवक का शव, कई दिनों पुराना होने की आशंका

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। नगर थाना क्षेत्र के हरहा नदी स्थित मलाहीटोला वार्ड संख्या 34 के छठिया घाट पर मंगलवार को एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने इसकी जानकारी नगर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, मृत युवक की उम्र करीब 40 वर्ष प्रतीत हो रही है। फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो सकी है। शव की स्थिति को देखते हुए उसके कई दिनों पुराना होने की आशंका जताई जा रही है। शरीर का अधिकांश हिस्सा सड़-गल चुका है, जिसके कारण पहचान करने में परेशानी हो रही है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, बगहा भेज दिया है। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों को भी अज्ञात शव मिलने की सूचना दे रही है, ताकि हाल में दर्ज गुमशुदगी की शिकायतों के आधार पर मृतक की पहचान की जा सके।स्थानीय स्तर पर आशंका जताई जा रही है कि हरहा नदी में इन दिनों पानी का बहाव तेज और जलस्तर अधिक है। ऐसे में संभावना है कि शव किसी दूरस्थ अथवा पहाड़ी क्षेत्र से पानी के बहाव के साथ बहकर यहां पहुंचा हो। हालांकि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई और शव नदी में कहां से आया, इसका खुलासा पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। नगर थाना पुलिस पूरे मामले की तहकीकात में जुटी है।

विश्व के तीसरे ऊँचे कञ्चनजंघा क्षेत्र में पहुंचे 1,331 विदेशी पर्यटक

■ एक साल में 1,331 विदेशी पर्यटकों ने किया भ्रमण, कञ्चनजंघा संरक्षण क्षेत्र कार्यालय को 27.28 लाख नेपाली रुपये राजस्व

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के ताप्लेजुङ जिले में स्थित विश्व के तीसरे सबसे ऊंचे पर्वत कञ्चनजंघा क्षेत्र में पिछले एक वर्ष के दौरान 1,331 विदेशी पर्यटकों ने भ्रमण किया। कञ्चनजंघा संरक्षण क्षेत्र कार्यालय के अनुसार, यह आंकड़ा आर्थिक वर्ष 2082/83 का है। कार्यालय के संरक्षण अधिकारी प्रमोदकुमार यादव के अनुसार, कुल 1,331 विदेशी पर्यटकों में 79 पर्यटक सार्क देशों से आए थे, जबकि 1,252 पर्यटक अन्य देशों के थे। सार्क देशों से आने वाले पर्यटकों में 11 महिलाएं और 68 पुरुष शामिल रहे। अन्य विदेशी पर्यटकों में 439 महिलाएं और 813 पुरुष थे। आंकड़ों के अनुसार कञ्चनजंघा क्षेत्र में सबसे अधिक विदेशी पर्यटक कात्तिक महीने में पहुंचे, जब 607 पर्यटकों ने क्षेत्र का भ्रमण किया। इसके अलावा असोज में 293, चैत में 143, बैशाख में 204 और मंसिर में 78 पर्यटकों के पहुंचने का रिकॉर्ड दर्ज किया गया।कञ्चनजंघा क्षेत्र में विदेशी पर्यटकों के अलावा 49 नेपाली पर्यटक भी पहुंचे। इनमें 48 पुरुष और एक महिला शामिल थीं। संरक्षण क्षेत्र कार्यालय ने पर्यटकों से प्राप्त भ्रमण शुल्क के रूप में 27 लाख 28 हजार 400 नेपाली रुपये राजस्व भी संकलित किया। इससे पहले आर्थिक वर्ष 2081/82 में कञ्चनजंघा क्षेत्र में कुल 1,380 पर्यटक पहुंचे थे। कञ्चनजंघा क्षेत्र में विदेशी पर्यटकों के साथ नेपाली पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। क्षेत्र में पर्यटन के लिए मुख्य रूप से चैत से जेठ और असोज से मंसिर तक का समय अनुकूल माना जाता है।

एक माह से अधिक समय बीतने के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, स्थानीय लोगों में रोष

बगहा। जल संसाधन विभाग के ऊपरी शिविर स्थित तीन नम्बर पहाड़ कॉलोनी क्षेत्र में एक माह से अधिक समय से विशालकाय पेड़ गिरा हुआ है, सूचना के बावजूद वन विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने से स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि कॉलोनी से होकर गुजरने वाले रास्ते का उपयोग दिन-रात किया जाता है, जबकि आसपास घना जंगल होने के कारण हमेशा किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय निवासी अमित कुमार सिन्हा ने गुहार लगाते हुए बताया कि करीब एक माह पूर्व वन विभाग को मामले की जानकारी दी गई थी, लेकिन अब तक विभाग की ओर से कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने कहा कि कॉलोनी और जंगल के बीच स्थित इस मार्ग से लोगों का नियमित आवागमन होता है। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग को लोगों की जल्द से जल्द पेड़ काटकर हटाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

खराब सड़क और एंबुलेंस के अभाव में मरीज को खाट पर अस्पताल ले जाने की मजबूरी

■ दोन क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से ग्रामीण परेशान, बारिश में हरहा नदी का जलस्तर बढ़ने से बढ़ी मुश्किलें

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। बगहा अनुमंडल के सुदूरवर्ती दोन क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं और बेहतर सड़क व्यवस्था का अभाव ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। बरसात के दिनों में स्थिति और गंभीर हो जाती है। मंगलवार को रामनगर प्रखंड की नौरंगिया पंचायत के गर्दी दोन निवासी शुताही महतो की 55 वर्षीय पत्नी कुमारी देवी की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल पहुंचाने के लिए परिजनों को खाट का सहारा लेना पड़ा। बताया गया कि कुमारी देवी की तबीयत अचानक खराब हो गई और इधर लगातार हो रही बारिश के कारण हरहा नदी का जलस्तर बढ़ गया। वहीं, क्षेत्र की सड़कें भी बदहाल हैं,इस कारण बड़े वाहनों का आवागमन प्रभावित है। वाहन नहीं मिलने पर परिजनों ने कुमारी देवी को खाट पर लिटाया और काफी मशक्कत के बाद उन्हें नौरंगिया स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज कराया गया। स्थानीय निवासी अजय कुमार ने बताया कि हरहा नदी में पानी बढ़ने के कारण मरीज को हरनाटांड़ ले जाना काफी मुश्किल हो जाता है। इसी वजह से कुमारी देवी को नौरंगिया के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। समाजसेवी देवराज महतो ने बताया कि बरसात के दिनों में दोन क्षेत्र के लोगों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। दोन क्षेत्र से हरनाटांड़ की दूरी करीब 22 किलोमीटर है और रास्ते में कई बार नदी पार करनी पड़ती है। ग्रामीणों ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से दोन क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने, एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सड़क और नदी पार करने की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

नेपाल लुम्बिनी प्रदेश सरकार में तीन नए मंत्री नियुक्त

बगहा। नेपाल के लुम्बिनी प्रदेश सरकार में मंत्रिपरिषद का पुनर्गठन करते हुए नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा) के तीन नेताओं को मंत्री नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री चेतनारायण आचार्य की सिफारिश पर प्रदेश प्रमुख कृष्णबहादुर घर्तीमगर ने मंत्रिपरिषद में नए सदस्यों को शामिल किया है। नवनियुक्त मंत्रियों में दीपेन्द्रकुमार पुन को स्वास्थ्य मंत्रालय, इन्द्रजीत थारू को आर्थिक मामला तथा योजना मंत्रालय और कृष्णा कुश्मा थारू को कृषि, भूमि व्यवस्था तथा सहकारी मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। तीनों मंत्री मंगलवार यानी आज दोपहर 3:25 बजे बुटवल स्थित प्रदेश प्रमुख के कार्यालय में पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। मंत्रिपरिषद के पुनर्गठन के साथ कुछ पुराने मंत्रियों के विभागों में भी बदलाव किया गया है। तुलसीप्रसाद चौधरी को वन, पर्यावरण तथा पर्यटन मंत्रालय, रामजीप्रसाद घिमिरे को सामाजिक विकास मंत्रालय और संतोष कुमार पाण्डेय को शहरी विकास, ऊर्जा, सिंचाई तथा खानेपानी मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार

■ आकर्षक नौकरी का झांसा देकर युवाओं से रकम लेने का आरोप, पुलिस ने वैदेशिक रोजगार विभाग को सौंपा

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल में वैदेशिक रोजगार के नाम पर युवाओं को विदेश भेजने का झांसा देकर ठगी करने के आरोप में एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी बेरोजगार युवाओं को आकर्षक वेतन और विदेश में नौकरी दिलाने का प्रलोभन देकर रकम लेता था। पीड़ितों की शिकायत के आधार पर काठमांडू उपत्यका अपराध अनुसन्धान कार्यालय की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में विदेश भेजने का आश्वासन देकर रकम लेने और बाद में संपर्क से बाहर हो जाने की शिकायत सामने आई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई और आगे की जांच के लिए वैदेशिक रोजगार विभाग, ताहाचल, काठमांडू भेज दिया है। पुलिस मामले में आरोपी से पूछताछ कर रही है और ठगी में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। नेपाल पुलिस के अनुसार विदेश में रोजगार दिलाने के नाम पर ठगी की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। पुलिस ने युवाओं से विदेश जाने से पहले संबंधित एजेंसी और वैदेशिक रोजगार संबंधी कागजात की आधिकारिक जांच करने की अपील की है।

संक्षिप्त खबरें

धरहरा में पुरानी रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला, भाई को भी पीटा; ब्रेसलेट लूटने का आरोप

धरहरा(मुंगेर)। धरहरा थाना क्षेत्र के महरना गुमटी के समीप सोमवार की रात पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया गया। ड्यूटी से घर लौट रहे युवक को 6 लोगों ने घेरकर लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से बुरी तरह पीट दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके भाई को भी आरोपितों ने पीटकर जमीन पर गिरा दिया। ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद दोनों भाइयों की जान बच सकी। पीड़ित महरना निवासी राजेश कुमार पिता कृष्णानंद यादव ने धरहरा थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित ने बताया कि वह सोमवार की रात ड्यूटी कर घर लौट रहा था। तभी महरना गुमटी के पास पहले से घात लगाए बैठे महरना निवासी सन्नी कुमार, राजू यादव पिता दशरथ यादव, सूरज कुमार, चंद कुमार पिता साजो यादव और जगदीशपुर निवासी राजीव कुमार व विनोद कुमार पिता कमली यादव ने उसे रोक लिया। गाली-गलौज करते हुए सभी ने लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर उसका भाई नागेश्वर प्रसाद यादव मौके पर पहुंचा तो आरोपितों ने उसे भी नहीं बख्शा और मारपीट कर जमीन पर पटक दिया। शोर सुनकर जुटे ग्रामीणों ने किसी तरह दोनों को आरोपितों के चंगुल से छुड़ाया, जिसके बाद सभी हमलावर फरार हो गए। राजेश कुमार का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपितों ने उसके हाथ से सोने-चांदी का ब्रेसलेट भी छीन लिया। वहीं प्रभारी थानाध्यक्ष नेहा कुमारी ने बताया कि पीड़ित के आवेदन पर केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है, जांच के बाद आरोपितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आरसीएम ने महिलाओं की उपलब्धियों और आत्मनिर्भरता का मनाया जश्न

बर्दवान। आरसीएम कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्रा. लि. ने आरसीएम वर्ल्ड, भीलवाड़ा में महिला सशक्तिकरण, नेतृत्व, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता पर केंद्रित दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ स्पेशल विमेंस एकेडमी 2026 का समापन किया। 15-16 अगस्त को हर नारी सम्मान की अधिकारी थीम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में देश भर से महिला एसोसिएट खरीदार और लीडर्स एक साथ आईं। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत मार्च-पास्ट और ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसके बाद स्कूली छात्राओं द्वारा प्रस्तुतियां और भारत की विविधता को उजागर करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। पहले दिन एक सम्मान समारोह में महिला अचीवर्स को सम्मानित किया गया, जहां कंपनी के संस्थापक टीसी छाबड़ा और प्रबंध निदेशक प्रियंका अग्रवाल ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। टीसी छाबड़ा ने कहा कि आरसीएम ने अपनी स्थापना के समय से ही महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है, जिसमें न केवल आर्थिक स्वतंत्रता बल्कि स्वास्थ्य, आत्मविश्वास, नेतृत्व और परिवार व समाज में भागीदारी पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। वहीं अग्रवाल ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को घर और बाहर की जिम्मेदारियों को संतुलित करते हुए अपनी क्षमताओं को पहचानने और विकसित करने में मदद करना है।

ट्रेंड्स ने बर्धमान में खोला नए स्वरूप का स्टोर

बर्धमान। रिलायंस रिटेल की परिधान और एक्सेसरीज विशेषज्ञ श्रृंखला ट्रेंड्स ने त्योहारी सीजन से पहले शहर में अपनी फैशन रिटेल उपस्थिति का विस्तार करते हुए ऐतिहासिक कर्जन गेट के पास नए स्टोर को लांच किया है। एक ही मंजिल पर 9,218 वर्ग फुट में फैला यह स्टोर महिलाओं, पुरुषों और बच्चों के परिधानों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करता है, जो विभिन्न आयु समूहों और फैशन प्राथमिकताओं को पूरा करता है। इस आउटलेट में यशवा, डीएनएमएक्स, रियो और फिग जैसे लोकप्रिय इन-हाउस ब्रांड्स के साथ-साथ बाहरी परिधान ब्रांडों का भी एक विस्तृत चयन उपलब्ध है। बर्धमान में इस नए स्टोर से शहर के संगठित फैशन रिटेल परिदृश्य के और मजबूत होने की उम्मीद है। कर्जन गेट जैसे प्रमुख और व्यस्त इलाके में स्थित यह आउटलेट उपभोक्ताओं के बीच ब्रांडेड परिधानों और किफायती फैशन की बढ़ती मांग को पूरा करने का लक्ष्य रखता है।

आंगनबाड़ी सेविकाओं ने चार सूत्री मांगों को लेकर दिया धरना

सीवान/दरौंदा मानदेय बढ़ाने समेत चार सूत्री मांगों को लेकर बिहार प्रदेश आंगनबाड़ी संघ के आह्वान पर मंगलवार को दरौंदा बाल विकास परियोजना कार्यालय परिसर में आंगनबाड़ी सेविकाओं ने धरना दिया। इस दौरान सेविकाओं ने सरकार के खिलाफ अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। धरना पर बैठी सेविकाओं ने कहा कि वे वर्षों से विभागीय कार्यों के साथ-साथ सरकार के कई कार्य करते आ रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने टीबी उन्मूलन को लेकर जांच एवं स्कैनिंग अभियान चलाया

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर। केंद्र एवं राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर के निर्देश पर मुंगेर जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी उन्मूलन को लेकर व्यापक स्तर पर जांच एवं स्क्रीनिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की जांच एवं स्क्रीनिंग कर टीबी के संभावित मरीजों की पहचान की जा रही है। जांच के क्रम में कई टीबी मरीजों को चिन्हित किया गया है, जिनका स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित मानक के अनुसार उपचार भी प्रारंभ किया गया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिन्हित मरीजों को नियमित रूप से टीबी की दवा, आवश्यक कीट एवं अन्य जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। संबंधित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा मरीजों के उपचार की नियमित निगरानी भी की जा रही

है, ताकि मरीज निर्धारित अवधि तक दवा का सेवन करते रहें और उपचार को बीच में न छोड़ें। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मरीजों को टीबी के प्रति जागरूक करते हुए नियमित दवा सेवन, पौष्टिक आहार एवं चिकित्सकीय परामर्श का पालन करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। जिले में टीबी की समय पर पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से लगातार टीबी जांच एवं स्क्रीनिंग कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजन से अपील की जा रही है कि लंबे समय तक खांसी, बुखार, वजन कम होना, रात में पसीना आना, कमजोरी अथवा टीबी से संबंधित अन्य लक्षण पाए जाने पर इसे नजरअंदाज नहीं करें और तत्काल अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच कराएं। जिलाधिकारी ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में जनभागीदारी अत्यंत जरूरी है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित इस अभियान में जिले के सभी नागरिक अपना पूर्ण सहयोग दें। अपने निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में चल रहे टीबी जांच एवं स्क्रीनिंग कार्यक्रम में अवश्य भाग लें तथा अपनी जांच कराएं। समय रहते बीमारी की पहचान होने पर इसका समुचित एवं प्रभावी उपचार संभव है। उन्होंने कहा कि टीबी एक उपचार योग्य बीमारी है। समय पर जांच, सही उपचार और नियमित रूप से दवा का सेवन करने से मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो सकता है। इसलिए टीबी के लक्षणों को छिपाने अथवा बीमारी को लेकर किसी प्रकार की झिझक रखने के बजाय जांच एवं उपचार के लिए आगे आना आवश्यक है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील किया है कि वे स्वयं जांच कराने के साथ-साथ अपने परिवार, आसपास के लोगों एवं समुदाय को भी टीबी की जांच और उपचार के प्रति जागरूक करें। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मरीजों की पहचान, जांच, उपचार, नियमित दवा वितरण, मरीजों की निगरानी तथा जन-जागरूकता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य है कि जिले में टीबी के प्रत्येक संभावित मरीज की समय पर पहचान हो, उसे आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाए और उपचार की पूरी अवधि तक स्वास्थ्य विभाग की

गंगा उफान पर, प्रशासन अलर्ट
धरहरा में बाढ़ से निपटने की तैयारी तेज

■ कटाव वाले क्षेत्रों की होगी विशेष निगरानी, नाव-पॉलिथीन व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर) मानसून की आहट के साथ ही प्रशासन ने बाढ़ से निपटने के लिए कमर कस ली है। जिलाधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को धरहरा प्रखंड के शिव कुंड पंचायत भवन में बाढ़ एवं कटाव से निपटने को लेकर विशेष समीक्षा बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता अंचलाधिकारी वीरेंद्र कुमार ने की। बैठक में बाहाचौकी, हेमजापुर और शिवकुंड - तीनों पंचायतों के मुखिया, पंचायत प्रतिनिधि, राजस्व कर्मचारी, वार्ड सदस्य, नाविक और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। पोर्टल पर रिपोर्ट अपडेट करने का निर्देश बैठक में अंचलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि मानसून में किसी भी आपदा से निपटने के लिए पहले से पुख्ता तैयारी जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर पॉलिथीन की मांग से संबंधित रिपोर्ट तुरंत अपडेट करें, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा सके।

इसके साथ ही पंचायतों में उपलब्ध नावों की स्थिति, नाविकों की सूची, राहत शिविर के लिए चिन्हित सुरक्षित स्थान और त्वरित सूचना तंत्र की भी गहन समीक्षा की गई। गंगा तट का किया स्थलीय निरीक्षण,बैठक के बाद अंचलाधिकारी वीरेंद्र कुमार ने गंगा तटवर्ती गांवों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कर्मियों को निर्देश दिया कि कटाव प्रभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर अविलंब रिपोर्ट तैयार करें। उन्होंने कहा कि जहां-जहां कटाव की समस्या गंभीर है, वहां प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षा कार्य कराया जाएगा।मौके पर बाहाचौकी मुखिया रंजू कुमारी, हेमजापुर मुखिया संजय कुमार और शिवकुंड मुखिया गया देवी ने प्रशासन को हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर मनीषा देवी, चंदन कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार सिंह, रीना देवी, छोटी सिंह, प्रभु कुमार सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

सोलर ऋण मेला शिविर का विद्युत विभाग ने किया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना को जिले में व्यापक रूप से लागू करने तथा अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, मुंगेर द्वारा मंगलवार को सोलर ऋण मेला-2026 का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्युत विभाग के पदाधिकारी, संबंधित बैंक/वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधि, सोलर एजेंसियों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में आम उपभोक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन कौशल किशोर पाठक कर रहे थे।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण एवं जनोपयोगी पहल है, जिसके माध्यम से आम उपभोक्ता अपने घर की छत पर सोलर रूफटॉप प्लांट लगाकर स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा का उपयोग कर सकते हैं। इससे न केवल बिजली के खर्च में कमी आएगी, बल्कि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा वर्तमान समय की आवश्यकता है। जिले के अधिक से अधिक परिवार इस योजना का लाभ उठाएं, इसके लिए लोगों के बीच व्यापक जागरूकता पैदा करना आवश्यक है। सोलर रूफटॉप लगाने के इच्छुक उपभोक्ताओं को योजना के तहत मिलने वाली सरकारी सहायता, ऋण सुविधा, आवेदन प्रक्रिया तथा अन्य आवश्यक जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने में इस प्रकार के शिविर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सोलर ऋण मेला के माध्यम से उपभोक्ताओं को प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए ऋण सुविधा एवं योजना से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई। शिविर में संबंधित बैंक/वित्तीय संस्थानों एवं विद्युत विभाग के पदाधिकारियों द्वारा इच्छुक लाभुकों को आवेदन, ऋण प्रक्रिया, सोलर प्लांट की स्थापना तथा योजना के लाभों के संबंध में जानकारी दी गई। शिविर में बताया गया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत पात्र उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने पर सरकार द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार सब्सिडी/वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। योजना के माध्यम से उपभोक्ता अपने घर की विद्युत आवश्यकता का एक हिस्सा स्वयं सौर ऊर्जा से पूरा कर सकते हैं तथा अतिरिक्त उत्पादित बिजली को निर्धारित व्यवस्था के तहत ग्रिड में भी भेज सकते हैं।

जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र परिवारों तक पहुंचाने के लिए जागरूकता अभियान को और प्रभावी बना कर शिविरों का आयोजन किया जाए तथा इच्छुक उपभोक्ताओं को आवेदन से लेकर सोलर संयंत्र की स्थापना तक आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने आम नागरिकों से अपील किया है कि वे प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की जानकारी प्राप्त कर अपने घरों पर सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित करने की दिशा में आगे आएं। इससे बिजली की बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

कर्नल कामेश कुमार बने वी.वी गिरि विश्वविद्यालय के कुलसचिव

सीवान। कर्नल कामेश कुमार को वी.वी. गिरि विश्वविद्यालय का कुलसचिव नियुक्त किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में करीब आठ वर्षों के अनुभव के साथ वे यह जिम्मेदारी संभालेंगे। वे पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना के संस्थापक कुलसचिव के अलावा पटना विश्वविद्यालय, मौलाना मजहरुल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय तथा बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में भी कुलसचिव के पद पर कार्य कर चुके हैं।थल सेना के कोर ऑफ सिग्नल्स में 1987 में बतौर सेकेंड लेफ्टिनेंट योगदान देने वाले कर्नल कामेश कुमार को आईटी, दूरसंचार, साइबर सुरक्षा और प्रशासन का करीब 31 वर्षों का अनुभव है। वे आईआईटी कानपुर और आईआईएम बेंगलुरु के पूर्व छात्र हैं।

प्रश्नमंच प्रतियोगिता के विजेता भैया-बहनों को किया गया सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। मंगलवार को सुभाष चंद्र कादम्बरी साहा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, झील परिसर, हवेली खड़गपुर में विभागीय प्रश्नमंच प्रतियोगिता में विजेता रहे भैया-बहनों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। वंदना सभा के दौरान सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर सम्मान समारोह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। शिशु वर्ग की अंग्रेजी प्रतियोगिता में यशवंत, सृष्टि एवं आराध्या कुमारी, संगणक में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले सक्षम, अंकित एवं ऋषभ कुमार, विज्ञान में हिमांशु कुमार, राज कुमार

एवं चाहतराज तथा संस्कृत में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली रेशम कुमारी, आयुषी एवं शिवानी कुमारी को विद्यालय प्रबंध कारिणी के उपाध्यक्ष शिव प्रकाश मोदी एवं विशेष आमंत्रित सदस्य विमल टिबडेवाल ने सम्मानित किया। समारोह के दौरान विशेष आमंत्रित सदस्य विमल टिबडेवाल ने विद्यालय के भैया-बहनों के लिए विभिन्न खेल सामग्री भी प्रदान की। इनमें फुटबॉल, शतरंज, रस्सी, कैरम बोर्ड की गोटी, लूडो, बैडमिंटन तथा छोटे बच्चों के लिए बल्ला-बैट सहित अन्य खेल सामग्री शामिल हैं। उन्होंने भविष्य में भी विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी आचार्य एवं महिला आचार्य सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त किया।

ट्रेन पर लादकर ले गए जंगल के बांस, वीडियो वायरल
वन विभाग और रेलवे की नींद पर सवाल

प्रातः किरण संवाददाता

धरहरा(मुंगेर)। जमालपुर-किऊल रेलखंड के दशरथपुर स्टेशन से एक हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ लोग दिनदहाड़े जंगल से काटे गए बांस की लाठियों को ट्रेन पर लादते नजर आ रहे हैं। अब सवाल उठ रहा है कि आखिर जंगल की इस खुली लूट में रेलवे और वन विभाग की निगरानी कहां है? बताया जा रहा है कि यह वीडियो सुबह करीब 7:20 बजे जमालपुर से किऊल जाने वाली डीएमयू ट्रेन का है। वीडियो में साफ

दिख रहा है कि दशरथपुर स्टेशन के आसपास के जंगल से काटे गए बांसों को बेखौफ तरीके से ट्रेन के डिब्बों में ठूंस-ठूंस कर ले जाया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने ही इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। हालांकि प्रातः किरण इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

हरियाली पर मंडरा रहा खतरा : दशरथपुर स्टेशन के दोनों तरफ रेलवे की जमीन पर घना जंगल है, जो इस इलाके की हरियाली का बड़ा सहारा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर इसी तरह बांस की अंधाधुंध कटाई होती रही तो कुछ ही दिनों में यह क्षेत्र बंजर हो जाएगा। पर्यावरण संरक्षण के लिए जहां सरकार करोड़ों खर्च कर पौधे लगा रही है, वहीं दूसरी तरफ मौजूदा जंगल को ही उजाड़ा जा रहा है।इधर ग्रामीणों ने मांग की है कि वायरल वीडियो की उच्चस्तरीय जांच हो, बांस काटने वालों की पहचान कर उन पर कार्रवाई की जाए और यह भी पता लगाया जाए कि क्या उन्हें इस कटाई और परिवहन की अनुमति किसी विभाग से मिली थी? साथ ही दशरथपुर क्षेत्र में वन विभाग और रेलवे की संयुक्त गश्ती बढ़ाई जाए। इस संबंध में जब वन क्षेत्र पदाधिकारी नीरज कुमार सिंह से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उन्होंने मीटिंग में होने की बात कहकर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। अब देखना है कि वीडियो वायरल होने के बाद विभाग जागता है या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

विद्यार्थियों की समस्या के समाधान को लेकर जिले में लगाया गया विद्यार्थी सहयोग शिविर

■ माह के प्रत्येक चतुर्थ मंगलवार को विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन मुंगेर जिला में किया जाएगा : डीएम

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर। मुख्य मंत्री, बिहार के निर्देश पर सात निश्चय-3 के अंतर्गत सबका सम्मान, जीवन आसान के लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए विद्यार्थियों की समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए प्रत्येक माह के चतुर्थ मंगलवार को विद्यार्थी सहयोग शिविर आयोजित करने की पहल की गई है। इसी क्रम में आज 25 अगस्त 2026 से मुंगेर जिले में विद्यार्थी सहयोग शिविर का शुभारंभ किया गया।जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर के निर्देश पर जिले के सभी नौ प्रखंडों में स्थित महाविद्यालयों एवं डिग्री कॉलेजों में आज विद्यार्थी सहयोग शिविरह का आयोजन किया गया। शिविरों में विभिन्न वरीय पदाधिकारियों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं, शिकायतों एवं आवश्यकताओं से पदाधिकारियों को अवगत कराया। शिविर में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षा, छात्रवृत्ति, प्रमाण-पत्र, परीक्षा, महाविद्यालय से संबंधित कार्य, शैक्षणिक सुविधाओं सहित विभिन्न विषयों से जुड़ी समस्याएं एवं आवेदन पदाधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए गए। उपस्थित पदाधिकारियों ने छात्र-छात्राओं की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई के लिए मौके पर ही अधिकारियों को निर्देशित किया।

जिलाधिकारी के निर्देश के आलोक में शिविर में प्राप्त आवेदनों को तत्काल संबंधित विभागीय पदाधिकारियों के लॉगिन में अपलोड करने की प्रक्रिया सुनिश्चित की गई, ताकि प्रत्येक आवेदन की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जा सके तथा शिकायतों के निष्पादन की कार्रवाई निर्धारित समय सीमा के अंदर की जा सके। संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए समयबद्ध रूप से निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर पदाधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को आश्वस्त किया कि हविद्यार्थी सहयोग शिविरह केवल आवेदन प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विद्यार्थियों की समस्याओं के समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान के लिए इसकी निरंतर मॉनिटरिंग की जाएगी। प्राप्त शिकायतों की स्थिति एवं उनके निष्पादन की प्रगति पर भी संबंधित स्तर से नजर रखी जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। हविद्यार्थी सहयोग शिविरह के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं सीधे संबंधित पदाधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा तथा उनके आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रशासनिक सेवाओं एवं समस्याओं के समाधान के लिए सहज, सरल एवं प्रभावी मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार कार्रवाई करें तथा विद्यार्थियों को उनके आवेदन की प्रगति एवं निष्पादन की जानकारी उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन अब प्रत्येक माह के चतुर्थ मंगलवार को जिले के सभी संबंधित महाविद्यालयों एवं डिग्री कॉलेजों में किया जाएगा। इससे वे नयमित रूप से अपनी शिकायतें रखने के लिए एक निर्धारित मंच उपलब्ध होगा ।

हत्या के प्रयास मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार, भेजा गया जेल

दरौंदा. हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे एक आरोपित को दरौंदा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. गिरफ्तार आरोपित की पहचान थाना क्षेत्र के गोरौली गांव निवासी स्व. प्रहलाद प्रसाद के पुत्र अजय प्रसाद के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार, आरोपित के विरुद्ध दरौंदा थाना कांड संख्या 228/26 में प्राथमिकी दर्ज है. मामला दर्ज होने के बाद से ही वह फरार चल रहा था. इसी बीच पुलिस को उसके ठिकाने के संबंध में गुप्त सूचना मिली. सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने पुलिस टीम गठित कर कार्रवाई का निर्देश दिया. टीम ने तत्परता दिखाते हुए छापेमारी कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया. पुलिस की इस कार्रवाई से आपराधिक मामलों में फरार आरोपितों के बीच हड़कंप मचा हुआ है.

नशा मुक्त भारत अभियान को लेकर प्रधानाध्यापकों की बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

प्रतिनिधि, दरौंदा. नशा मुक्त भारत अभियान के तहत विद्यालयों में पंजीकरण एवं जागरूकता गतिविधियों को गति देने के लिए मंगलवार को बीआरसी दरौंदा में प्रधानाध्यापकों की बैठक आयोजित की गई. इस संबंध में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी दरौंदा सौरभ सुमन की ओर से सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक-प्रधानाध्यापिकाओं को आवश्यक निर्देश जारी किया गया था. जारी पत्र के अनुसार विद्यालय स्तर पर नशा मुक्त भारत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के बीच जागरूकता बढ़ाने तथा अभियान से जुड़ी गतिविधियों के आयोजन को

लेकर बैठक में विस्तृत चर्चा की गई. बैठक में विद्यालयों में अभियान के पंजीकरण और जागरूकता कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से संचालित करने की रणनीति भी तय की गई.

दो पालियों में हुई बैठक

बीआरसी दरौंदा में दो पालियों में बैठक आयोजित हुई. प्रथम पाली में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक सभी प्रारंभिक एवं मध्य विद्यालयों के प्रधानाध्यापक-प्रधानाध्यापिकाओं की बैठक हुई. वहीं द्वितीय पाली में दोपहर एक बजे से तीन बजे तक सभी उच्च विद्यालय, उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं निजी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक-प्रधानाध्यापिकाएं बैठक में शामिल हुए. इसके साथ एफएलएन नोडल सहायक शिक्षकों एवं नामित एफएलएन ब्लॉक रिसोर्स पर्सन भी बैठक में उपस्थित रहें. इस बैठक का मुख्य उद्देश्य रहा कि विद्यालयों के माध्यम से बच्चों और समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाया जाए तथा नशा मुक्त वातावरण बनाने की दिशा कदम बढ़ाया जाए. बैठक में प्रशिक्षक के रूप में जेपी कुमार राहुल कुमार रहे. वहीं मौके पर करुणाकांत तिवारी, कमलेश सिंह, मनोज कुमार सिंह, रविंद्र कुमार, अवधेश प्रसाद, रामाशंकर प्रसाद सहित अन्य प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे.

करसौत पैक्स अध्यक्ष पद से अनूप कुमार सिंह ने नामांकन लिया वापस, अब दो प्रत्याशियों में होगा मुकाबला

प्रातः किरण संवाददाता

दारौंदा. करसौत पैक्स अध्यक्ष पद के लिए चल रही चुनावी प्रक्रिया में मंगलवार को महत्वपूर्ण बदलाव हुआ. नामांकन दाखिल करने वाले प्रत्याशी अनूप कुमार सिंह ने निर्धारित तिथि पर अपना नामांकन वापस ले लिया. नामांकन वापसी के बाद अब पैक्स अध्यक्ष पद के लिए राजीव रंजन सिंह और अल्का देवी के बीच सीधा मुकाबला रह गया है. बता दें कि करसौत पैक्स अध्यक्ष पद के लिए नामांकन की प्रक्रिया 19 एवं 20 अगस्त को पूरी हुई थी. अंतिम दिन अनूप कुमार सिंह के नामांकन दाखिल करने के बाद अध्यक्ष पद के लिए कुल तीन प्रत्याशी मैदान में थे. मंगलवार को नामांकन वापसी की निर्धारित तिथि पर अनूप कुमार सिंह ने अपना नामांकन वापस ले लिया, जिससे चुनावी तस्वीर अब साफ हो गई है.1 सितंबर को होगा मतदान: प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी सिंपी कुमारी की ओर से जारी चुनाव कार्यक्रम के अनुसार करसौत पैक्स चुनाव के लिए 1 सितंबर 2026 को सुबह सात बजे से शाम 4:30 बजे तक मतदान कराया जाएगा. मतदान समाप्त होने के बाद उसी दिन मतगणना की प्रक्रिया शुरू होगी, जबकि चुनाव प्रक्रिया 3 सितंबर को समाप्त होगी.नाम वापसी के साथ दोनों प्रत्याशियों के बीच मंगलवार को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दी गई. इसमें अलका देवी को मोतियों का माला वहीं राजीव रंजन सिंह को ब्लैक बोर्ड चुनाव चिन्ह मिला हुआ है.नामांकन वापसी के बाद अब दोनों प्रत्याशियों के समर्थक चुनावी तैयारियों में जुट गए हैं. गांव में पैक्स अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है और प्रत्याशी मतदाताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में समर्थन जुटाने में लगे हैं. इधर, प्रखंड स्तर पर चुनाव को लेकर आवश्यक प्रशासनिक तैयारियां भी पूरी की जा रही हैं. शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए संबंधित पदाधिकारियों और कर्मियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं.

जनहित और विकास से जुड़ी योजनाओं को समय पर पूरा करें जिलाधिकारी एवं विभाग : मुख्य सचिव

मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने जिलाधिकारियों संग विभिन्न विभागों की योजनाओं पर की समीक्षा बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। । राज्य के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने मंगलवार को विभिन्न विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं की गहन समीक्षा की। बैठक में राज्य के सभी जिलाधिकारी और संबंधित विभागों के वरीय अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान कृषि, स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा, ऊर्जा सहित अन्य विभागों की योजनाओं की प्रगति की विस्तार से जांच की गई। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने जिलाधिकारियों को कहा कि विकास कार्यों और भूमि हस्तांतरण मामलों में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जनहित और विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी विभागों से आपसी समन्वय बनाकर साप्ताहिक और मासिक स्तर पर प्रगति की नियमित समीक्षा करने के साथ ही योजनाओं को पूरा कराने में महती हिस्सेदारी निभाने के भी निर्देश दिए।

किसान निबंधन की समीक्षा करते हुए यह पाया कि राज्य में कुल 86.36 लाख किसानों के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। अब तक 53.54 लाख किसानों का रजिस्ट्री पूरा हो चुका है, जो लगभग 62 प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति है। वैशाली और शेखपुरा जिलों ने इसमें शीर्ष प्रदर्शन किया है। मुख्य सचिव ने सारण और जमुई जैसे धीमी गति वाले जिलों पर नाराजगी जताई। उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि तत्काल विशेष अभियान चलाकर पंजीकरण प्रक्रिया को तेज किया जाए। साथ ही राज्य स्तर पर सत्यापन के लिए लंबित आवेदनों को भी जल्द निपटाने को कहा।

सोलर लगाने के लिए आए 1 लाख 22 हजार से अधिक आवेदन

ऊर्जा विभाग की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा में मुख्य सचिव ने जानकारी दी कि राज्य में अब तक 1,22,656 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें सोलर इंस्टॉलेशन का कार्य जारी है। पटना जिला इंस्टॉलेशन और 7,294 लाख रुपये की सब्सिडी के साथ सबसे आगे है। कुल 35,741 ऋण आवेदनों में से 58.8 प्रतिशत लोन स्वीकृत हो चुके हैं। मुख्य सचिव ने बैंकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर रिजेक्शन रेट कम करने और रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना में तेजी लाने का निर्देश दिया।

आंगनवाड़ी केंद्रों के भवन निर्माण को लेकर श्री अमृत ने जमीन की अनुपलब्धता और भूमि विवादों को तुरंत सुलझाने पर बल दिया। उन्होंने मनरेगा (वीबी-जी राम जी) और 15वें वित्त आयोग के संसाधनों के प्रभावी अभिसरण के माध्यम से भवन निर्माण को समय सीमा के भीतर पूरा कराने का निर्देश दिया।

राज्य में 2.59 करोड़ लोगों की हुई टीबी स्क्रीनिंग

स्वास्थ्य विभाग के स्तर से संचालित टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा में पाया गया कि राज्य में कुल 2.59 करोड़ लोगों की टीबी स्क्रीनिंग की जा चुकी है।

यह 52 दिनों के लक्ष्य का 213 प्रतिशत है। सारण जिले ने 400 प्रतिशत और सहरसा ने 386 प्रतिशत स्क्रीनिंग कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। मुख्य सचिव ने जिला स्तर पर ह्यटीबी मुक्त भारत समिति को सक्रिय रखने तथा निक्षय पोर्टल पर सभी परिणामों की समय पर एंट्री सुनिश्चित करने की हिदायत दी। उन्होंने फ्रंटलाइन स्क्रीनिंग बढ़ाने, शत-प्रतिशत अपफ्रंट न्यूक्लिक एसिड टेस्ट (नैट) कराने और निक्षय पोषण योजना के तहत भुगतान में तेजी लाने के निर्देश दिए। अब तक 93,275 लाभार्थियों को इस योजना के अंतर्गत भुगतान किया जा चुका है।सहकारिता विभाग की समीक्षा में मुख्य सचिव ने प्रखंड स्तरीय आधारभूत संरचनाओं, कोल्ड स्टोरेज और तरकारी आउटलेट्स के लिए लंबित तीन भूमि प्राप्तियों तथा प्याज भंडारण के लिए लंबित नौ भूमि प्राप्तियों को तुरंत स्थानांतरित करने का निर्देश जिलाधिकारियों को दिया।

उच्च शिक्षा क्षेत्र में 7 निश्चय-3 के अंतर्गत 211 नए डिग्री कॉलेजों के स्थायी परिसरों के निर्माण पर भी चर्चा हुई। अब तक 68 कॉलेजों के लिए भूमि विवरणी प्राप्त हो चुकी है, जबकि 143 कॉलेजों के लिए यह लंबित है।

प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने डीएम व एसपी से की शिष्टाचार मुलाकात

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन के एक शिष्टमंडल ने अध्यक्ष मिथिलेश रंजन के नेतृत्व में नवपदस्थापित जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक भोजपुर से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें पदभार ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुलाकात के दौरान एसोसिएशन ने भोजपुर जिले में सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधीक्षक को एक मांगपत्र सौंपा। वहीं निजी विद्यालयों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर जिलाधिकारी को भी मांगपत्र दिया गया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्राथमिक सह समग्र शिक्षा), भोजपुर से मुलाकात कर निजी विद्यालयों की समस्याओं से संबंधित मांगपत्र सौंपा तथा शीघ्र समाधान की मांग की ।जिलाधिकारी ने एसोसिएशन के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए सहयोग का भरोसा दिलाया और शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अविनाश कुमार, सचिव सह प्रवक्ता मनोज कुमार, डीपीओ डॉ. आदित्य तिवारी, कोषाध्यक्ष हेमंत कुमार यादव, जगदीशपुर सचिव राजेन्द्र सिंह तथा संयोजक सौरव सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

डेंगू से बचाव हेतु जन जागरूकता है बेहद जरूरी: डीभीडीसीओ डॉ निकेश सिंह

- डेंगू से बचने के लिए मच्छरदानी का जरूर करें प्रयोग
- बरसात के समय में मच्छर मारने वाली दवाओं का करें छिड़काव

प्रातः किरण संवाददाता

मोतिहारी।जिले में बरसात के समय में डेंगू के मामलों में वृद्धि देखी जाती है,,इस समय कई लोग इस बीमारी की चपेट में आते हैं।यही वजह है कि डेंगू की बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करना बहुत जरूरी होता है यह कहना है जिले के डीभीडीसीओ डॉ निकेश कु सिंह का।उन्होंने बताया की जिले में 11 केस मिले हैं,। तुरकौलिया 2, चिरैया 2 केसरिया 1,अरेराज 1,रक्सौल 2, तेतरिया 1 चकिया 1 हरसिद्धि 1 अतः डेंगू के बारे में जागरूक होकर अपने व अपने परिवार की खुद रक्षा कर सकें। उन्होंने बताया कि एडिस मच्छर के काटने से डेंगू रोग होता है।इससे बचाव के लिए सोते समय रात में मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए। साथ ही घर के आस-पास समय पर मच्छर मारने वाली दवाओं का छिड़काव भी करना चाहिए।

डेंगू का लार्वा रुके हुए साफ पानी में ही पनपता है :

डेंगू के मामले मानसून के शूरू होने के बाद से ही सामने आने लगते हैं। दरअसल, डेंगू का लार्वा रुके हुए साफ पानी में ही पनपता है। ऐसी सूरत में लापरवाही बरतने पर डेंगू फैलने की आशंका बढ़ जाती है। डेंगू की बीमारी में मरीज के शरीर में प्लेटलेट्स तेजी से कम होने लगते हैं। अगर प्लेटलेट्स बेहद कम हो जाए तो इससे मरीज की गम्भीर स्थिति भी हो सकती है।

जिला वेक्टर रोग नियंत्रण पदाधिकारी ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को पहले डेंगू हो चुका है तो उसे ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। ऐसे व्यक्ति दोबारा डेंगू बुखार की आशंका होने पर सरकारी अस्पताल या फिर डॉक्टर से संपर्क करें। समय पर इलाज कराने पर मरीज ठीक हो जाता है। उन्होंने बताया कि सभी तरह का बुखार डेंगू नहीं होता है। बुखार होने पर बिना समय गंवाए डॉक्टर से संपर्क करें।आशाओं को डेंगू को लेकर प्रशिक्षण कराया जा चूका है। अस्पताल में जाँच किट उपलब्ध है. मरीजों के लिए बेड उपलब्ध है। डेंगू होने की स्थिति में सभी मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। सिर्फ गंभीर मरीजों को ही भर्ती होना पड़ता है। समय पर इलाज कराने पर मरीज पूरी तरह से स्वस्थ्य हो सकता है।

डेंगू बीमारी के लक्षण:* अचानक तेजी से बुखार आना* तेज सिरदर्द होना* आंखों के पिछले हिस्से में दर्द होना* जोड़ों और मांसपेशी में तेज दर्द का एहसास होना* थकान, उल्टी,जी मिचलाना, स्किन पर रैशेज हो जाना* नाक, मसूड़ों में से थोड़ी सी ब्लीडिंग होना।

राज्य के बेहतर पर्यावरण के लिए सतत प्रयत्नशील है बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद्

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ राम चंद्र प्रसाद ने बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् के क्रियाकलापों की समीक्षा की। इस अवसर पर विभाग के अपर मुख्य सचिव आनन्द किशोर ।उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक में पर्षद् के सदस्य-सचिव, नीरज नारायण, पर्षद् के वैज्ञानिक सलाहकार एसएन जायसवाल, वैज्ञानिक, डॉ. नवीन कुमार एवं वैज्ञानिक अरूण कुमार, पर्यावरण अभियंता एके गुप्ता तथा पप्पू कुमार, तकनीकी सलाहकार भी उपस्थित थे।मंत्री का पर्षद् मुख्यालय में स्वागत करते हुए नीरज नारायण, सदस्य-सचिव द्वारा बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् के क्रियाकलापों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी गयी।सदस्य-सचिव ने सूचित किया कि पर्षद् का गठन जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के अन्तर्गत नवम्बर, 1974 में हुआ। उन्होंने बताया कि पर्षद् द्वारा नियमित रूप से गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के जल का नमूना संग्रहण एवं विश्लेषण कर उनकी गुणवत्ता की जांच की जाती है। पर्षद् द्वारा राज्य के 23 जिलों में कुल 35 अनवरत परिवेशीय वायु गुणवत्ता प्रबोधन केन्द्र संचालित हैं, जिनके माध्यम से परिवेशीय वायु गुणवत्ता का आकलन किया जाता है। पर्षद् राज्य के बेहतर पर्यावरण के लिए सतत प्रयत्नशील है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2025-26 में 10 की सांद्रता में 55.15 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी है। इसी प्रकार 2.5 की सांद्रता में 2022-23 की तुलना में वर्ष 2025-26 में 52.54 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी है ।राज्य में कुल 58 औद्योगिक इकाईयों जहां पर तेल कम्पनियों द्वारा स्वच्र्छ इंधन के रूप में पीएनजी की आपूर्ति नेटवर्क विकसित है, में पीएनजी की आपूर्ति की व्यवस्था बना दी गयी है। मंत्री द्वारा प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र में राज्य पर्षद् द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना की गयी तथा प्रदूषण नियंत्रण के मानकों को और ढृढता पूर्वक लागू करने का निदेश दिया गया।

आंदोलनकारी छात्रों पर पुलिसिया दमन की भर्त्सना

मुजफ्फरपुर ।एआईडीवाईओ के बिहार राज्य सचिव विकास कुमार एवं बिहार राज्य अध्यक्ष सरोज कुमार सुमन ने एक संयुक्त प्रेस बयान जारी कर कहा कि आज पटना में बीपीएससी टीआर ई 4. बीपीएससी दरोगा , बीपी आदि अभ्यथीर्यों के प्रदर्शन पर बर्बर पुलिस लाठीचार्ज , वाटर कैनन, टियर गैस बरपाना और सैकड़ों छात्र युवाओं की गिरफ्तारी का तीव्र भर्त्सना करते हैं । भाजपा गठबंधन शासित बिहार सरकार ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर बर्बर पुलिस लाठीचार्ज, वाटर कैनन, टियर गैस बरपाना शर्मनाक है। जब जब छात्र छात्राएं अपनी जायज मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हैं तब उनकी मांगों को सुनने के बजाय सरकार उनपर लाठी और गोली चलाती है। उन्हें गिरफ्तार करती है, यह सरकार की नाकामी दशार्ती है। यह सरकार छात्र युवा विरोधी है।

आंदोलनकारी छात्र युवाओं की मांग जब तक पूरी नहीं होती हमारा संगठन एक आईडीवाईओ इस आंदोलन को और तेज करेगा । इनकी मांगी में . लाठी चार्ज के दोषी पुलिस कर्मियों को दंडित किए जाने, गिरफ्तार छात्र युवाओं को बिना शर्त अविलंब रिहा करने ,. पुलिस लाठी चार्ज में घायल छात्र छात्राओं को समुचित इलाज ,.बीपीएससी ट आर ई 4 परीक्षा का नोटिफिकेशन पुराने पैटर्न पर अविलंब जारी करने और बीपीएससी टीआर ई 4.0 के लिए पूर्व की भाँति केवल एक परीक्षा लिए जानै की मांग शामिल हैं।

दानापुर कातिब संघ द्वारा पेपर लेस के खिलाफ हुई बैठक

दानापुर । नगर के अंतर्गत कातिब संघ दानापुर द्वारा मंगलवार को पेपर लेस के खिलाफ एक बैठक किया। बैठक में सरकार और कातिब संघ के बीच बातचीत होने की बात को भ्रामक बताया। बताया कि कि संघ के प्रांतीय अध्यक्ष उदय कुमार सिन्हा ने अपने उम्र और गिरते स्वास्थ्य को देखते हुए 17/7/26 को अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं ।जिसकी जानकारी बिहार दस्तावेज नविस संघ के महामंत्री व अन्य पदाधिकारी के बीच लिखित दिए हैं। बैठक में कहा गया कि पेपर लेस का विरोध आमजनता ओर कातिब करते हैं और पेपर बेस की मांग करते हैं। बैठक में मुकेश कुमार,अनिल कुमार, रंजीत कुमार, फिरोज खान,दिनेश कुमार सिंह, राजन कुमार,धर्मराज कुमार समेत अन्य थे।

नगर परिषद सभागार में विदाई समारोह हुआ आयोजित

दानापुर। नगर के अंतर्गत अनुमण्डल पदाधिकारी सह प्रशासक अनिरुद्ध पांडेय केस्थानांतरण पर नगर परिषद सभागार में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। नगर परिषद के पदाधिकारी व कर्मियों ने अनुमंडलाधिकारी श्री पांडेय को सम्मान पूर्वक विदाई दी। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कार्यपालक पदाधिकारी नगर व्यवस्था रवि कुमार ने कहा कि प्रशासक के पद पर 40 दिनों तक रहते हुए अनुमंडलाधिकारी ने नगर परिषद के कई महत्वपूर्ण कार्य किये। इस अवधि में उनसे पदाधिकारी एवं कर्मियों को काफी कुछ सीखने का मौका मिला। नगर प्रबंधक अमरेंद्र कुमार ने कहा कि सर के साथ काम करना काफी अच्छा रहा। उन्होंने कहा कि यह पल जहां उनके विदाई के लिए दुखी का है वही उनके पदोन्नति के साथ स्थानांतरण होने की खुशी भी है। समारोह के इस भावुक पल में अनुमंडलाधिकारी अनिरुद्ध पांडेय ने कहा कि दानापुर नगर परिषद एक बड़ा नगर परिषद है। यहां प्रशासक के रूप में कार्य करने का अवसर मिला जो काफी अच्छा रहा। आप लोग का स्नेह एवं सहयोग हमेशा याद रहेगा। कार्यक्रम का संचालन स्वच्छता पदाधिकारी अपर्णा कुमारी ने किया। इस मौके पर सहायक वास्तविद तान्या रानी, कनीय अभियंता संजय कुमार, कुमार सूर्यकांत, नीतीश कुमार, गौतम कुमार, दिवाकर कुमार, सुभाष कुमार व सफाई निरीक्षक रंजीत कुमार, संजय कुमार सुमित नगर परिषद के कर्मचारी उपस्थित थे।

बाइक के धक्के से वृद्ध की हुई मौत, मचा कोहराम

भेल्दी। छपरा-मुजफ्फरपुर एनएच 722 पर भेल्दी थाने के चांदचक के समीप सोमवार को सड़क पार कर रहे एक वृद्ध की बाइक की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान भेल्दी थाने के तकेया गांव निवासी जनक राय(65) के रूप में हुई है ।वहीं इस घटना में बाइक चालक भी जख्मी हो गया ।मिली जानकारी के अनुसार तकेया गांव के जनक राय दुकान से सामान खरीदकर घर जाने के लिए सड़क पार कर रहे थे तभी बाइक से टक्कर हो गई ।परिजन स्थानीय नीजि क्लिनिक में इलाज कराने के बाद छपरा सदर अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई ।वृद्ध की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जब्त 475 लीटर से अधिक शराब का किया गया विनष्टीकरण

पहाड़पुर। पहाड़पुर थाना परिसर में वर्षों से विभिन्न कांडों में जब्त कर रखी गई शराब का मंगलवार को विधिवत विनष्टीकरण किया गया। यह कार्रवाई वरीय पदाधिकारी के आदेशानुसार अंचलाधिकारी रामसेवक पासवान की उपस्थिति में संपन्न हुई ।थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर शराब बरामद की गई थी। इन मामलों में पहाड़पुर थाने में कुल 30 कांड दर्ज हैं। सभी मामलों में जब्त शराब को नियमानुसार विनष्ट करने की कार्रवाई की गई ।उन्होंने बताया कि 30 कांडों में पुलिस द्वारा कुल 298 लीटर देशी चुलाई शराब तथा 177.04 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई थी। इस प्रकार कुल 475.04 लीटर शराब जब्त की गई थी, जिसे मंगलवार को प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में नष्ट कर दिया गया ।विनष्टीकरण की पूरी प्रक्रिया निर्धारित नियमों के तहत पूरी की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा इस धंधे में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हनुमान आराधना में पहुंचे विधायक बबलू गुप्ता

यज्ञकर्ता बच्चा प्रसाद से की मुलाकात, क्षेत्र की सुख-शांति की कामना

सुगौली। नगर के वार्ड सात स्थित हनुमान आराधना स्थल पर मंगलवार को स्थानीय विधायक राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता पहुंचे। इस दौरान उन्होंने वहां चल रहे धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होकर यज्ञकर्ता बच्चा प्रसाद से मुलाकात की तथा आयोजन की जानकारी ली। विधायक ने श्रद्धापूर्वक हनुमान जी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया ।विधायक राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता ने हनुमान जी से क्षेत्र की सुख, शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। ऐसे आयोजनों में लोगों की सहभागिता सामाजिक एकता को भी मजबूत करती है ।इस अवसर पर यज्ञकर्ता बच्चा प्रसाद ने विधायक का स्वागत करते हुए उन्हें धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान आराधना में श्रद्धालु भक्तिभाव के साथ शामिल होकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

छात्रों की 15 सूत्री मांगों को लेकर चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात, लाठीचार्ज को बताया अनुचित

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान मंगलवार को गर्दनीबाग धरना स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने आंदोलनरत छात्रों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और मांगों को विस्तारपूर्वक सुना। इस दौरान छात्रों ने अपनी 15 सूत्री मांगों से संबंधित ज्ञापन चिराग पासवान को सौंपा ।छात्रों की समस्याओं और उनकी मांगों को गंभीरता से लेते हुए चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष छात्रों की सभी प्रमुख मांगों को रखा और कहा कि इन विषयों पर संवेदनशीलता के साथ विचार करते हुए छात्रों के हित में सकारात्मक निर्णय लिया जाना चाहिए।श्री चिराग पासवान ने इस दौरान दफादार-चौकीदारों की विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को भी मुख्यमंत्री के समक्ष प्रमुखता से उठाया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने छात्रों एवं दफादार-चौकीदारों से जुड़े सभी विषयों को गंभीरता से सुना तथा छात्रों के हित में उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया। श्री चिराग पासवान जी ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी जायज मांगों को लेकर आवाज उठा रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करना कहीं से भी उचित नहीं है। हम इस तरह की कार्रवाई का कभी समर्थन नहीं करते हैं। छात्र हमारे समाज और देश का भविष्य हैं। उनकी बातों को सुनना, उनकी समस्याओं को समझना और संवाद के माध्यम से समाधान निकालना ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की खूबसूरती है ।उन्होंने कहा कि सरकार और छात्रों के बीच संवाद का रास्ता हमेशा खुला रहना चाहिए। किसी भी समस्या का समाधान बातचीत और सकारात्मक पहल के माध्यम से किया जा सकता है। छात्रों की जायज मांगों को लेकर सरकार को संवेदनशीलता के साथ विचार करना चाहिए, ताकि बिहार के युवाओं में विश्वास और सकारात्मक वातावरण बना रहे। श्री चिराग पासवान ने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) हमेशा छात्रों, युवाओं और आम लोगों की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एनीमिया मुक्त बिहार अभियान का शंखनाद

- 30 नवंबर तक खिलायी जायेगी आयरन फॉलिक एसिड दवा

प्रातः किरण संवाददाता

गया। कुपोषण और एनीमिया की रोकथाम के लिए जिला में 25 अगस्त से 30 नवंबर तक एनीमिया मुक्त बिहार अभियान चलाया जायेगा। केंद्र सरकार के एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत राज्यव्यापी रणनीति के हिस्से के रूप में इस विशेष अभियान का संचालन किया जा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को वर्चुअल माध्यम सेह्लएनीमिया मुक्त बिहार अभियानह्व की आधिकारिक शुरूआत की है। इस अभियान के दौरान बच्चों, किशोर-किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को एनीमिया यानि खून की कमी से बचाव के लिए आयरन फॉलिक एसिड दवा का सेवन कराया जायेगा। इस मौके पर जेपीएन सदर अस्पताल सभागार में जांच शिविर लगाकर एनीमिया ग्रसित गर्भवती महिलाओं के रक्त की जांच की गयी और आयरन फॉलिक एसिड दवाएं भी दी गयी है।

सिविल सर्जन डॉ राजाराम प्रसाद ने सभी अभिभावकों और परिजनों से आयरन फॉलिक एसिड दवा सेवन कराने की अपील की है। बताया कि इस तीन महीने से अधिक लंबे अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले के बच्चों, किशोर-किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में एनीमिया की दर को तेजी से कम करना है। स्वास्थ्य विभाग ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए पुख्ता तैयारियां की हैं। जिला स्वास्थ्य समिति डीपीएम नीलेश कुमार ने बताया कि जिला में चार लाख 80 हजार लाभुकों को दवा सेवन कराने का लक्ष्य रखा गया है।

अभियान के अंतर्गत जिले के सभी सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य उप-केंद्रों के माध्यम से लक्षित समूहों को मुफ्त आयरन और फॉलिक एसिड की गोलियां और सिरप देना है और इसके सेवन के लिए जागरूक करना है।

आमजन में बच्चों के बच्चों को पेट में होने वाले कीड़े और इससे बचाव के लिए जागरूक करना है। बच्चों के कुपोषित तथा एनीमिया से ग्रसित होने का एक बड़ा कारण पेट में कीड़े होना है। बताया कि इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग पंचायती राज संस्थाओं, जीविका दीदियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर दवा सेवन कराने का काम करेगी।

आशा और एएनएम द्वारा घर-घर जाकर लोगों को एनीमिया के लक्षणों, इसके नुकसान और हरी पत्तेदार सब्जियां और विटामिन-सी युक्त फल के महत्व पर जागरूक कर व्यवहार परिवर्तन पर बल दिया जाएगा। छह माह से 59 माह के बच्चे को आयरल फॉलिक एसिड सिरप देना है। पांच वर्ष से नौ वर्ष के बच्चों को आयरन फॉलिक एसिड की गुलाबी गोली देनी है। दस वर्ष से 19 वर्ष के किशोर–किशोरियों को आयरन फॉलिक एसिड की नीली गोली देनी है। 20 से 49 वर्ष की प्रजन्न उम्र की महिलाओं को आयरन फॉलिक एसिड की लाल गोली देनी है।

महावीरी झंडा जुलूस को लेकर को थाना परिसर में हुई बैठक

सुगौली, पू.चः रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर निकलने वाले महावीरी झंडा जुलूस को लेकर मंगलवार को थाना परिसर में बैठक आयोजित की गई। अंचल पुलिस निरीक्षक मुन्ना कुमार एवं थानाध्यक्ष अनिष कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित बैठक में नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों के साथ जुलूस के शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई ।बैठक के दौरान अधिकारियों ने कहा कि महावीरी झंडा जुलूस निर्धारित रूट के अनुसार ही निकाला जाएगा। जुलूस जिस मार्ग से जाएगा, उसी निर्धारित मार्ग से वापस लौटना होगा। प्रशासन की ओर से स्पष्ट निर्देश दिया गया कि जुलूस के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो, इसका सभी लोग विशेष ध्यान रखें।अंचल पुलिस निरीक्षक मुन्ना कुमार ने कहा कि रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण पर्व को आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की जिम्मेदारी सभी की है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन कराने में सहयोग करने की अपील की।

पिकअप की ठोकर से घायल अधेड़ की मौत

सुगौली,पू चः--स्थानीय थाना क्षेत्र के छपवा-तुरकौलिया पथ में तेज रफ्तार पिकअप की ठोकर से एक अधेड़ की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद पिकअप चालक गाड़ी लेकर भागना चाहा।लेकिन लोगों की तत्परता से छपवा चौक पर चालक पिकअप छोड़ कर भागने में कामयाब रहा।मृतक जवाहर शर्मा (66)थाना क्षेत्र के दक्षिणी सुगांव पंचायत के बढई टोला का निवासी बताया जाता है ।लोगों ने घटना की सूचना थानाध्यक्ष को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस की टीम ने गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को इलाज के लिए मोतीहारी ले गए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया है ।थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि पिकअप को जप्त कर लिया गया है ।वहीं मृतक के परिजनों की ओर से अभी आवेदन नही मिला है। आवेदन मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर अगली कार्रवाई की जायेगी ।परिजनों ने बताया कि जवाहर शर्मा अहले सुबह खेत देखने के लिए साइकल से निकले थे। फार्म चौक पर रोड पर पहुंचे ही थे कि तुरकौलिया की ओर से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने जबरदस्त ठोकर मार दी।

राष्ट्रीय सूचना एवं जनसंपर्क सचिव सम्मेलन में बिहार की भागीदारी

- सूचना तंत्र को सुदृढ़ बनाने और केंद्र-राज्य समन्वय बढ़ाने पर हुआ मंथन

प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बिहार सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव नवीन कुमार ने मंगलवार को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के सूचना एवं जनसंपर्क सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन में बिहार का प्रतिनिधित्व किया। सम्मेलन में भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री चंचल कुमार सहित केंद्र सरकार तथा विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्मेलन का उद्देश्य केंद्र और राज्यों के बीच सूचना एवं जनसंचार व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने, बदलते मीडिया परिदृश्य के अनुरूप नई व्यवस्थाओं को अपनाने तथा परस्पर समन्वय को सुदृढ़ करना रहा। सम्मेलन के दौरान सूचना एवं प्रसारण क्षेत्र से जुड़े विभिन्न नीतिगत एवं व्यावहारिक विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में प्रेस सूचना ब्यूरो और राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के सूचना एवं जनसंपर्क विभागों के बीच साझेदारी को मजबूत करने पर विशेष चर्चा हुई। इसके साथ ही सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारियों के क्षमता निर्माण के लिए भारतीय जनसंचार संस्थान की प्रशिक्षण सुविधाओं के उपयोग पर भी विचार किया गया।

सम्मेलन में वेव्स 2027 की रूपरेखा, वेव्स बाजार के माध्यम से बाजार तक पहुंच को मजबूत करने, सार्वजनिक सेवा प्रसारण अवसंरचना के विस्तार तथा राज्य-विशिष्ट कार्यक्रमों और जनसंपर्क को प्रभावी बनाने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। फिल्म शूटिंग एवं लाइव इवेंट की अनुमति के लिए ।इंडिया साइन हब के सिंगल विंडो पोर्टल को अपनाने तथा सार्वजनिक सेवा प्रसारण में राज्यों की भागीदारी बढ़ाने पर विचार किया गया।

इसके अतिरिक्त पीआरपी एक्ट, 2023 के अंतर्गत प्रेस सेवा पोर्टल के माध्यम से डिजिटल व्यवस्था की ओर संक्रमण, ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों में कम लागत वाले सिनेमा को प्रोत्साहन, सिनेमा हॉल में सुगम्यता मानकों के क्रियान्वयन तथा वेवएक्स स्टेट इकोसिस्टम को प्रभावी बनाने जैसे विषय भी सम्मेलन के एजेंडे में शामिल रहे।

बिहार की ओर से सम्मेलन में भागीदारी राज्य की सूचना एवं जनसंपर्क व्यवस्था को राष्ट्रीय स्तर पर विकसित हो रही नई तकनीकों, डिजिटल माध्यमों और संस्थागत व्यवस्थाओं से और अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण रही। सम्मेलन ने केंद्र और राज्यों के बीच अनुभवों एवं कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान के साथ बेहतर समन्वय और क्षमता निर्माण के लिए साझा मंच प्रदान किया।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496